THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 334 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.12 2079 शुक्रवार, 17 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'आदिवासियों से बहुत कुछ सीखा'

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम में 'आदि महोत्सव' का उद्घाटन कर दिया। इस मौके पर जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा उनके साथ रहे। पीएम मोदी ने यहां स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, शिल्प, खान-पान, वाणिज्य और पारंपरिक कला को प्रदर्शित किया जा रहा है। जनजातीय समुदायों की ओर से उपजाए जाने वाले श्री अन्न, इस कार्यक्रम का केंद्र बिंदु रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अपना संबोधन भी दिया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आदिवासी समाज के विरासत से लेकर विकास पर चर्चा की। लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'आदि महोत्सव' विकास और विरासत के विचार को और अधिक जीवंत बना रहा है। जो पहले खुद को दूर-सुदूर समझता था अब सरकार उसके द्वार जा रही है, उसको मुख्यधारा में ला रही है। आदिवासी समाज का हित मेरे लिए व्यक्तिगत रिश्तों और भावनाओं का विषय है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने देश के कोने कोने में आदिवासी समाज और परिवार के साथ अनेक सप्ताह बिताए हैं। मैंने आपकी परंपराओं को करीब से देखा भी है, उनसे सीखा भी है और उनको जिया भी है। आदिवासियों की जीवनशैली ने मुझे देश की विरासत और परंपराओं के बारे में बहुत कुछ सिखाया है।

आदिवासियों की जीवन परंपरा पर्यावरण के लिए लाभदायक :

पीएम मोदी ने कहा कि आज वैश्विक मंचों से भारत आदिवासी परंपरा को अपनी विरासत और गौरव के रूप में प्रस्तुत करता है। आज भारत विश्व को बताता है कि अगर आपको जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों का समाधान चाहिए तो हमारे आदिवासियों की जीवन परंपरा देख लीजिए... आपको रास्ता मिल जाएगा।

उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही

पीएम मोदी ने कहा कि हम कैसे प्रकृति से संसाधन लेकर भी उसका संरक्षण कर सकते हैं इसकी प्रेरणा हमें हमारे आदिवासी समाज से मिलती है। भारत के जनजातीय समाज द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है और ये विदेशों में निर्यात किए जा रहे हैं। 80 लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्फ ग्रुप आज अलग-अलग राज्यों में काम कर रहे हैं जिसमें सवा करोड़ से ज्यादा सदस्य हमारे जनजातीय भाई-बहन हैं और इनमें भी बड़ी संख्या हमारी माताओं-बहनों की है।

आदिवासी युवाओं की भाषा की बाधा होगी खत्म :

पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी युवाओं को भाषा की बाधा के कारण बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता था लेकिन अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई का विकल्प भी खोल दिया गया है। अब हमारे आदिवासी बच्चे, आदिवासी युवा अपनी भाषा में पढ़ सकेंगे, आगे बढ़ सकेंगे।

देश जब आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को अपनी प्राथमिकता देता है :

पीएम मोदी ने कहा कि देश जब आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को अपनी प्राथमिकता देता है, तो प्रगति के रास्ते अपने आप खुल जाते हैं। हमारी सरकार में 'वंचितों को वरीयता' के मंत्र को लेकर, देश विकास के नए आयाम को छू रहा है।

आदिवासी क्षेत्रों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जा रहा :

पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जा रहा है। देश के हजारों गांव जो पहले वामपंथी उग्रवाद से ग्रसित थे उन्हें 4-जी कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है। यहां के युवा अब इंटरनेट और इंफ्रा के जरिए मुख्यधारा से कनेक्ट हो रहे हैं।

त्रिपुरा में 81 प्रतिशत मतदान

अगरतला, 16 फरवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा की 60 विधानसभा सीटों पर गुरुवार सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग अब खत्म हो गई है। शाम 5 बजे तक 81 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव के नतीजे 2 मार्च को आएंगे। इससे पहले 2018 में त्रिपुरा में 90 प्रतिशत मतदान हुआ था और सरकार भाजपा ने बनाई थी।

इस बार राज्य में कुल 3,337 पोलिंग बूथ बनाए गए थे। सिंगल फेज में हुए चुनाव में राज्य की 28.13 लाख जनता ने 259 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला किया। यह चुनाव 2023 का पहला चुनाव है। उधर, भाजपा-कांग्रेस को ट्विटर पर वोटिंग अपील करना भारी पड़ गया। चुनाव आयोग ने दोनों दलों को आचार संहिता उल्लंघन के मामले में नोटिस भेजा है। भाजपा महासचिव दिलीप सैकिया को भी इस मामले में नोटिस भेजा गया है।

प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में भगदड़

एक महिला की मौत, तीन लापता-पं. मिश्रा बोले मौत आनी होगी तो आएगी ही

भोपाल, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को भारी भीड़ के कारण हालात बेकाबू हो गए। रुद्राक्ष लेने के चक्कर में भगदड़ जैसी स्थिति बनी हुई है। एक महिला की मौत हो गई। तीन महिलाएं लापता हो गई हैं।

भीड़ इतनी है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। रुद्राक्ष पाने में नाकाम लोग पंडित मिश्रा के खिलाफ नारे लगाते हुए लौट रहे हैं। इस वक्त यहां करीब 10 लाख लोगों के मौजूद होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का महोत्सव स्थल का दौरा भी निरस्त कर दिया गया है। मंडी थाना एएसआई धर्म सिंह वर्मा ने बताया कि महाराष्ट्र के नासिक के मालेगांव से आई मंगला बाई (50) की तबीयत अचानक खराब हो गई। उसे चक्कर आया और वह गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। छत्तीसगढ़ के भिलाई, राजस्थान के गंगापुर और महाराष्ट्र के बुलढाणा की रहने वाली तीन महिलाएं लापता हो गई हैं। कथा के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि लोग मौत से डरते हैं। कहते हैं कि हम केदारनाथ नहीं जाएंगे। वहां बहुत ठंड है, कुछ हो गया तो क्या होगा, लेकिन अगर मौत आनी है तो आएगी ही। भले ही आप घर में ही क्यों न हो। आप घर में होंगे, पैर पोछने के लिए पायदान पर पैर रखोगे और अगर मौत आनी ही होगी तो तुरंत पायदान फिसल जाएगा। आप 7 तालों में ही क्यों न बंद हो, मौत को आना है तो वह आएगी ही। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि जो लोग यहां रुद्राक्ष के लालच में आ रहे हैं, तो वे न आएं। टिकट कैंसिल करा लो। यहां आना है तो महादेव के लिए आओ। उनसे क्या मिलेगा, उसकी लालच में आओ। रुद्राक्ष के लिए आने की आवश्यकता नहीं है। >14

स्वरा भास्कर ने गुपचुप कर ली शादी

समाजवादी पार्टी के नेता फहाद अहमद से कोर्ट मैरेज की, वीडियो शेयर कर दी जानकारी

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। स्वरा भास्कर ने शादी कर ली है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के नेता फहाद अहमद से कोर्ट मैरेज की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्वरा ने 6 जनवरी को शादी कर ली थी लेकिन आज उन्होंने इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की।

स्वरा भास्कर के पति फहाद अहमद समाजवादी पार्टी युवजन सभा के स्टेट प्रेसिडेंट हैं। स्वरा ने सोशल मीडिया पर 2 मिनट 5 सेकेंड का एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उनकी पूरी लव स्टोरी दिखाई गई है। फहाद अहमद समाजवादी पार्टी के मेंबर हैं और वर्तमान में पार्टी की महाराष्ट्र इकाई से जुड़े हुए हैं। वो अक्सर पब्लिक मीटिंग्स में सरकार के खिलाफ बोलते नजर आते हैं। स्वरा ने कुछ दिन पहले एक फोटो शेयर किया था जिसमें वो किसी मिस्ट्री बॉय की बाहों में सिर टिकाए बैठी थीं। इस फोटो के साथ उन्होंने लिखा था, हो सकता है ये प्यार है। उस समय ये बात क्लियर नहीं हो पाई थी कि स्वरा के साथ ये मिस्ट्री बॉय कौन है। >14

भाजपा विधायक हार्दिक पटेल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

2017 के मामले में अदालत में नहीं हुए थे पेश

अहमदाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा विधायक हार्दिक पटेल के खिलाफ गुजरात के सुरेंद्रनगर ज़िले की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने 2017 के एक मामले में पेश नहीं होने पर यह कार्रवाई की है।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डीडी शाह ने सुरेंद्रनगर जिले में ध्रांगधरा तालुका पुलिस थाने के अधिकारी को पटेल को गिरफ्तार करने और बिना असफल हुए अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। दरअसल, हार्दिक पटेल ने 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले सुरेंद्रनगर जिले के एक गांव में सरकारी आदेश का उल्लंघन करते हुए राजनीतिक भाषण दिया था। इस मामले में 12 जनवरी, 2018 को एफआईआर दर्ज की गई थी।

अधिसूचना का किया था उल्लंघन

प्राथमिकी के मुताबिक, हार्दिक पटेल और उनके साथी कौशिक पटेल ने विधानसभा चुनाव से पहले 26 नवंबर, 2017 को गांव में एक बैठक आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

उन्हें बैठक की अनुमति दी गई थी। इस दौरान उन्होंने अपने भाषण में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी अधिसूचना का कथित रूप से उल्लंघन किया था। इसके बाद उन पर धारा 37 (3) और 135 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

एयर चीफ मार्शल ने एयरोस्पेस क्षेत्र के स्टॉलों का दौरा किया

बेंगलुरू, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने एयरो इंडिया शो में प्रदर्शन के लिए एयरोस्पेस क्षेत्र के विभिन्न स्टालों का दौरा किया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में फर्मों के काम करने के तरीकों पर चर्चा की। बता दें कि एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में एयरो इंडिया शो, एशिया और दुनिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी है। युद्धक विमानों, रक्षा उपकरणों एवं तकनीक को प्रदर्शित करने वाला यह आयोजन साल 1996 से लगातार हर दो साल के बाद सफलतापूर्वक आयोजित हो रहा है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू के बाहरी इलाके में स्थित येलहंका वायुसेना स्टेशन परिसर में एयरो इंडिया के 14वां संस्करण का आयोजन किया गया है। 13 फरवरी से शुरू हुआ एयरो शो 17 फरवरी तक जारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशिया के सबसे बड़े एयरो शो का 13 फरवरी को उद्घाटन किया था।

शादियों में चोरी करने का सालाना पैकेज 18 लाख

एमपी गैंग में 8 से 13 साल के बच्चे ज्यादा, लग्जरी गाड़ी-फ्लाइट में करते हैं सफर

बूंदी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। शादी समारोह में चोरी करने के लिए एमपी गैंग एक्टिव है। उसकी गैंग में 8 से 13 साल के बच्चे सबसे ज्यादा हैं। इनका काम किसी भी शादी में जाकर गहनों से भरा बैग पार करना होता है। इसके लिए बाकायदा इन्हें ट्रेनिंग दी जाती है। कैसे कपड़े पहनने हैं, किस तरह चलना है, किस तरह बात करनी है, कैसे बैठना है इन सब बातों को ट्रेनिंग में शामिल किया जाता है।

रहन-सहन का तरीका बेहतर हो, इसके लिए इन्हें लग्जरी गाड़ियों और फ्लाइट में लाया, ले जाया जाता है। ताकि वहां के माहौल को बारीकी से समझ सकें। ये खुलासा राजस्थान के बूंदी में पकड़े गए एक नाबालिग ने पुलिस के सामने किया है।

9 फरवरी को पकड़ा गया था नाबालिग

बूंदी के एक मैरिज गार्डन में 9 फरवरी को एक नाबालिग चोरी करते पकड़ा गया था। वह तीसरी क्लास तक पढ़ा है। आरोपी मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के गुल खेड़ी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो होश उड़ाने वाली जानकारी सामने आई।

नाबालिग 18 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर एमपी की गैंग में काम करता है। यह गैंग शादी समारोह से गहनों और रुपये से भरे बैग चोरी करता है। शादी समारोह में छोटे बच्चों पर कोई शक नहीं करता है, इसलिए शातिर बदमाश बच्चों को ट्रेनिंग देते हैं। पैकेज की पूरी डील बच्चों के परिवार वालों से होती है।

एक गैंग में 8 से 10 मेंबर होते हैं। इनमें बच्चे ज्यादातर होते हैं। गैंग के मेंबर बच्चों को देशभर में लग्जरी कार, ट्रेन और हवाई सफर तक करवाते हैं, ताकि उनकी चाल-ढाल, बोल-चाल की स्टाइल बदल सके। इसके साथ ही उनको वारदात के नए तरीके सिखाए जाते हैं। शादी समारोह में ले जाकर चोरी करने के तरीके बताए जाते हैं।

ये गैंग मध्य प्रदेश बॉर्डर से सटे राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा वारदात करती है। पुलिस के पास रोहतक (हरियाणा), दिल्ली, जयपुर (राजस्थान), जालोर (राजस्थान) और महाराष्ट्र में चोरी को लेकर फोन आ चुके हैं।

इतनी वारदातें कीं, गिनती भूल गया :

एसपी जय यादव ने बताया, नाबालिग से पूछताछ में तमाम ऐसी जानकारियां मिल रही हैं, जो पुलिस के लिए बिल्कुल नई हैं। नाबालिग ने पूछताछ में खुलासा किया कि अब तक इतनी वारदातें कर चुका है कि गिनती भूल गया है।

तीसरी क्लास तक पढ़ा-लिखा यह लड़का बेहद शार्प है। उसने बताया कि उसके माता-पिता ने उसे 4 साल पहले शादी समारोह से बैग चोरी करने वाली गैंग को 18 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर सौंप दिया था। तब से वह कई वारदातें कर चुका है।

रेकी कर टारगेट तय करती है गैंग :

गिरोह के सदस्य पहले उस इलाके में रेकी कर टारगेट तय करते हैं। इसके बाद नाबालिग और उसके साथ गैंग के कुछ सदस्य सूट-बूट और अच्छे कपड़े पहनकर शादी समारोह में घुस जाते हैं। यहां नाबालिग रुपए या गहनों से भरा बैग पार कर गैंग के सदस्यों को दे देता है। इसके बाद वह खुद भी वहां से निकल जाता है।

गैंग के बच्चों को वीवीआईपी सुविधाएं :

वारदात कराने के लिए गैंग नाबालिग को सभी जगहों पर लग्जरी गाड़ी से ले जाती है। इसके अलावा दूसरे राज्यों में जाने के लिए ट्रेन और हवाई सफर तक कराती है।

इस दौरान उसके पास मेकअप सामग्री के साथ 10-12 जोड़ी कपड़े भी होते हैं। एक वारदात के दौरान पहने गए कपड़े दोबारा काम में नहीं लिए जाते हैं। होटल में रुकने पर पकड़े जाने का खतरा रहता है, जिससे बचने के लिए गैंग के मेंबर गाड़ी में ही सो जाते हैं। >14

पहली बार शिवाजी का जन्मदिन आगरा के किले में मनाया जाएगा

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी महाराज की 393वीं जयंती पहली बार आगरा किले के 'दीवान-ए-आम' में मनाई जाएगी। महाराष्ट्र सरकार और कई सामाजिक संगठनों के वर्षों के प्रयासों के बाद यह संभव हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा किले में शिव जयंती समारोह की अनुमति दी है। कई सामाजिक समूहों ने सरकार से आगरा के किले में 'दीवान-ए-आम' में भव्य तरीके से कार्यक्रम मनाने का आग्रह किया था, लेकिन इस अपील को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने खारिज कर दिया, जो विरासत स्मारक की देखभाल करता है। बाद में, उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने एएसआई को निर्देश दिया कि यदि महाराष्ट्र सरकार सह-आयोजक के रूप में शामिल है, तो समारोह की अनुमति दें। इसके बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एएसआई और अन्य अधिकारियों को लिखा कि राज्य सरकार कुछ सामाजिक समूहों के साथ इस आयोजन से जुड़ेगी। सितंबर 2020 में, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किले में मौजूदा मुगल संग्रहालय का नाम बदलकर 'छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय' करने का फैसला किया था। आगरा के किले का मुगल और मराठा साम्राज्य के इतिहास में एक विशेष महत्व है, जो लंबे समय तक आपस में भिड़े रहे थे।

1666 की गर्मियों में मराठा राजा शिवाजी को मुगल सम्राट औरंगजेब ने आगरा में शाही दरबार में उनके 50वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। शिवाजी, अपने बेटे राजकुमार संभाजी के साथ, 12 मई, 1666 को जन्मदिन के लिए आगरा पहुंचे और छल से दोनों को सम्राट औरंगजेब के सैनिकों द्वारा बंदी बना लिया गया। 17 अगस्त, 1666 को मिठाई के बक्सों में भागने से पहले शिवाजी और संभाजी अपने वफादार सैनिकों के साथ लगभग तीन महीने तक बंदी बने रहे।

ट्रिपल तलाक कानून के बाद भी

मुस्लिम महिलाओं में नहीं बनी बीजेपी की बात सर्वे के आंकड़े दे रहे गवाही

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 के लिए कार्यकर्ताओं को नया संदेश दिया है. जनवरी में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को पसमांदा मुस्लिमों तक पहुंचने का संदेश दिया है. ये पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी ने मुसलमानों तक पहुंचने की बात की है. इसके पहले पीएम मोदी ट्रिपल तलाक कानून के जरिए मुसलमानों की आबादी को साधने की कोशिश कर चुके हैं. क्या इसका फायदा बीजेपी को मिला था, आइए जानते हैं. साल 2019 में मोदी सरकार ने संसद में एक बिल पारित कर इस्लाम में मुस्लिम पुरुषों को मिले तीन तलाक के अधिकार को अवैध घोषित कर दिया था. 1 अगस्त, 2019 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बिल पर हस्ताक्षर करने के साथ ही यह कानून बन गया. इसके पहले 25 जुलाई को लोकसभा और 30 जुलाई को राज्यसभा से यह बिल पास हुआ था.

बीजेपी ने किया था प्रचार

बिल पास होने के बाद बीजेपी ने इसका खूब प्रचार किया था और इसे मुसलमान महिलाओं को प्रताड़ना से बचाने वाला बताया था. चुनावी रैलियों में पीएम मोदी ने मुस्लिम महिलाओं को संबोधित करते हुए तीन तलाक खत्म होने के फायदे गिनाए थे. पीएम मोदी समेत पूरी बीजेपी के जोर-शोर से प्रचार के बावजूद, आंकड़े बताते हैं कि मुस्लिम महिलाओं की साधने की बीजेपी की कोशिश का उतना असर नहीं हुआ है, जितना इससे उम्मीद थी. इंडिया टीवी और मैट्रिज का सर्वे इसकी गवाही देता है.

मुस्लिम महिलाओं पर नहीं चला मोदी मैजिक

मैट्रिज के साथ मिलकर किए गए इस सर्वे को दिसम्बर 2022 में जारी किया गया था. इसमें सवाल किया गया था कि क्या तीन तलाक कानून लागू होने के बाद मुस्लिम महिलाओं ने पीएम मोदी के लिए वोट किया. सर्वे के नतीजों के अनुसार सिर्फ 9 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं ने वोट किया. 72 प्रतिशत मुस्लिम महिलाएं अभी भी पीएम मोदी को वोट नहीं दे रही हैं. वहीं, 19 प्रतिशत की स्थिति साफ नहीं है. दिलचस्प बात ये है कि हिंदू महिलाओं का वोट काफी संख्या में मिल रहा है. कानून बनने के बाद 24 प्रतिशत हिंदू महिलाओं ने पीएम मोदी का समर्थन किया है, जबकि 62 प्रतिशत का जवाब न रहा है. 14 प्रतिशत ने कुछ भी नहीं कहा. मैट्रिज का इस ओपिनियन पोल के लिए 11 से 24 जुलाई, 2022 के बीच आंकड़े इकट्ठा किए गए थे. सर्वे में देश की 543 लोकसभा सीट में से 136 लोकसभा सीट में रहने वाले करीब 34000 लोगों ने हिस्सा लिया था.

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश विफल सुरक्षाबलों ने आतंकी मार गिराया

कुपवाड़ा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के कुपवाड़ा के अग्रिम इलाके में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को विफल किया है। सुरक्षाबलों ने यहां एक आतंकी को मार गिराया है। जानकारी के अनुसार, कुपवाड़ा पुलिस को बुधवार की रात घुसपैठ से जुड़ा एक विशेष इनपुट मिला था। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने मोर्चा संभाला। जिले के अग्रिम क्षेत्र सैदपोरा में टीम ने संदिग्ध गतिविधि देखी। इस दौरान

कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने एक घुसपैठिए को ढेर कर दिया है।

आप को झटका

बीजेपी की कौसर जहां बनीं दिल्ली हज कमेटी की अध्यक्ष

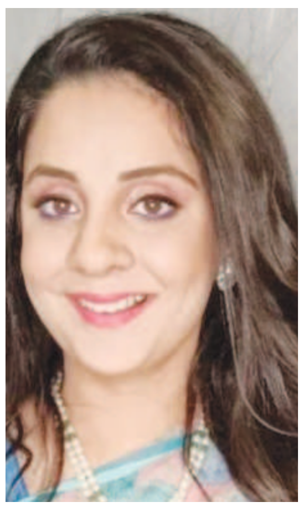

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के हाथ से दिल्ली हज कमेटी का नियंत्रण निकल गया है. कौसर जहां दिल्ली हज कमेटी की अध्यक्ष बन गई हैं. बीते महीने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बात को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी कि दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बिना निर्वाचित सरकार से सलाह मशवरा किए दिल्ली हज कमेटी के सदस्य नियुक्त कर दिए. दिल्ली हज कमेटी अध्यक्ष के लिए आज चुनाव हुआ, जिसमें 3-2 के बहुमत से बीजेपी कार्यकर्ता कौसर जहां दिल्ली हज कमेटी के अध्यक्ष चुनी गईं. कौसर जहां को भाजपा का समर्थन था. चुनाव में तीन ही वोट पड़े. दो सदस्यों, गौतम गंभीर, मोहम्मद साद और ख़ुद कौसर जहां ने इनके लिए वोट किया. दो सदस्यों आप विधायकों अब्दुल रहमान और हाजी यूनुस ने बायकाट किया, जबकि कांग्रेस की पार्षद सदस्य नाजिया दानिश उपलब्ध नहीं रहीं.

बागेश्वर धाम से युवती लापता

अर्जी निकलने से पहले एक महिला की मौत

छतरपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छतरपुर में बागेश्वर धाम में दर्शन करने और अर्जी लगाने आई एक युवती के गायब होने का मामला सामने आया है। उसके परिजन उसकी तलाश में जुट गए हैं। वहीं, फिरोजाबाद से आई एक महिला की पर्ची निकलने से पहले मौत हो गई। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पिछले कुछ समय से विवादों में हैं। कथा के दौरान वे दरबार लगाते हैं। इस दौरान वे पर्ची बनाते हैं और उसमें बुलाए गए व्यक्ति के बताने से पहले उसकी समस्याएं लिख देते हैं। इस वजह से हजारों लोग बागेश्वर धाम में हनुमान मंदिर के दर्शन करने और अपनी अर्जी लगाने पहुंच रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला के देवकली जयराम निवासी ओमप्रकाश मौर्या की पुत्री नीरज मौर्या 12 फरवरी से लापता है। पिता ओमप्रकाश के अनुसार वह प्रेत दरबार बागेश्वर धाम से गुम हो गई है।

विधायक अयोग्यता मामले में

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिवसेना के बागी विधायकों (शिंदे गुट) की अयोग्यता के मामले पर उद्धव गुट की ओर से नबाम रेबिया फैसले को लेकर दी गई दलील पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. गुरुवार को पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुप्रीम कोर्ट पहले ये तय करेगा कि इस मामले को 7 जजों की संविधान पीठ के पास भेजा जाए या 5 जजों की संविधान पीठ ही सुनेगी. सुप्रीम कोर्ट ने संविधान पीठ ने 2016 के अरूणाचल प्रदेश के नबाम रेबिया फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुप्रीम कोर्ट पहले तय करेगा कि नबाम रेबिया पर पुनर्विचार के लिए बड़ी पीठ के पास भेजा जाए या नहीं. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि नबाम रेबिया का फैसले में कुछ बदलाव की जरूरत है.

फैसले में बदलाव की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम यह नहीं कहेंगे कि 2016 का फैसला गलत था लेकिन उसमें कुछ बदलाव कर मजबूत करने की जरूरत है. दरअसल, सुनवाई के दौरान उद्धव गुट ने नबाम रेबिया फैसले के कुछ पहलुओं पर भी सवाल उठाया गया था उसके कुछ पहलुओं पर सुनवाई करने के लिए मामले को सात जजों के पास भेजने की मांग की थी.

शिंदे गुट ने उद्धव गुट की मांग का किया विरोध

वहीं, शिंदे गुट ने कहा कि नबाम रेबिया फैसले पर पुनर्विचार की जरूरत नहीं है. अरुणाचल प्रदेश के नबाम-रेबिया मामले में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधानिक पीठ ने कहा था कि अगर विधानसभा अध्यक्ष को हटाने की याचिका पहले से लंबित है तो वह विधायकों की अयोग्यता पर फैसला नहीं ले सकते है.

कचहरी में दोबारा तेंदुए की दहशत

सीसीटीवी में कैद हुआ जानवर, कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी, खाली करने की अपील

गाजियाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद कोर्ट में एक बार फिर तेंदुआ देखे जाने की खबर से पूरे परिसर में दहशत का माहौल है। पुरानी घटना की यादें लोगों के जेहन में धुंधली नहीं हुई हैं जिसके चलते दोबारा तेंदुआ आने की घटना से लोग ज्यादा ही सहम गए हैं और अफरा-तफरी का माहौल है। इस बीच गुरुवार सुबह गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने वकीलों व आम लोगों से कोर्ट परिसर खाली करने की अपील की है। बीती रात से कोर्ट परिसर में तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आ रही है। यह खबर और तब फैली जब कोर्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक जानवर के कैद होने की बात सामने आई। इसे लेकर बीती रात से ही कचहरी में पुलिस बल, एंबुलेंस आदि तैनात हैं। हालांकि अब सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अध्ययन करने के बाद यह कहा जा रहा है कि सीसीटीवी में कैद जानवर तेंदुआ तो नहीं है। अब यह पता लगाना है कि यह बिल्ली है या तेंदुए का बच्चा है। वहीं प्रशासन द्वारा पुष्टि कर दी गई है कि सभी कैमरे सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं, जिसमें तेंदुआ कहीं भी नहीं पाया गया है। परंतु अभी भी गाजियाबाद कचहरी परिसर में सुरक्षाकर्मियों द्वारा मुआयना किया जा रहा है।

'औरंगाबाद का नाम बदलने की हिम्मत नहीं है भाजपा सरकार में'

संजय राउत ने दिया बयान

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट को बताया कि उसने उस्मानाबाद शहर का नाम बदलकर धाराशिव करने की मंजूरी दे दी है। लेकिन औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने की मंजूरी अभी प्रक्रिया में है। केंद्र सरकार के इस बयान पर उद्धव गुट के नेता और सांसद संजय राउत का बयान आया है। संजय राउत ने कहा औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने में क्या दिक्कत आ रही है, किसका डर है, कौन सा कायदा बीच में आ रहा है। केंद्र और राज्य में बीजेपी की सरकार है तो दिक्कत किसलिए और कहां आ रही है। हम सब देख रहे हैं। संजय राउत ने कहा कि 'बीजेपी के ये नेता ढोंगी हैं, ये सभी ढोंग

करते हैं, जब ये सत्ता में नहीं थे और उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। तब दिल्ली और महाराष्ट्र में जोर जोर से चिल्ला रहे थे कि आप औरंगाबाद का नाम छत्रपति संभाजीनगर क्यों नहीं कर रहे हो। तब उद्धवजी ने ये निर्णय लिया और केंद्र सरकार के पास भेज दिया। अभी की सरकार में जो पहले चिल्लाने वाले थे वो अभी अपनी भूमिका साफ नहीं कर रहे हैं। केंद्र में मोदीजी की सरकार है। वहा से नहीं निर्णय नहीं हो रहा है। संजय राउत ने कहा कि 'इलाहाबाद का नाम बदल दिया और भी बहुत से शहरों का नाम बदल दिया। लेकिन छत्रपति संभाजीनगर का विचार आता है, तो ये भाजपाई लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो चिल्लाते है, अब सत्ता हैं , हिम्मत है तो कर लो, हमने तो करके दिखाया, अब इनके पास हिम्मत नहीं है शहर का नाम चेंज करने की।

त्रिपुरा चुनाव पर संजय राउत ने कही ये बात

संजय राउत ने त्रिपुरा चुनाव के संबंध में कहा कि 'त्रिपुरा में आज चुनाव है।अमित शाहजी त्रिपुरा में जाकर बहुत बड़ी बड़ी बातें की हैं। रेवड़ियां उड़ाई हैं, मोदीजी रेवड़ी संस्कृति के खिलाफ थे। लेकिन त्रिपुरा में सबसे ज्यादा रेवड़ी बांटी गई। अब देखेंगे वहां की जनता क्या करती है। बहुत सी बड़ी बड़ी बातें वहां की गई हैं। मुझे विश्वास है,त्रिपुरा की जन्नता सोच समझ के निर्णय लेगी।

प्यार की सजा मौत! शादी करने की जिद कर रही थी महिला, सिक्योरिटी गार्ड ने कर दी हत्या

थाणे, 16 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के थाणे के नवी मुंबई में पुलिस ने एक सिक्योरिटी गार्ड को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सिक्योरिटी गार्ड ने एक महिला की हत्या कर उसके शव को झाड़ियों में छिपा दिया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि महिला उसकी प्रेमिका थी लेकिन वह उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी। महिला से छुटकारा पाने के लिए आरोपी ने उसे मौत के घाट उतार दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और घटना की जांच कर रही है।

टीपू सुल्तान के वंशजों को भगा देना चाहिए

कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष के बयान पर बोले औवेसी- देखते हैं आप क्या करेंगे

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक के भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने कहा कि टीपू सुल्तान के सभी अनुयायियों को यहां रहने का हक नहीं है। उन्हें खदेड़ कर जंगलों में भेज देना चाहिए। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा अध्यक्ष के बयान पर कहा कि मैं टीपू सुल्तान का नाम ले रहा हूं, देखता हूं आप क्या करते हैं। ओवैसी ने भाजपा अध्यक्ष के बयान को लेकर कहा कि क्या कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष ने जो कहा है उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहमत हैं? यह हिंसा, हत्या और नरसंहार का खुला ऐलान है। क्या कर्नाटक में भाजपा सरकार इसके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगी? असदुद्दीन ओवैसी ने इसे नफरत फैलाने वाला बयान बताया है। एआईएमआईएम प्रमुख ने इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार पर भी निशाना साधा है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यूपी में बुलडोजर की राजनीति करने वालों ने मां-बेटी की जान ली है। वे बुलडोजर से सरकार चलाना चाहते हैं, संविधान से नहीं। यह सब करने से उन्हें राजनीतिक रूप से कुछ हासिल नहीं होगा। वे तेलंगाना (विधानसभा चुनाव 2023) में विफल होंगे। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने कहा था कि हम भगवान राम और हनुमान के भक्त हैं। हम टीपू के वंशज नहीं हैं, हमने उनके वंशजों को वापस भेज दिया। मैं येलबुर्गा के लोगों से पूछता हूं, क्या आप हनुमान की पूजा करते हैं या टीपू के भजन गाते हैं? क्या आप टीपू के भजन गाने वाले लोगों को भगाएंगे? तो सोचिए कि इस राज्य को टीपू के वंशज चाहिए या भगवान राम और हनुमान के भक्तों की? मैं हनुमान की भूमि पर चुनौती देता हूं टीपू से प्यार करने वाले यहां न रहें, जो लोग भगवान राम के भजन गाते हैं और भगवान हनुमान को मनाते हैं उन्हें यहां रहने का अधिकार है।

तमिलनाडु में सेना के जवान की हत्या

डीएमके पार्षद पर भीड़ के साथ हमला करने का है आरोप

कृष्णागिरी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कृष्णागिरी में 33 वर्षीय सेना के जवान की पीट-पीट कर हत्या करने का मामला सामने आया है. आरोप है कि कपड़े धोने को लेकर हुए विवाद में डीएमके पार्षद और अन्य लोगों ने सेना के जवान की हत्या की है. इस मामले को लेकर बुधवार (15 फरवरी) को एआईएडीएमके ने डीएमके पर जोरदार हमला बोला है. एआईएडीएमके के प्रवक्ता कोवई साथ्यन ने कहा कि सैनिक की हत्या से पता चलता है कि जब भी डीएमके सत्ता में होती है तो कानून और व्यवस्था से गंभीर रूप से समझौता किया जाता है. ये एक सेना अधिकारी की हत्या करने की हद तक चला गया है. अन्नाद्रमुक और अन्य विरोधियों से बदले की भावना से बदला लेने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है.

क्या है पूरा मामला?

इस मामले पर कृष्णागिरी पुलिस ने कहा कि कृष्णागिरि में सेना के एक जवान प्रभाकरन की हत्या के आरोप में पुलिस डीएमके पार्षद चिन्नासामी की तलाश कर रही है. 8 फरवरी को पोचमपल्ली गांव के प्रभाकरन की चिन्नासामी के साथ उनके घर के पास पानी की टंकी पर कपड़े धोने को लेकर बहस हुई थी. चिन्नासामी ने नौ लोगों के साथ मिलकर उसी शाम प्रभाकरन और उनके भाई प्रभु पर कथित तौर पर हमला किया था.

पार्षद के बेटे समेत 6 लोग गिरफ्तार

पुलिस ने कहा कि प्रभु की शिकायत के आधार पर, कृष्णागिरी पुलिस ने चिन्नासामी के बेटे राजापंडी सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है. हमले में गंभीर रूप से घायल हुए जवान की मंगलवार को एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी. पुलिस डीएमके पार्षद चिन्नासामी की तलाश कर रही है, जो हमले के दिन से फरार है.

पश्चिम बंगाल की आईएएस को राज्यपाल कार्यालय से हटाया गया

राज्य भाजपा ने लगाए थे आरोप

कोलकाता, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस अपने मामलों को संभालने के लिए राजभवन में एक नई टीम का गठन करेंगे और इस दिशा में पहले कदम के तहत अपनी प्रमुख सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को राजभवन से पर्यटन विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है. चक्रवर्ती, एक आईएएस अधिकारी हैं और उन पर पश्चिम बंगाल की भाजपा ने कई तरह के तरह के आरोप लगाए थे. राजभवन ने रविवार को उनके तबादले का अनुरोध किया और उन्हें उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया. शाम

को जारी गृह विभाग ने इस बाबत आदेश भी जारी किया है. राज्यपाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने से भाजपा नाराज है. सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय में भाषण और राज्य विधानसभा में अपने संबोधन में राज्यपाल ने ममता बनर्जी की प्रशंसा की थी. पार्टी ने चक्रवर्ती पर राज्यपाल को कई मुद्दों पर गुमराह करने का आरोप लगाया था और कहा था कि वह राजभवन में राज्य सरकार के एजेंडे को चला रही थीं. भाजपा की स्थानीय इकाई उन्हें हटाने की मांग कर रही थी. सूत्रों ने कहा कि स्थिति ऐसी हो गई थी कि राज्यपाल ने नंदिनी चक्रवर्ती को बदलने के लिए मजबूर महसूस किया. राज्य भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने शनिवार को सीवी आनंद बोस से मुलाकात के बाद गवर्नर हाउस की कार्रवाई सामने आई है. सूत्रों ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल से अधिकारी को हटाने का अनुरोध किया था. राज्यपाल के कार्यालय ने बैठक में भाजपा नेता द्वारा उठाए गए कई मुद्दों को सूचीबद्ध किया था, लेकिन बाद में जारी प्रेस विज्ञप्ति में इस मामले का उल्लेख नहीं किया गया था. भाजपा चाहती है कि नए राज्यपाल अपने पूर्ववर्ती और भारत के वर्तमान उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा अपनाए गए रास्ते पर चलें, जो कई मुद्दों पर राज्य सरकार के साथ लगातार टकराते रहे हैं. उनके कार्यकाल में राजभवन और सरकार के रिश्ते पूरी तरह से टूट चुके थे. सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने धनखड़ पर राजभवन को भाजपा कार्यालय के विस्तार में बदलने का आरोप लगाया था.

खुद को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी बता रहा था शख्स

दर्ज हुई एफआईआर, क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक ऐसे शख्स को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है, जो खुद को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी बता रहा था। इस मामले को लेकर पूर्वी दिल्ली के गीता कॉलोनी पुलिस स्टेशन में कोहिमा से जीरो एफआईआर ट्रांसफर किए जाने के बाद केस दर्ज किया गया है। गीता कॉलोनी का रहने वाला ये शख्स अपने वॉट्सऐप पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की प्रोफाइल पिक्चर लगाए हुए था और वह नागालैंड के बीजेपी के नेताओं को मैसेज करता था। यही नहीं, ये शख्स आगामी विधानसभा चुनावों मे मदद के नाम पर पैसे भी मांगता था।

पुलिस ने शख्स को हिरासत में लेकर की पूछताछ

पुलिस इस शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस शख्स के पास कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। ऐसे में ये साबित होता है कि उसने कोई हरकत नहीं की है। लेकिन जो फोन नंबर कोहिमा पुलिस ने दिया है, वह इसी शख्स का है। पुलिस ने संदिग्ध को छोड़ दिया है लेकिन मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस नंबर से बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मिजोरम के प्रभारी महोनलुमो किकोन को एक मैसेज भेजा गया था। मामले की जांच की जा रही है।

गुजरात के पाटन में ट्रक में जा घुसी जीप, सात लोगों की मौत

पाटन, 16 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के पाटन स्थित वराही में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां लोगों से भरी एक जीप ट्रक में जा घुसी। इस दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में जांच बिठा दी है।

कमरवारी इलाके में गोली चलने जैसी आई आवाज

सुरक्षाबल मौके पर, तलाशी अभियान जारी

श्रीनगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य कश्मीर के श्रीनगर के कमरवारी इलाके में गुरुवार को गोली चलने जैसी आवाज सुनाई देने के बाद सुरक्षाबल की टीम मौके पर पहुंची। श्रीनगर पुलिस ने बताया कि गोली जैसी आवाज आने पर पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम मौके पर पहुंची है। यह आवाज कैसे और कहां से आई, इसका पता लगाया जा रहा है। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। इलाके को घेरकर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

जली हुई गाड़ी में दो लाश मिलने से फैली सनसनी

भिवानी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भिवानी लोहारू क्षेत्र के गांव बारवास की बणी में बुधवार देर रात करीब 12 बजे से अल सुबह चार बजे के बीच लावारिस बुलेरो गाड़ी जली हुई हालत में मिली। बुलेरो की पिछली सीट पर दो लाशें भी बुरी तरह झुलस चुकी थी, जिसकी वजह से उनकी पहचान नहीं हो पाई वहीं पुलिस अभी तक यह भी पता नहीं लगा पाई है।

वजीरपुर क्षेत्र में 30 बच्चों को बाल श्रम से कराया मुक्त

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन (केएससीएफ) के सहयोगी संगठन सहयोग केयर फॉर यू ने आज श्रम विभाग, एसडीएम रामपुरा, डीसीपीसीआर और दिल्ली पुलिस के साथ मिल कर दिल्ली के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में रेसक्यू ऑपरेशन कर, 30 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

धन का दान करना अच्छा है परन्तु पवित्र, दानशील आत्मा बनना और भी अधिक अच्छा है। अपनी शक्तियों व गुणों का प्रयोग दूसरों की उन्नति हेतु कीजिए

मई के अंत तक कंटी वेलुगु का संचालन करेगी सरकार : सीएस

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने गुरुवार को यहां बीआरकेआर भवन से जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और कंटी वेलुगु, पोडू भूमि, हरिता हरम आदि की समीक्षा की। कंटी वेलुगु कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रम मई के अंत तक जारी रहेगा और लाभार्थियों को चश्मा सौंपते समय सावधानी बरतनी चाहिए। गर्मी को देखते हुए शिविरों में पेयजल आपूर्ति व शामियाने की व्यवस्था की जाए। जिला स्तरीय समिति द्वारा स्वीकृत पोडू हितग्राहियों की पासबुक तैयार रखी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कलेक्टरों को इस वर्ष के हरित हरम कार्यक्रम के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए कहा गया है। मुख्य सचिव ने शासनादेश संख्या 58, 59, 76 एवं 118 के तहत चयनित हितग्राहियों के आवासों के पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिये। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि सभी सरकारी कार्यालयों को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में स्थानांतरित किया जाए। विशेष सीएस एमएयूडी अरविंद कुमार, पीआर एंड आरडी के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव राजस्व नवीन मित्तल, आदिम जाति कल्याण सचिव क्रिस्टीना जोंगथू, सचिव आरएंडबी श्रीनिवास राजू, सचिव स्वास्थ्य रिजवी, पीसीसीएफ आरएम डोबरियाल और अन्य अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

ग्रुप-2 भर्ती : टीएसपीएससी को मिले 5.5 लाख आवेदन

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रत्येक रिक्ति के लिए लगभग 700 उम्मीदवारों के साथ ग्रुप-2 सेवाओं की भर्ती में कड़ी प्रतिस्पर्धा है। गुरुवार को शाम 5 बजे आवेदन जमा करने का काम पूरा हुआ, तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) को 5,51,943 आवेदन मिले। टीएसपीएससी ने सामान्य प्रशासन विभाग में 165 सहायक अनुभाग अधिकारी, 126 मंडल पंचायत अधिकारी, भूमि प्रशासन विभाग में 98 नायब तहसीलदार और समूह-द्वितीय सेवाओं के तहत 97 निषेध और आबकारी उप निरीक्षक सहित कुल 783 पदों को अधिसूचित किया था।

व्यक्तिगत रूप से गांवों का दौरा करें एसपी और पुलिस आयुक्त : अंजनी कुमार

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार ने पुलिस अधीक्षकों (एसपी) और पुलिस आयुक्तों को निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से गांवों का दौरा करें और क्षेत्र से परिचित हों और क्षेत्र स्तर पर लोगों की समस्याओं को समझें। गुरुवार को आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में अंजनी कुमार ने बजट खर्च, डीटीसी, पीटीसी, सीटीसी में भर्ती के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं और वर्तमान बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और रिट याचिकाओं और अदालत प्रबंधन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पुलिस विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए बड़ी राशि स्वीकृत की है और प्रमुख पुलिस भर्ती की घोषणा की है। डीजीपी ने कहा कि तेलंगानामें पुलिस विभाग को प्रदान की जाने वाली धनराशि और सुविधाएं देश के किसी अन्य राज्य में उनकी संबंधित सरकारों द्वारा पुलिस को नहीं दी गई हैं। अंजनी कुमार ने प्रतिभागियों को बताया कि पुलिस नियुक्तियों, उपनिरीक्षकों और पुलिस कांस्टेबलों की चयन प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होने के मद्देनजर जिलों के पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों को तैयार रहने को कहा गया है। बैठक में अतिरिक्त डीजी संजय कुमार जैन, अभिलाषा बिष्ट, महेश एम भागवत, के श्रीनिवास रेड्डी, आईजी तरुण जोशी, शनावाज कासिम, के चंद्र शेखर रेड्डी, डीआईजी एम रमेश और अन्य ने भाग लिया।

बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

कहा, अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए मुख्यमंत्री ने कई नाटक किए

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने आज मुख्यमंत्री केसीआर की आलोचना की और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तेलंगाना राज्य में अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए मुख्यमंत्री ने कई नाटक किए हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का तेलंगाना राज्य का दौरा केसीआर के ऐसे ही नाटकों में से एक था। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि सीएम केसीआर और सीएम भगवंत मान दोनों देश में लेन-देन के लिए एक-दूसरे की प्रशंसा कर रहे हैं। लक्ष्मण ने सीएम केसीआर की बीआरएस पार्टी का मुद्दा उठाया और मजाक उड़ाया कि सीएम अब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल का नेतृत्व करने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने राज्य की बारहमासी नदियों की तरह राज्य में शराब के प्रवाह को सुनिश्चित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मिलावटी शराब नीति को पूरे देश में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि पंजाब के मुख्यमंत्री कोंडा पोचम्मा और मल्लन्ना सागर सिंचाई परियोजनाओं के भूमि विस्थापितों की दर्दनाक कहानियां सुनते। उन्होंने आरोप लगाया कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के 70 प्रतिशत भूमि विस्थापितों ने अब तक अपनी भूमि का मुआवजा नहीं दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भूमि विस्थापितों को दो कमरों का घर नहीं मिला।

सीएम केसीआर द्वारा कोंडागट्टू मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 1000 करोड़ की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम कोंडागट्टू मंदिर के नाम पर एक और नाटक कर रहे हैं। उन्होंने सीएम से पूछा कि वह राज्य के मंदिरों द्वारा अर्जित धन का क्या कर रहे हैं?

स्कूल टीचर लापता, परिजन परेशान

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर थानांतर्गत एक स्कूल टीचर के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। थाने में की गई शिकायत के अनुसार लोअर धूलपेट, जुम्मेरात बाजर की रहने वाली आर. शोभा (57) आसिफनगर में एक निजी स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती थी। वह 13 फरवरी को सुबह हर दिन की तरह प्रातः 8 बजे स्कूल गई तथा स्कूल से दोपहर 4.30 निकली। वह स्कूल होने के बाद निजी ट्यूशन भी पढाती थी, इसलिए वह निजी ट्यूशन लेने के लिए वहां से घोडे की कबर में गई।

महिला के पुत्र तुलजाराम सिंह ने शिकायत में बताया कि उनकी मां उस दिन शाम 6.30 बजे तक ट्यूशन पढाई तथा इसके बाद अपने घर के निकली, किंतु रात तक घर नहीं पहुंची। रात में घर न पुहंचने पर महिला के पूरिवार सदस्यों ने महिला को कई जगहों पर ढूंढा तथा फोन पर अपने संबंधियों से संपर्क किया, लेकिन कोई सुफल नहीं मिला। यहां तक कि ट्यूशन लेने के लिए जिनके घर में शिक्षिका गई थी, उनके यहां जाकर भी जानकारी ली गई। अगले दिन स्कूल में जाकर जांच-पड़ताल की गई। स्कूल के प्रधानाध्यापक ने बताया कि वह हर दिन की तरह वह उस दिन भी स्कूल होने के बाद चली गई थी। महिला के परिजन उन्हें कई जगहों पर पुलिस की मदद से ढूंढ रहे हैं। पुलिस सीसी कैमरे की मदद से भी महिला को ढूंढ रही है, लेकिन कैमरे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। महिला के पुत्र ने लोगों से जानकारी मिलने पर तुरंत बताने की अपील की है।

विधायक कोडाली नानी ने चलाई आरटीसी बस, वीडियो वायरल

गुडिवाडा, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी गुडिवाडा के विधायक कोडाली नानी ने कस्बे में हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान आरटीसी बस चलाकर एक अनूठी भूमिका निभाई। नानी पांच नई आरटीसी-किराए की बसों के उद्घाटन के अवसर पर मौजूद थे और उन्होंने खुद वाहन चलाने का फैसला किया।

उन्होंने लगभग 10 किलोमीटर तक बस चलाई, गुडिवाडा बस स्टैंड से शुरू होकर और कुशलता के साथ यातायात को नियंत्रित करते हुए। इस घटना का वीडियो में कैद हो गया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई नेटिज़न्स फ़ुटेज पर टिप्पणी कर रहे हैं, कुछ मज़ाक में कोडाली नानी को "ड्राइवर नानी" कह रहे हैं।

वाईएस विजयम्मा ने बेटी को उपहार के रूप में पलेरू देने की मांग की

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक वाईएस शर्मिला की मां वाईएस विजयम्मा ने गुरुवार को खम्मम जिले के पलेरू में वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी समर्थकों ने भाग लिया, जिन्हें विजयम्मा ने पार्टी का झंडा फहराने और दिवंगत वाईएसआर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद संबोधित किया। अपने भाषण के दौरान, विजयम्मा ने कहा कि जिस तरह पुलिवेंदुला उनके परिवार के लिए था, उसी तरह पलेरू उनकी बेटी वाईएस शर्मिला के लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने लोगों से अपनी बेटी का समर्थन करने का आह्वान किया और कहा कि शर्मिला अपना जीवन पलेरू के लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर देंगी।

उन्होंने पलेरू के लोगों से उनकी बेटी को उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका देने का भी आग्रह किया और कामना की कि वह आगामी चुनाव बहुमत से जीतें। विजयम्मा ने आगे कहा कि पलेरू के लोग हमेशा उनके परिवार के दिल के करीब रहे हैं और उनके पति दिवंगत वाईएसआर ने हमेशा क्षेत्र के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया है। उन्होंने लोगों से अपनी बेटी को उपहार के रूप में पलेरू देने के लिए कहा और उन्हें आश्वासन दिया कि शर्मिला उनके कल्याण के लिए अथक प्रयास करेंगी।

गांजे के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की नाचाराम पुलिस ने गांजा रखने वाले महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से तीन किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान अबू बकर (27) और सुहाना बेगम (28) के रूप में हुई है। नशीला पदार्थ सप्लाई करने वाला सलाम फरार है। पुलिस के अनुसार, लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले दोनों आरोपी नाचाराम में रह रहे थे और ग्राहकों को मादक पदार्थ बेचने का प्रयास कर रहे थे। सूचना पर उन्हें पकड़ लिया गया। फरार चल रहे सलाम को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपी अबू बकर असम से हैदराबाद आया था और पिछले 6 वर्षों से आरडीसी कंपनी में कंक्रीट वाहन के चालक के रूप में काम कर रहा है और सुहाना उसी के गांव का मूल निवासी है। उसके पति का वर्ष 2016 में निधन हो गया और उसके बाद अबू बकर और सुहाना एक दूसरे से परिचित हो गए और शादी करने का फैसला किया। दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में हैं और बाबा नगर, नाचाराम में किराए के मकान में रहते है। उनकी कमाई उनके खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। इसलिए उन्होंने आसानी से पैसा कमाने के लिए गांजा की अवैध बिक्री करने का फैसला किया।

बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगी करने वाले 5 गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने नकली बीमा पॉलिसी एजेंटों के गिरोह को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह भारी रिटर्न के नाम पर लोगों को लूट रहा था। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुर्शीद अंसारी (32), विकास सिंह (28), तरुण शर्मा (35), मनीष टांगेर (34) और ललित कुमार (27) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले हैं।

गिरफ्तार लोगों के कब्जे से मोबाइल फ़ोन 7, सिम कार्ड 14, एक एचपी लैपटॉप, एक हार्ड डिस्क, एक एसएसडी कार्ड, 1,50,000 रुपए नकद, एटीएम कार्ड 8, बैंक पासबुक 4 और कुछ अन्य मामले संबंधी दस्तावेज मिले है। राचकोंडा डीसीपी (साइबर क्राइम) बी. अनुराधा ने कहा कि गिरोह ने एक कॉल सेंटर स्थापित किया और विभिन्न स्रोतों के माध्यम से भोले-भाले पीड़ितों का विवरण एकत्र किया। कुछ टेली-कॉलर्स लोगों को फोन करते थे और उन्हें बीमा पॉलिसियों में निवेश करने का लालच देते थे और 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच उच्च लाभ का आश्वासन देते थे। शिकायतकर्ता के 72 साल के सेवानिवृत्त कर्मचारी पिता को एक व्यक्ति का फोन आया।

उसने अपने आप को बीमा पॉलिसी एजेंट बताते हुए निवेश पर भारी रिटर्न दिलाने का वादा किया। तदनुसार, पीड़ित ने अपने 12 दोस्तों और परिवार के सदस्यों निवेश के लिए तैयार कर लिया। ठगी करने वाले करोड़ों की डीडी की तस्वीर दिखाकर पीड़ित को लालच दिया।

जीएसटी के नाम पर ठग ने पीड़ित से 1.60 करोड़ ठग लिया। पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया, जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य के आधार पर एक विशेष टीम ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में आरोपियों को गिरफ्तार किया। ट्रांजिट रिमांड पर हैदराबाद लाया गया और न्यायिक हिरासत के लिए माननीय अदालत के समक्ष पेश किया गया।

सीएम केसीआर के शासन से लोग बेहद नाखुश : जयप्रकाश रेड्डी

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के विधायक टी. जयप्रकाश रेड्डी ने आज कहा कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद तेलंगाना में उनकी पार्टी को सत्ता सौंपने में राज्य की भूमिका अपनी तरह की हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लोग सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी और सीएम केसीआर के शासन से बेहद नाखुश हैं। उन्होंने प्रदेश पार्टी प्रभारी माणिकराव ठाकरे के साथ बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि उन्होंने ठाकरे से शिष्टाचार भेंट की और कहा कि ठाकरे के राज्य पार्टी प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने ठाकरे के साथ वर्तमान राजनीतिक मुद्दों सहित कई मुद्दों पर चर्चा की है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी और भाजपा का सामना करने के लिए पार्टी द्वारा आवश्यक रणनीतियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने पार्टी के किसी आंतरिक मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ठाकरे के अनुभव से प्रदेश पार्टी इकाई को काफी मदद मिलेगी।

डेटा एनालिटिक्स उत्कृष्टता केंद्र क्रिस की एक महत्वपूर्ण पहल : अरूण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने डेटा एनालिटिक्स उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में डेटा एनालिटिक्स उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन प्रबंध निदेशक, रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) डी.के. सिंह की उपस्थिति में किया। डेटा एनालिटिक्स उत्कृष्टता केंद्र एक अत्याधुनिक सुविधा है जिसे भारतीय रेलवे के लिए डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। इस अवसर पर रवि पाडी, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, क्रिस, सिकंदराबाद और विभागों के प्रधान प्रमुख, दमरे भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि डेटा एनालिटिक्स उत्कृष्टता केंद्र क्रिस की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो भारतीय रेलवे को अपने संचालन और सेवाओं की दक्षता बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि रेलवे में डेटा एनालिटिक्स का उपयोग यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने, संसाधनों के इष्टतम उपयोग और रेलवे की समग्र दक्षता बढ़ाने में मदद कर सकता है। डी.के. सिंह ने रेल निलयम में डेटा एनालिटिक्स के लिए उत्कृष्टता केंद्र के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि केंद्र संचालन में सुधार, यात्री अनुभव को बढ़ाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डेटा एनालिटिक्स की शक्ति का लाभ उठाने में मदद करेगा। केंद्र भारतीय रेलवे की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार लाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और रेलवे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा। केंद्र डेटा एनालिटिक्स से संबंधित कई शोध परियोजनाओं पर काम करेगा, जिसमें ग्राहकों की प्रतिक्रिया के विश्लेषण के माध्यम से यात्रियों के अनुभव में सुधार, लागत कम करने और दक्षता में सुधार के लिए संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करना और ट्रेनों और बुनियादी ढांचे के लिए पूर्वानुमानित रखरखाव मॉडल का विकास शामिल है। केंद्र डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत में अग्रणी अकादमिक और शोध संस्थानों के साथ भी सहयोग करेगा। क्रिस भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है।

यह यात्री आरक्षण प्रणाली, माल संचालन सूचना प्रणाली और एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली सहित भारतीय रेलवे की प्रमुख आईटी प्रणालियों के विकास, कार्यान्वयन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। क्रिस भारत और विदेशों में अन्य रेलवे को आईटी परामर्श और तकनीकी सहायता भी प्रदान करता है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/एससी/08-14/2023/ओटी, दि : 13-03-2023. पीयूबी/0149

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 13-03-2023 को 14-00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम.सं.1. : ई-निविदा सं. : 08_एन_एससी_23_ओटी. कार्य का नाम : केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन : एडीईएन/आरडीएम सब-डिवीजन के अंतर्गत केजेडजे (छोड़कर) - बीपीए (छोड़कर) स्टेशन के बीच फूट ओवर ब्रिजों की मरम्मत। अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 75,66,680/-, पूधरा (रु.) : 1,51,400/-, पूरा करने की अवधि माह में : 12, रखरखाव अवधि माह में : 06.

क्रम.सं.2. : ई-निविदा सं. : 09_एन_एससी_23_ओटी. कार्य का नाम : केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन : एडीईएन/बीपीए सब-डिवीजन के अंतर्गत बीपीए (मिलाकर) - बीपीक्यू (छोड़कर) स्टेशन के बीच फुट ओवर ब्रिजों की मरम्मत। अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 64,14,307/-, पूधरा (रु.) : 1,28,300/-, पूरा करने की अवधि माह में : 12, रखरखाव अवधि माह में : 06.

क्रम.सं.3. : ई-निविदा सं. : 10_एन_एससी_23_ओटी. कार्य का नाम : पीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शन : एसडब्ल्यू-1) एसएसई/पी.वे/केआरएमआर एवं एआरएमयू सेक्शनों में पीडीपीएल- एनजेडबी स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी. 1.645 से 177.78 तक प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य। एसडब्ल्यू-2) एडीईएन/केआरएमआर सब-डिवीजन के अंतर्गत एसएसई/पी.वे/केआरएमआर एवं एआरएमयू सेक्शनों में पीडीपीएल-एनजेडबी स्टेशनों के बीच एसएल लाइन पर किमी. 1.645 से 177.78 तक प्रस्तावित फुटकर ट्रैक कार्य (सुरक्षा संबंधित ट्रैक मदों को छोड़कर)। अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 2,78,04,858/-, पूधरा (रु.) : 2,89,100/-, पूरा करने की अवधि माह में : 12, रखरखाव अवधि माह में : 0.

क्रम.सं.4. : ई-निविदा सं. : 11_सीओ_एससी_23_ओटी. कार्य का नाम : एसडब्ल्यू-1) सिकन्दराबाद : कार्गो लिफ्ट के प्रावधान सहित पीआरएस बिल्डिंग पर इंफ्रास्ट्रक्चर का अपग्रेडेशन। अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 34,15,761/-, पूधरा (रु.) : 68,400/-, पूरा करने की अवधि माह में : 06, रखरखाव अवधि माह में : 06.

क्रम.सं.5. : ई-निविदा सं. : 12_डब्ल्यू_एससी_23_ओटी. कार्य का नाम : एससी-डब्ल्यूडी एवं वीकेबी- पीआरएलआई सेक्शन : कुल 4 (डीआरआर, जीजीडी, जेडबी, यूडीजीआर) स्टेशनों के लिए रिकूपमेंट एवं बैलेस्ट कुशन को 25 सेमी. बढ़ाने एवं बैलेस्ट की डीप स्क्रीनिंग सहित पीएससी 1540 घनत्व स्लीपर्स पर 52 किग्रा/90 यूटीएस (एसएच) रेल्स के साथ ट्रैक मशीन साइडिंग। (भाग कार्य) एसडब्ल्यू-1) वीकेबी-पीआरएलआई सेक्शन : जेडबी यार्ड में किमी. 59/11-12 विद्य. 1X3.0X1.25 एम आरसीसी बाक्स पर ब्रिज सं.84, जहीराबाद यार्ड में प्रस्तावित ट्रैक मशीन साइडिंग लाइन के लिए कास्ट-इन-सीटु द्वारा 1X3.0X1.25 मी. आरसीसी बाक्स की तरह प्रस्तावित विस्तार, एसडब्ल्यू-2) एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन ब्रिज सं. 84 डीआरआर यार्ड में किमी. 90/10-12 विद्य. 1X6.54X3.75 एम पर ब्रिज सं. 93, धारूर यार्ड में प्रस्तावित ट्रैक मशीन साइडिंग लाइन के लिए कास्ट-इन-सीटु द्वारा 1X6.54X3.75 एम आरसीसी बाक्स की तरह प्रस्तावित विस्तार एसडब्ल्यू-3) एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन : जीजीडी यार्ड में किमी. 129/16-18 विद्य. X6.10 एम आरसीसी स्लैब पर ब्रिज सं. 153, गुल्लागुड़ा यार्ड में प्रस्तावित ट्रैक मशीन साइडिंग लाइन के लिए कास्ट-इन-सीटु अबुटमेंट एवं पायर के साथ 2X6.10 एम प्रीकास्ट पीएससी स्लैब की तरह प्रस्तावित विस्तार। अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 1,36,91,511/-, पूधरा (रु.) : 2,18,500/-, पूरा करने की अवधि माह में : 12, रखरखाव अवधि माह में : 36.

क्रम.सं.6. : ई-निविदा सं. : 13_एस_एससी_23_ओटी. कार्य का नाम : एसडब्ल्यू-1) जेपीटीएन : जगग्यापेट टाउन पर रोड नं.5 एवं 6 के बीच मर्चेंट कक्ष, हम्माली शेड, पेवमेंट का निर्माण एवं पेयजल सुविधा का प्रावधान। एसडब्ल्यू-2) एमएबीडी : महबूबाबाद स्टेशन पर सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र का प्रावधान। एसडब्ल्यू-3) डब्ल्यूएल : एनजीटी के अंतर्गत वरंगल स्टेशन कवर करते हुए सीवेज ट्रीटमेंट संयत्र का प्रावधान। अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 4,30,37,830/-, पूधरा (रु.) : 3,65,200/-, पूरा करने की अवधि माह में : 12, रखरखाव अवधि माह में : 36.

क्रम.सं.7. : ई-निविदा सं. : 14_एस_एससी_23_ओटी. कार्य का नाम : एसडब्ल्यू-1) 20.40 एम आरएच गर्डर का उपयोग कर बाक्स पुशिंग विधि द्वारा इंतेकन्ने एवं केसमुद्रम स्टेशनों के बीच साइज 2X6.00X3.15 एम के प्रीकास्ट आरसीसी बाक्स की तरह किमी. 418/3-6 पर विद्यमान ब्रिज सं. 550 अप एवं डाउन का प्रस्तावित दुबारा निर्माण एसडब्ल्यू-2) 26.80 एम आरएच गर्डर का उपयोग कर बाक्स पुशिंग विधि द्वारा 3X5.00X1.70 एम आरसीसी बाक्स (मल्टी सेल) की तरह दुबारा निर्माण वाली प्रस्तावित चिंताकणी-नागल्वंचा स्टेशनों के बीच किमी. 502/12-14 पर ब्रिज सं. 693 ए (डाउन) विद्य. 9X1.20 एम एसटीसी के लिए वाटर वे का प्रस्तावित विस्तार। अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 4,04,44,358/-, पूधरा (रु.) : 3,52,300/-, पूरा करने की अवधि माह में : 09, रखरखाव अवधि माह में : 36.

1. निविदादाताओं को केवल ई-निविदाकरण के माध्यम से भाग लेना होगा और कोई भी व्यक्तिक प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि पूधरा को केवल ऑनलाइन पेमेंट्स/बीपी के माध्यम से प्रेषित करें।
3. रेलवे बिना कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि जीएसटीआईएन पहचान नंबर प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें।

हमारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in देखें।

सीनि. डीईएन/को-आर्डिनेशन/सिकन्दराबाद

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/कार्य/बीजेडए/04/2023 दिनांक : 14-02-2023 पीयूबी/0150

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रत्येक के आगे उल्लेखित तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01, निविदा सं. : ई-07-ईस्ट-बीजेडए-2023, कार्य का विवरण-कार्य का नाम : एसडब्ल्यू-I : विजयवाड़ा : एसएसई/डब्ल्यू/वेस्ट/बीजेडए अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विन्चिपेट, अप यार्ड, मिनरल साइडिंग एवं कालटेक्स रोड कॉलोनियों पर स्टाफ क्वार्टर्स की मरम्मत। एसडब्ल्यू-II : विजयवाड़ा-एसएसई/डब्ल्यू/वेस्ट/बीजेडए सेक्शन में पुराने रनिंग रूम, किचन एवं टायलेट्स की मरम्मत। एसडब्ल्यू-III : सत्यनारायणपुरम-डीआईटीसी, ईटीटीसी एडमिन ब्लाक, ईटीटीसी हास्टेल में जलापूर्ति पाइपलाइनों, सैनिटरी फिट्टिंग्स की मरम्मत। एसडब्ल्यू-IV : सत्यनारायणपुरम- एसटीपीएम रेलवे कॉलोनी पर वाटर पाइपलाइनों की मरम्मत, यूजीडी पाइपलाइनों की मरम्मत। एसडब्ल्यू-V : रायनापाडु-डब्ल्यूडब्ल्यूएस कॉलोनी/आरवाईपी सेक्शन में रेलवे क्वार्टर्स के टेरस वाटर टैंकों का प्रतिस्थापन। एसडब्ल्यू-VI : विजयवाड़ा : रेलवे हास्पिटल की मरम्मत और चमकाने वाले कार्य। पूरा करने की अवधि : 12 (बारह) महीने, निविदा मूल्य : रु. 2,49,80,471/-, पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,74,900/-, बन्द होने की तिथि : 27-02-2023 (केवल एक मद)

1) सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि किसी निविदा में किसी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र पर ध्यान देने के लिए निविदा बन्द होने की तिथि से पूर्व वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

डिवीज़नल रेलवे मैनेजर (कार्य), विजयवाड़ा

निविदा सूचना सं. 75 से 76-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवाईबी, दिनांक : 14-02-2023 पीयूबी/0151

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिवीजनल रेलवे मैनेजर/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 13-03-2023 को 15-00 बजे तक ई-अधिप्रापण के माध्यम से सार्वजनिक निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा सं. : 75-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवाईबी. कार्य का नाम : सिकन्दराबाद - धोन सेक्शन : थिम्मापुर (टीएमएक्स) - सीएमसीटी बाउंड फ्रेट ट्रेनों की एक्सक्लूजिव डीलिंग के लिए एडीशनल लूप लाइन। अनुमानित मूल्य रु. : 71,18,567/-, पूर्व धरोहर राशि रु. : 1,42,400/-

निविदा सं. : 76-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवाईबी. कार्य का नाम : हैदराबाद डिवीजन- एलसी नं. 90ए को एक डायवर्शन रोड बिछाकर मानविक लेवल क्रासिंग नं.90 की समाप्ति। अनुमानित मूल्य रु. : 1,19,83,036/-, पूर्व धरोहर राशि रु. : 2,09,900/-

अतिरिक्त विवरणों के लिए वेबसाइट : www.ireps.gov.in देखें।

AO219 डिवीजनल रेलवे मैनेजर (कार्य), हैदराबाद

अतिरिक्त निविदा शर्तों/ विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट http://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

CLASSIFIEDS

WANTED

FAST MANAGEMENT WANTED . MARKAYTIG FILD OFFICERS SECURITY GUARD HOUSKIPIG MANPAWAR SUPPLY CALL ME NUMBER

9247383030 9393656543

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सुलतानपुर में दो मालगाड़ियों की टक्कर से रेलवे ट्रैक बाधित

सुलतानपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के सुलतानपुर जंक्शन के दक्षिणी केबिन के पास गुरुवार सुबह दो मालगाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक मालगाड़ी का ड्राइवर घायल हुआ है। वहीं एक मालगाड़ी के करीब आधा दर्जन डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। हादसे के बाद लखनऊ-वाराणसी और अयोध्या-प्रयागराज रेलवे ट्रैक बाधित हुआ हैं। हादसे की जानकारी होते ही रेलवे अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आननफानन जीआरपी सहित रेलवे अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई है। लखनऊ-वाराणसी और अयोध्या-प्रयागराज रेलवे ट्रैक बाधित होने से सैकड़ों की संख्या में ट्रेनें जहां की तहां खड़ी हो गई हैं।

स्थानीय जंक्शन के समीप गुरुवार की भोर दो मालगाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक मालगाड़ी का पायलट घायल हुआ है। छह डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे की वजह से लखनऊ-वाराणसी रूट बाधित हो गया है। पूरे मामले में रेलवे की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। गनीमत थी की पैसेंजर वाली गाड़ियां नहीं थीं, वरना जानमाल की भारी क्षति हो जाती। जानकारी के मुताबिक सुलतानपुर जंक्शन के दक्षिणी केबिन के पास एक ही ट्रैक पर दो मालगाड़ियों के आ जाने से यह हादसा हुआ। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। माल गाड़ियों की जगह यात्री ट्रेनें होती तो व्यापक नुकसान होता। रेलवे के बड़े अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं और ट्रैक से गाड़ियों के वैगन को हटाकर आवागमन बहाल करने की कोशिश शुरू कर दी गई है। पता चला है कि करीब साढ़े पांच बजे लखनऊ और वाराणसी की ओर से आ रही दो मालगाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में वाराणसी की ओर से आ रही मालगाड़ी का ड्राइवर घायल हो गया है। वहीं हादसे के बाद दोनों मालगाड़ियों के इंजन तो क्षतिग्रस्त हो ही गये हैं। साथ ही एक मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। इस घटना के बाद लखनऊ और वाराणसी और अयोध्या-प्रयागराज रेलवे ट्रैक बाधित हो गया है। अभी अधिकृत तौर पर रेलवे की ओर से इस बारे में कोई बयान नहीं जारी किया गया है। सुल्तानपुर में मालगाड़ी हादसे के बाद प्रयागराज आने वाली सरयू एक्सप्रेस और फैजाबाद पैसेंजर कैंसिल कर दी गई है।

फैजाबाद पैसेंजर के 300 से ज्यादा टिकट बिके थे सभी यात्रियों के टिकट के पैसे वापस कर दिए गए हैं। आज अयोध्या जाने वाली दोनों ट्रेनें फैजाबाद पैसेंजर और सरयू एक्सप्रेस का संचालन अप और डाउन लाइन दोनों पर नहीं होगा। फैजाबाद पैसेंजर सुबह 6:30 बजे प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन से चलती है और रात में 10:40 पर वापस आती है। जबकि सरयू एक्सप्रेस सुबह 8:50 पर प्रयागराज संगम आती है और यहां से शाम 6:20 पर रवाना होती है। आज मनवर एक्सप्रेस नहीं चलती इसके कारण उस ट्रेन पर हादसे का असर नहीं पड़ा है।

क्या संघमित्रा मौर्य को बीजेपी के बाद सपा से भी नहीं मिलेगा टिकट?

स्वामी प्रसाद मौर्य का बड़ा दावा

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं. उनके बयान के बाद बदायूं से बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य की भी मुश्किलें बढ़ गई थी. बीजेपी सांसद ने पहले अपने पिता के बयान का समर्थन किया और फिर उनके बयान से खुद को अलग कर लिया. लेकिन अब सपा नेता ने उनके टिकट को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है. संघमित्रा मौर्य से जुड़े सवाल पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने बड़ा दावा किया है. उन्होंने कहा, इस समय वो बीजेपी की सांसद हैं तो उनसे जुड़े सवाल का जवाब भी वही देंगी. मैं इस समय सपा में हूं और आप सपा के बारे में बात करिए. जब मैं बीजेपी में गया था तो उन्हें टिकट मैंने ही दिलवाया था. वो हारने वाली सीट हमको दी गई थी लेकिन मैं अपने दम पर जीता हूं.

ये नेता बना चुनौती

ऐसे में अगर इस बार बीजेपी संघमित्रा मौर्य को अपना प्रत्याशी नहीं बनाती है तो उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी. दरअसल, बदायूं से पिछले बार सपा के टिकट पर अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव चुनाव लड़े थे. इस बार भी उनका ही चुनाव लड़ने की संभावना है. धर्मेंद्र यादव के बदायूं से चुनाव लड़ने पर उन्हें बीजेपी के बाद सपा से भी टिकट मिलना मुश्किल नजर आता है. हालांकि अभी तक इसपर कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. लेकिन बीते दिनों संघमित्रा मौर्य ने बीजेपी के टिकट पर ही बदायूं से चुनाव लड़ने का दावा किया था. तब उन्होंने कहा था, मैं आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट पर बदायूं से दोबारा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हूं. अगला लोकसभा बदायूं से ही लड़ेंगे. बदायूं में हम लगातार बने हुए हैं, लगातार काम कर रहे हैं. बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य पहले बीजेपी में थे लेकिन यूपी विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने सपा का दामन थामा था.

नालंदा में एक वकील की संदेहास्पद स्थिति में मौत, नवनिर्मित मकान में पड़ा था शव

नालंदा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। नालंदा में एक वकील की संदेहास्पद स्थिति में शव बरामद हुआ है। घटना सोहसराय थाना क्षेत्र के आशा नगर मोहल्ले स्थित पंडित टोला की है, जहां एक नवनिर्मित मकान में सत्येंद्र कुमार सिन्हा का संदेहास्पद स्थिति में शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। परिजन हत्या की आशंका कर रहे हैं। वहीं इस संबंध में वकील दिनेश कुमार का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत होता है। उनका कहना है कि शरीर के कई हिस्सों पर जख्म के गहरे निशान दिख रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि पुलिस इस मामले की निष्पक्षता से जांच करे और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे। फिलहाल नगर थाना और सोहसराय की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

क्या दिल्ली की राजनीति में कभी एंट्री नहीं करेंगे सीएम योगी?

खुद किया बड़ा खुलासा

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिखर सम्मेलन में पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने रामचरितमानस विवाद, लोकसभा चुनाव और मौलाना मदनी के बयान समेत कई मुद्दों पर जवाब दिया. उन्होंने लखनऊ का नाम बदलने की मांग पर भी प्रतिक्रिया दी. लेकिन दिल्ली की राजनीति में खुद की एंट्री पर मुख्यमंत्री ने काफी रोचक जवाब दिया. सीएम योगी से सवाल किया गया कि क्या वो खुद को केंद्र में देखना चाहते हैं या राज्य की सत्ता में बने रहना चाहते हैं. तब सीएम योगी ने कहा, मैं मठ में रहता हूं और मठ में रहना चाहता हूं. मैं संन्यासी हूं. राजनीति मेरा फुल टाइम जॉब नहीं है. राजनीति को कभी भी मैंने अपना सब कुछ मानकर काम नहीं किया. मैं एक योगी हूं और योगी के रूप में ही रहना चाहता हूं.

प्रधानमंत्री बनने के सवाल पर जवाब

उनके इस बयान से स्पष्ट हो गया कि अभी उनका केंद्र की राजनीति में एंट्री का कोई इरादा नहीं है. जब उनसे भविष्य में प्रधानमंत्री बनने पर सवाल हुआ तब मुख्यमंत्री ने कहा, एक योगी नेतृत्व देने की क्षमता भी रखता है, इस चुनौती को स्वीकार भी किया है. मैंने कभी नहीं कहा कि मैं प्रधानमंत्री बनने जा रहा हूं. मैं एक योगी हूं और एक योगी के रूप में ही रहना चाहता हूं. हालांकि यूपी का दूसरी बार लगातार मुख्यमंत्री बनने पर जब सवाल हुआ तब सीएम योगी ने कहा, उन्हें सबसे ज्यादा खुशी तब हुई थी जब उन्होंने एक योगी रूप में दीक्षा ली थी और वो उसी रूप में रहना पसंद करेंगे. उन्हें खुशी और गम कभी नहीं रहता है. इस दौरान लोकसभा चुनाव पर कहा कि विपक्ष में कोई दम नहीं है. कांग्रेस को कोई नेता मानने को तैयार नहीं है. दूसरे दल की बात तो छोड़िए उनके दल के ही लोग नहीं मान रहे हैं. 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने किसी से कोई तुलना नहीं हो सकती है.

बेटे को जन्म देने के 2 घंटे बाद छात्रा ने दी मैट्रिक की परीक्षा एम्बुलेंस से पहुंची सेंटर

बांका, 16 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के बांका में चांदन प्रखंड मुख्यालय के एमएम केजी उच्च विद्यालय में एक 22 वर्ष की छात्रा रुकमिणी कुमारी गर्भवती अवस्था में मैट्रिक की परीक्षा दे रही थीं. पहले दिन मंगलवार को गणित की परीक्षा अच्छी तरह देकर घर चली गईं. दूसरे दिन की तैयारी के लिए वह रात को पढ़ाई कर रही थीं. तभी 14 फरवरी देर रात प्रसव के दर्द शुरू हुआ, जिसके बाद परिवार वालों ने रुकमिणी को अस्पताल पहुंचाया. जहां सुबह छह बजे उसने एक बेटे को जन्म दिया.

आयुष एडमिशन घोटाला

पूर्व मंत्री धर्म सिंह सैनी पर कसेगा एसटीएफ का शिकंजा, लगा है घूस लेने का आरोप

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। आयुष कॉलेजों में बिना नीट परीक्षा के एडमिशन मामले में योगी सरकार के पहले कार्यकाल में पूर्व आयुष मंत्री धर्म सिंह सैनी पर एसटीएफ का शिकंजा कसेगा. घूस लेने के मामले में एसटीएफ पूर्व मंत्री से पूछताछ करेगी. मामले में पूर्व मंत्री के पूर्व सचिव राजकुमार दिवाकर के बयानों के आधार पर सैनी की संलिप्ता की बात सामने आई है. साथ ही आयुष के पूर्व प्रभारी शिक्षा डॉक्टर उमाकांत के बयानों में भी सैनी पर घूस लेने का आरोप लगा है. सुप्रीम कोर्ट के 2019 के एक आदेश के तुरंत अनुपालन के लिए घूस लेने का आरोप लगा है. आरोप है कि आयुष काउंसिलिंग में बची हुई सीट को बारहवीं पास छात्र और छात्राओं से भरने के आदेश के तुरंत अनुपालन के कुल एक करोड़ साठ लाख रुपए की घूस ली गई. घूस की इस राशि को पूर्व मंत्री और अफसरों में बांटा गया. यह खुलासा एसटीएफ द्वारा आयुष कॉलेजों में बिना नीट परीक्षा के हुए एडमिशन के मामले में दाखिल की गई चार्जशीट में हुआ है. खारिज हो चुकी है पूर्व मंत्री की अग्रिम जमानत याचिका

बीजेपी के लिए बड़ी मुसीबत, संजय निषाद ने अखिलेश यादव का सबसे बड़े मुद्दे पर किया समर्थन, इसके सियासी मायने

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी अब जातिगत जनगणना के मुद्दे को धार देने में लगी है. पार्टी गांव-गांव जाकर इस मुद्दे पर आंदोलन की तैयारी कर रही है. इसके जरिए सपा ने बीजेपी के खिलाफ 80 बनाम 20 का कार्ड खेल दिया है जिसमें बीजेपी फंसती हुई नजर आ रही है. वहीं अब अखिलेश यादव के इस मुद्दे पर बीजेपी को एक और झटका लगा है. बीजेपी की सहयोगी निषाद पार्टी ने अखिलेश यादव के इस सबसे बड़े मुद्दे को अपना समर्थन दिया है. निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने कहा कि जातीय जनगणना होनी चाहिए. जहां जातीय जनगणना के मुद्दे पर बीजेपी शांत है, ऐसे में योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने इसका समर्थन कर बीजेपी की मुसीबतें बढ़ा दी है. संजय निषाद ने कहा कि जातीय जनगणना होनी चाहिए, इससे सभी जातियों की सही संख्या सामने आ जायेगी. संजय निषाद से जब रामचरितमानस पर मचे बवाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इशारों-इशारों में स्वामी प्रसाद मौर्य को अधर्मी तक कह दिया और कहा कि इसी तरह से दो-चार नेता सपा को और मिल जाएंगे तो पार्टी डूब जाएगी. कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने इस दौरान सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर पर भी तीखा हमला किया है. उन्होंने कहा कि वो सुबह चाय कहीं और पीते हैं, दोपहर में कहीं और, शाम को कहीं और होते हैं. उनका कोई भरोसा नहीं है कि कल वह कहां रहेंगे.

बीजेपी के मिशन 80 को झटका लगता दिख रहा है

दिलचस्प बात यह है कि अखिलेश यादव के इस मुद्दे पर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी अपनी सहमति जता चुके हैं. केशव मौर्य ने पिछड़ी राजनीति को बढ़ावा देते हुए जाति आधारित जनगणना की विपक्ष की मांग का समर्थन किया. मौर्य ने कहा, मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं. न तो मैं और न ही मेरी पार्टी इस विषय पर विपक्ष में हैं राजनीतिक जानकारों की माने तो सपा ने इस मुद्दे के साथ लोकसभा चुनाव की लड़ाई को 80 बनाम 20 का बना दिया है. जिसमें 80 फीसद दलित और ओबीसी वर्ग है जबकि 20 फीसदी सवर्ण है. सपा अब इस मुद्दे पर खुलकर खेल रही है ताकि पार्टी के साथ ओबीसी और दलित वोटर जुड़ सकें. वहीं पार्टी ने गांव-गांव जाकर आंदोलन छेड़ने की रणनीति तैयारी की है. जिससे बीजेपी के मिशन 80 को झटका लगता दिख रहा है.

बिहटा में बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर में दान पेटी चोरी करने की कोशिश, युवती समेत 4 चोर सीसीटीवी में कैद

पटना, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी पटना में बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर से दान पेटी चोरी करने का प्रयास किया गया. बिहटा थाना क्षेत्र में मंदिर में चोरी करते हुए युवती समेत चार लोगों का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. वहीं मौके से एक लोहे के रॉड को भी बरामद किया गया है. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है. साथ ही सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है.

तंबाकू नहीं देने पर दबंग ने बुजुर्ग को मारी गोली, गंभीर हालत में पी.एम.सी.एच. रेफर

जमुई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। इन दिनों बिहार के जमुई में अपराध के मामले बढ़ गए हैं. रोज हत्या, लूट और बलात्कार जैसी वारदात सामने आती रहती हैं. अब एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आई हैं. जिले के टाउन थाना क्षेत्र के काकन गांव में रात दबंगों ने एक 60 वर्षीय वृद्ध को गोली मार दी. गोली उसके पेट में लगी है. बताया जा रहा है कि तंबाकू नहीं देने के कारण इस घटना को अंजाम दिया गया है. पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है.

डॉक्टरों से एक करोड़ की ठगी करने वाला गिरफ्तार

पटना, 16 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी टूर और सेमिनार के नाम पर पटना समेत 8 राज्यों के करीब 100 डॉक्टरों से एक करोड़ की ठगी करने वाला जालसाज मेडिकल रिप्रजेंटेटिव विशाल पांडेय गिरफ्तार हो गया। ग्रेटर नोएडा की पुलिस ने उसे बंगाल के बर्धमान से धर दबोचा। विशाल ने अपने को एक बड़ी दवा कंपनी का जोनल मैनेजर कहकर पिछले साल अक्टूबर में पटना के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. निगम प्रकाश नारायण को फोन कर कहा था कि आपको दुबई में इंटरनेशनल सम्मेलन में बुलाया गया है। आपका एयर टिकट और रहना-सहना सब फ्री है। पत्नी को लिए आपको 49340 रुपए देने होंगे।

तो 2024 में फिर से मोदी? विवेक ठाकुर का बड़ा बयान

जानें कैसे विपक्ष से एक कदम आगे है बीजेपी

नवादा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पटना के बापू सभागार में 25 फरवरी को स्वामी सहजानंद सरस्वती जयंती समारोह सह किसान-मजदूर समागम का आयोजन किया जा रहा है. इसमें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. जन-आमंत्रण यात्रा के तहत बीजेपी नेता सह राज्यसभा सांसद एवं समारोह के संयोजक विवेक ठाकुर नवादा पहुंचे. समारोह में शामिल होने के लिए लोगों को निमंत्रण दिया. इस दौरान विवेक ठाकुर ने बड़ा बयान दिया. कहा कि 2024 में दिल्ली की गद्दी पर मोदी होंगे तो 2024 में बिहार में महागठबंधन का सूपड़ा साफ होगा. 25 फरवरी को पटना में एक तरफ बीजेपी का कार्यक्रम है तो वहीं पूर्णिया में महागठबंधन की रैली है. इस कार्यक्रम के बाद से लोकसभा चुनाव की तैयारी भी झलकने लगेगी. विवेक ठाकुर ने ताबड़तोड़ हमला करते हुए बिहार के सीएम, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी जोरदार निशाना साधा. विवेक ठाकुर की बात से यह बिल्कुल साफ हो गया कि लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष से बीजेपी एक कदम आगे है. विवेक ठाकुर ने कहा कि पहले ये लोग स्पष्ट कर दें कि इन लोगों का नेता कौन है. आपस में ही ये लोग सोच में पड़ गए हैं कि आगे का नेता किसे बनाया जाए. जिस दल में नेता ही नहीं वह दल आगे कैसे बढ़ेगा?

2024 में फिर से मोदी: विवेक ठाकुर

विवेक ठाकुर ने कहा कि देश की जनता 2024 में फिर से पीएम नरेंद्र मोदी को गद्दी पर बैठाएगी जिस तरह 2014 में किया था. बिहार के सीएम का नाम लिए बिना कहा कि मुंगेरीलाल की सपना देखना छोड़ दें. जब-जब उपचुनाव होता है तो पता चल जाता है. मोकामा सीट पर महागठबंधन की जीत नहीं हुई है. वहां व्यक्तिगत जीत हुई है. महागठबंधन को बिहार में जनता ने संदेश दे दिया है. आने वाले समय में 2025 में बिहार की गद्दी पर बीजेपी का ही राज होगा.

पूर्व एसएसपी आदित्य कुमार को नहीं मिली राहत, कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गया, 16 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के गया में आय से अधिक संपत्ति मामले में फरार चल रहे निलंबित पूर्व एसएसपी आदित्य कुमार को एक बार फिर राहत नहीं मिली है. उनकी अग्रिम जमानत याचिका को निगरानी के विशेष न्यायाधीश मनीष त्रिवेदी ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया है. विशेष न्यायाधीश मनीष द्विवेदी की अदालत में आदित्य कुमार की ओर से याचिका दाखिल कर अग्रिम जमानत देने की प्रार्थना की गई थी. जिसका निगरानी के वकील आनंदी सिंह ने विरोध किया, जिसके बाद अर्जी खारिज कर दी गई है.

बांदा में बरात से लौट रही बोलेरो और स्कॉर्पियो बेकाबू होकर खाई में पलटीं

चार की मौत और कई घायल

बांदा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हादसे का शिकार हुए लोग बरात से वापस लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, बरात से वापस आ रही बोलेरो और स्कॉर्पियो पपरेन्दा रोड पर गेहूं गोदाम के पास ओवरटेक करते समय बेकाबू होकर खाई में पलट कर पेड़ से टकरा गई। दोनों वाहनों में सवार चार बरातियों की मौत हो गई। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बरात चिल्ला थाना क्षेत्र के पिपरहरी गांव से राजापुर गई थी। वहीं से वापस आने पर हादसा हुआ है। घटना तिंदवारी थाना इलाके में सुबह चार बजे हुई। वहीं, शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

योगी के खिलाफ बयान: सलमान खुर्शीद ने जताया खेद तो हाईकोर्ट ने रद्द की कार्यवाही

वकील बोले- हल्के-फुल्के अंदाज में बोल दिया था फिल्म का डायलॉग

लखनऊ, 16 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के खिलाफ कार्यवाही को रद्द कर दिया है। दरअसल, खुर्शीद ने उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद शहर में 2019 के लोकसभा चुनावों के प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में कांग्रेस नेता के खेद जताने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद के खिलाफ दर्ज मामले में अदालती कार्यवाही को रद्द कर दिया गया है।

सीएम योगी के खिलाफ की थी अभद्र टिप्पणी

सलमान खुर्शीद द्वारा पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में अभद्र टिप्पणी करने के बाद मामला दर्ज किया गया था। 2019 के लोकसभा चुनावों के प्रचार के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री से पत्रकारों ने सीएम योगी आदित्यनाथ की उस टिप्पणी के बारे में पूछा था जिसमें उन्होंने कहा था कि खुर्शीद बाटला हाउस के आरोपियों / आतंकवादियों के हमदर्द थे। जिसके जवाब में कांग्रेस नेता ने सीएम योगी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए कहा, "रिश्ते में हम उनके बाप लगते हैं।"

सलमान खुर्शीद ने जताया खेद तो हाईकोर्ट ने रद्द की कार्यवाही

जस्टिस दिनेश कुमार सिंह द्वारा सोमवार को पारित एक आदेश में अदालत ने कहा कि पूरी कार्यवाही 2019 में दर्ज मामले से शुरू हुई है जो विशेष न्यायाधीश (एससी / एसटी अधिनियम) फर्रुखाबाद की अदालत में पेंडिंग है, जिसे रद्द कर दिया जाता है।" आदेश में कहा गया है, "याचिकाकर्ता ने अपनी आपत्तिजनक टिप्पणी पर खेद जताया है, जिसका मतलब है कि उसमें अभी भी सीखने और और अपनी गलती को बहादुरी से मानने की भूख है।"न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा, "सलमान खुर्शीद द्वारा प्रस्तुत हलफनामे के मद्देनजर और मामले के समग्र तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए जिस संदर्भ में उन्होंने आपत्तिजनक वाक्य बोला था, इस टिप्पणी के लिए उन्हें खेद है। ऐसे में मेरा विचार है कि उनके खिलाफ कार्यवाही करना सही नहीं होगा।"

योगी आदित्यनाथ का अपमान करने का नहीं था इरादा

अदालत ने कहा, "याचिकाकर्ता ने अपनी टिप्पणी पर खेद व्यक्त किया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका इरादा किसी की या योगी आदित्यनाथ की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था और उन्होंने पत्रकारों द्वारा पूछे गए कुछ सवालों का जवाब देते हुए केवल हल्के-फुल्के अंदाज में वह बयान दिया था। मेरा विचार है कि विवादित कार्यवाही को रद्द कर दिया जाना चाहिए।" खुर्शीद के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता एसजी हसनैन और अधिवक्ता सैयद मोहम्मद फ़ज़ल ने अदालत में कहा कि बयान हल्की शैली में दिया गया था जो कि मुख्यमंत्री का अपमान करने के इरादे से नहीं बल्कि फिल्म 'शहंशाह' का एक फेमस डायलॉग है।"

खगड़िया में बारात से लौट रही स्कॉर्पियो पानी भरे गड्ढे में गिरी, तीन लोगों की मौत

पटना, 16 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के खगड़िया में एक दर्दनाक हादसा हुआ है. यहां बारात से बेगूसराय लौट रही एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर पानी भरे गड्ढे में गिर गई. जिसके बाद तीन लोगों की मौत हो गई है. जबकि दो लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई. एक साथ तीन लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है. मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाधी गांव के रहने वाले संतोष पांडे. सिंघौल थाना क्षेत्र के लोदीडीह गांव के रहने वाले अन्नु कुमार, और विनोद पुर गांव के रहने वाले दीपक पाठक के रूप में हुई है. घटना के बाद पानी में डूबी स्कॉर्पियो को निकाला गया और उसपर सवार लोगों को इलाज के लिए खगड़िया सदर अस्पताल लाया गया.

कहानी जमीयत उलेमा-ए-हिंद की, जिस पर तीन पीढ़ी से मदनी परिवार का है दबदबा

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। देश में समाजिक सौहार्द और मुसलमानों के धार्मिक नेतृत्व देने के लिए बनाई गई संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद सुर्खियों में है. राजधानी नई दिल्ली में पिछले दिनों जमीयत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संगठन प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने ओम और अल्लाह को एक बता दिया. अधिवेशन के अंतिम दिन अरशद मदनी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में आदम को हिंदू और मुसलमानों का पूर्वज बताया. मदनी ने कहा कि इस्लाम भारत के लिए नया धर्म नहीं है और मनु भी अल्लाह को पूजते थे. मदनी के इस बयान का हिंदू और जैन धर्मगुरुओं ने विरोध किया है. धर्म पर बहस के साथ-साथ मौलाना मदनी के बयान पर राजनीति भी शुरू हो गई है. मोदी सरकार में मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि मौलाना मदनी को बंटवारे के वक्त ही पाकिस्तान छोड़ कर आना चाहिए था. मदनी के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी टिप्पणी की है. मौलाना अरशद मदनी के बयान के खिलाफ दिल्ली पुलिस आयुक्त में शिकायत भी की गई है. शिकायती पत्र में कहा गया है कि मदनी के बयान की वजह से धार्मिक फसाद उत्पन्न होने की स्थिति बनी. मौलाना के विवादित बयान से धार्मिक भावना ठेस भी पहुंची है. ऐसे में कानूनी कार्रवाई की जाए. यह पहली बार नहीं है, जब विवादों की वजह से जमीयत उलेमा-ए-हिंद और मदनी परिवार सुर्खियों में है. 2018 में मुसलमानों के खिलाफ मॉब लीचिंग का मामला तेजी से बढ़ रहा था, उस वक्त मदनी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की थी. उस वक्त मदनी के इस बयान

को सरकार के लोगों ने खूब भुनाया, क्योंकि मदनी जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख हैं.

जमीयत उलेमा-ए-हिंद क्या है?

भारत में इस्लाम का आगमन 7वीं शताब्दी के आसपास हुआ था. आगमन के बाद इस्लाम का भारत में तेजी से विस्तार तो हुआ, लेकिन धार्मिक नेतृत्व की कमी लगातार बनी रही. इसी दौरान 1919 में तुर्की में इस्लाम के धर्मगुरू खलीफा के पद को ब्रिटिश हुकूमत ने खत्म करने का ऐलान कर दिया. ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ कई देशों ने विरोध जताया और इसमें भारत की भी भूमिका अग्रणी थी. भारत में ब्रिटिश सरकार के इस फैसले के विरोध में खिलाफत आंदोलन की शुरुआत की गई. खिलाफत आंदोलन के बीच में ही मौलाना अबुल मोहसिन मोहम्मद सज्जाद, अब्दुल बारी फिरंगी महली, अहमद सईद देहलवी, इब्राहिम सियालकोटी और किफायतुल्ला देहलवी ने मिलकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद का गठन किया. किफायतुल्ला देहलवी पहले अध्यक्ष और अहमद सईद देहलवी महासचिव बनाए गए. जमीयत उलेमा-ए-हिंद के गठन का मुख्य उद्देश्य मुसलमानों को धार्मिक नेतृत्व देना था. बाद में इसे और विस्तार किया गया और और अब जमीयत का विजन इस्लामिक मान्यताओं, पहचान की रक्षा करना, इस्लाम की शिक्षा को बढ़ावा देना है.

जमीयत पर पड़ी दारूल उलूम देवबंद का छाप

1857 में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन असफल होने के बाद कुछ मुस्लिम धर्मगुरुओं ने दारुल उलूम देवबंद की स्थापना की थी. जमीयत की स्थापना पर इसकी छाप देखने को मिली. दारुल उलूम में पढ़ने या पढ़ाने वाले मुस्लिम धर्मगुरुओं के हाथ में ही इसकी कमान रही. किफायतुल्ला देहलवी के बाद दारूल उलूम देवबंद के प्राचार्य महमूद हुसैन देबवंदी को 1920 में जमीयत का प्रमुख बनाया गया, लेकिन वे सिर्फ 30 दिन तक ही पद पर रह पाए. महमूद हुसैन के निधन के बाद फिर किफायतुल्ला को ही जमीयत की कमान मिली. 1940 में दारूल उलूम के संरक्षक महमूद अल-हसन के शिष्य मौलाना हुसैन अहमद मदनी के हाथों में जमीयत की कमान आई. हुसैन मदनी 1957 तक जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख रहे.

पाकिस्तान का विरोध, सेक्युलर भारत की मांग

आजादी से पहले मोहम्मद अली जिन्नाह समेत कुछ मुस्लिम नेताओं ने 1940 में लाहौर अधिवेशन के दौरान अलग मुस्लिम राष्ट्र पाकिस्तान की मांग की. जिन्नाह और उनके समर्थकों की इस मांग का जमीयत ने पुरजोर विरोध किया. द्वि-राष्ट्रवाद के सिद्धांत पर पाकिस्तान के मशहूर शायर अल्लामा इकबाल और हुसैन अहमद मदनी के बीच काफी बहस भी हुई. हुसैन अहमद मदनी ने कहा कि इस्लाम भारत के लिए नया नहीं है. मुसलमानों को भारत छोड़ने का कोई मतलब नहीं है. मौलाना हुसैन मदनी ने तर्क देते हुए कहा था कि भारत में इस्लाम मानव इतिहास की शुरुआत से ही है और यह कि भारत की मिट्टी में सदियों से संतों, फकीरों का आना रहा है. इसलिए मुसलमानों को कहीं और जाने की जरुरत नहीं है. हुसैन अहमद मदनी ने भाषण में कहा कि आजादी के बाद हम सभी को मिलकर भारत में ऐसी सरकार बनाने की कोशिश करनी चाहिए, जिसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और पारसी आदि सभी शामिल हों. इस्लाम में भी इसी तरह की आजादी का जिक्र किया गया है. हुसैन मदनी की यह अपील काम कर गई और यूपी-बिहार के लाखों मुसलमानों ने भारत में ही रहने का फैसला किया. आजादी के बाद हुसैन मदनी ने सेक्युलर भारत के रास्ते पर चलने के लिए एक नए केंद्रीय कानून बनाने की मांग की. उन्होंने कहा कि इससे सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरतावाद को रोका जा सकता है.

अब 1 करोड़ सदस्य, 1700 ब्रांच

जमीयत उलेमा-ए-हिंद का राष्ट्रीय स्तर पर संचालन 30 सदस्यों की एक कमेटी करती है. कमेटी में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और एक महासचिव होते हैं. हरेक साल राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी बुलाई जाती है. जमीयत उलेमा-ए-हिंद से आधिकारिक तौर पर एक करोड़ लोग जुड़े हुए हैं. पूरे भारत में जमीयत की करीब 1700 ब्रांच हैं. असम, कर्नाटक, बिहार, यूपी समेत कई राज्यों में कार्यकारिणी का भी गठन किया गया है. जमीयत की ओर से शांति मिशन नामक एक पत्रिका का भी प्रकाशन किया जाता है. जमीयत आतंक के केस में फंसे मुस्लिम युवकों को कानूनी और आर्थिक सहायता भी प्रदान करती है. इसको लेकर संगठन की कई बार आलोचना भी हो चुकी है.

जमीयत में कैसे बढ़ा मदनी परिवार का दबदबा?

17 साल तक जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख हुसैन अहमदी के निधन के बाद अहमद सईद देहलवी को संगठन की कमान सौंपी गई. 1959 में फकरूदीन अहमद जमीयत उलेमा के प्रमुख बने. 1963 में फकरूदीन ने हुसैन अहमदी के बड़े बेटे असद मदनी को महासचिव बना दिया. 1972 में फकरूदीन अहमद के निधन के बाद हुसैन अहमदी के बड़े बेटे और तत्कालीन महासचिव असद मदनी को जमीयत उलेमा-ए-हिंद का प्रमुख बनाया गया. असद अहमदी 34 सालों तक इस पद पर रहे. असद मदनी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुस्लिम नेताओं से चुनाव में भी भागीदारी लेने की अपील की. असद मदनी जमीयत के पहले अध्यक्ष थे, जो राज्यसभा के लिए भी निर्वाचित हुए. कांग्रेस के टिकट पर असद तीन बार ऊपरी सदन में पहुंचे. 1988 में बाबरी मस्जिद और राम मंदिर आंदोलन मामले में ताला खोलने का फैसला निचली अदालत ने दिया था. कांग्रेस में रहते हुए असद मदनी ने इसका विरोध किया और तत्कालीन राजीव गांधी सरकार से इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर करने की अपील की. इस घटना के बाद असद की साख मुसलमानों में और ज्यादा बढ़ गई. 2006 में असद के निधन के बाद उनके छोटे भाई अरशद मदनी को जमीयत की कमान मिली. 2008 में असद मदनी के बेटे महमूद मदनी ने चाचा अरशद मदनी के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया. इसके बाद जमीयत उलेमा में विभाजन हुआ और महमूद मदनी ने अलग गुट बना लिया. 2022 में दोनों गुटों में समझौता हुआ और महमूद मदनी फिर से चाचा अरशद मदनी को अध्यक्ष बनाने पर राजी हो गए. वर्तमान में दोनों गुटों के बीच विलय की प्रक्रिया जारी है. असद मदनी की तरह उनके बेटे महमूद मदनी भी उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद रह चुके हैं. दिलचस्प बात ये है कि मदनी परिवार न सिर्फ जमीयत पर हावी है, बल्कि देवबंद मदरसे पर भी परिवार की तूती बोलती है. हालांकि, इस वक्त देवंबद मदरसे को लेकर परिवार के पास कोई ऐसी जिम्मेदारी नहीं है, जो सीधे हस्तक्षेप का अधिकार देता हो, लेकिन परिवार का दबदबा उलेमा और मुस्लिम हल्कों में ऐसा है कि कोई सवाल उठाने की सोच तक नहीं सकता. मदनी परिवार के आलोचक तो यहां तक कहते हैं कि जमीयत और देवबंद पर अपना कब्जा जमाए रखने के लिए ये परिवार किसी भी हद तक जा सकता है. पद के लालच में ये परिवार इस्लाम के उसूल की कुर्बानी देने में थोड़ा भी नहीं झिझकता. इस परिवार पर ये भी आरोप है कि 1982 में देवबंद के तत्कालीन वीसी और मुसलमानों की बड़ी मजहबी शख्सियत कारी मोहम्मद तैय्यब को ताकत के ज़ोर पर मदरसे से बाहर धकेल दिया था और बेइज्जती की थी. 2008 में विभाजन के बाद मौलाना अरशद मदनी अरशद गुट के अब तक अध्यक्ष हैं. महमूद गुट की कमान उस्मान मंसूरपुरी को मिली. 2021 में उनके निधन के बाद से महमूद मदनी ही इस गुट के अध्यक्ष हैं.

जमीयत में मदनी परिवार

पीढ़ी.	नाम.	पद.	कार्यकाल.
1	मौलाना हुसैन मदनी	अध्यक्ष	1940-1957
2	मौलाना असद मदनी	अध्यक्ष	1972-2006
2	मौलाना अरशद मदनी	अध्यक्ष	2006-2008
3	मौलाना महमूद मदनी	महासचिव	2006-2008

देवबंद पर लगा आतंक का दाग

1994 में आतंकी मसूद अजहर को छुड़ाने के लिए आतंकियों ने पहली बार सहारनपुर में एक साजिश रची थी. उस वक्त एक विदेशी नागरिकों को कुछ आतंकियों ने अगवा कर लिया था. हालांकि, पुलिस एनकाउंटर में एक आतंकी मारा गया था. उसके बाद एटीएस की टीम ने कई बार देवबंद में आतंकी गतिविधियों से जुड़े डेटा के लिए छापा मारा. छवि खराब होती देख 2001 में जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने पहली बार एक प्रस्ताव पास किया और कहा कि आतंक जिहाद नहीं बल्कि एक फसाद है. इसके बाद हर सम्मेलन में आतंक का जमीयत ने कड़ा प्रतिरोध किया. 2008 में हैदराबाद में एक सम्मेलन में जमीयत ने आतंकवाद के खिलाफ फतवा भी जारी किया. इसी सम्मेलन में जमीयत ने मालेगांव विस्फोट का जिक्र करते हुए कहा कि किसी एक के आतंकी बन जाने से समाज को दोष नहीं देना चाहिए.

इंदौर के गुरुद्वारे में महिला ने पढ़ी नमाज

सोशल मीडिया पर काफी शेयर हो रहा है वीडियो

इंदौर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। हमारे देश में कई तरह के जाति और धर्म के लोग पाए जाते हैं. यहीं कारण ही भारत को 'सर्वधर्म समभाव' वाला देश कहा जाता है. जिसका मतलब है कि हमारे देश में सभी धर्म समान हैं और सभी का सम्मान किया जाता है. कुछ मौकों पर जहां लोगों को जाति और धर्म के नाम पर अलग बंटते देखा गया है. वहीं कई मौकों पर भारत के अलग-अलग हिस्सों से गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी पेश की गई हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है. जिसमें एक महिला को गुरुद्वारे के अंदर नमाज पढ़ते देखा जा सकता है. जिसे देख हर कोई हैरान हो रहा है. वहीं यूजर्स इसे भाईचारे की एक मिसाल बता रहे हैं. फिलहाल जानकारी के अनुसार यह वीडियो मध्य प्रदेश के इंदौर शहर का बताया जा रहा है. यूजर्स इस वीडियो को एकता और भाईचारे की एक खूबसूरत तस्वीर बता कर लगातार शेयर कर रहे हैं. वीडियो को सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म पर हाथों-हाथ शेयर किया जा रहा है. ट्विटर पर इस वीडियो को तेजस्वी प्रकाश के फैन पेज पर पोस्ट किया गया है. इस वीडियो में एक महिला को गुरुद्वारे के अंदर बैठ नमाज पढञते देखा जा सकता है. जानकारी के अनुसार इंदौर के इस गुरुद्वारे में दूसरे शहरों से आई तकरीबन 30 लड़कियों के ठहरने की व्यवस्था की गई थी.

यूजर्स हुए प्रभावित

फिलहाल वीडियो को कई अन्य यूजर्स ने भी शेयर किया है. जो की इसे एकता और भाईचारे की मिसाल बता रहे हैं. वहीं कुछ यूजर्स सिख धर्म गुरुओं और इंदौर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को धन्यवाद भी दे रहे हैं. इसी बीच यह वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल में लगी आग की तरह वायरल हो रहा है. जो सभी यूजर्स का ध्यान अपनी ओर खींच रही है. यूजर्स इस वीडियो को शेयर करते हुए इसे हिंदुस्तान की एक खूबसूरत तस्वीर करार दे रहे हैं.

ज्योतिरादित्य सिंधिया की बल्लेबाजी से मंडल उपाध्यक्ष घायल, अस्पताल में करना पड़ा भर्ती

रीवा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। रीवा के चोरहटा में हवाई अड्डे की आधारशिला आए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इटौरा बाईपास में नवनिर्मित स्टेडियम का लोकार्पण किया। इस दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया मैदान में क्रिकेट खेलने उतर आए। उन्होंने ऐसी बैटिंग की कि उनके बल्ले से निकली गेंद एक भाजपा नेता के सिर में लगी और उन्हें गंभीर चोट आई है। भाजपा नेता को इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रीवा में हवाई अड्डे के शिलान्यास के बाद नवनिर्मित स्टेडियम का लोकार्पण करने गए थे। लोकार्पण के बाद उन्होंने क्रिकेट खेलने की इच्छा जाहिर की। मैदान में पहुंचकर जैसे ही उन्होंने बल्ला घुमाया, वहां फील्डिंग कर रहे भाजपा के दीनदयाल मंडल उपाध्यक्ष विकास मिश्रा के सिर में गेंद लग गई। इसके बाद आनन-फानन में सिंधिया ने खुद ही उन्हें उठाया। उनके सिर में लगी चोट को स्वयं देखने लगे। आसपास खड़े लोगों की सहायता से तत्काल घायल बीजेपी नेता को अस्पताल पहुंचाया गया। विकास मिश्रा को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है। घायल बीजेपी नेता से मिलने खुद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित स्थानीय विधायक राजेंद्र शुक्ला और कई जनप्रतिनिधि पहुंचे।

जिला सचिवालय के सामने दो गुटों में संघर्ष जमकर चलीं तलवारें-गंडासी और लाठी-डंडे

करनाल, 16 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल के सेक्टर 12 जिला सचिवालय के सामने देर रात दो गुटों में जमकर खूनी संघर्ष देखने को मिला. घटना में कई युवक गम्भीर रूप से घयाल हो गए. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँची और जांच की. दोनों गुटों में झगड़ा किस कारण हुआ, अभी तक इसकी स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है. हमले में घायल अमृत सिह नाम के युवक ने बताया कि वह अपने कुछ साथियों के साथ जिम से सेक्टर-12 सुपर मॉल के बाहर खड़े थे. अचानक से वहां कुछ हथियारबंद युवकों ने उन पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया. उनके हाथ में भी तेजधार हथियार से हमला किया गया. हमलावरों ने उसके साथियों के सिर पर गंडासी से हमला किया. हमलावर वहां से फरार हो गए. अमृत ने कहा कि हमला करने वाले लोग कौन थे, इस बारे में उन्हें अभी तक कोई जानकारी नहीं है. करनाल थाना सिविल लाइन से पहुँचे पुलिस जांच अधिकारी लखबीर सिह ने बताया कि घटना स्थल की जांच करने के बाद वह जिला नागरिक अस्पताल में पहुँचे है. उन्हें 5 युवक घयाल अवस्था में मिले हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है. घायल युवक ढांकवाला मोहिदीनपुर और रावर के रहने वाले बताए जा रहे हैं. मामले की जांच शुरू कर दी है.

केरल हाईकोर्ट की टिप्पणी

प्रशासन-पुलिस तय नहीं कर सकते कि मंदिर के आयोजनों में कौन सा रंग इस्तेमाल होगा

तिरुवनंतपुरम, 16 फरवरी (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक मंदिर और पुलिस प्रशासन में विवाद को लेकर बड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस इसे लेकर दबाव नहीं बना सकते कि मंदिर के किसी आयोजन में सिर्फ राजनीतिक रूप से तटस्थ रंगों का इस्तेमाल होगा। दरअसल, केरल हाईकोर्ट में मेजर वेल्लायानी भद्रकाली देवी मंदिर के त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड ने प्रशासन के आदेश को चुनौती दी थी। प्रशासन ने मंदिर बोर्ड से कहा था कि कलीयूट्टु त्योहार के लिए सिर्फ भगवा रंग से सजावट करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। इसी को लेकर दायर दो याचिकाओं पर हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने सुनवाई की। इन याचिकाओं पर कोर्ट ने कहा कि लोगों की पूजा-अर्चना, मंदिर में आयोजनों और समारोह में राजनीति की कोई भूमिका नहीं हो सकती। एक पूजा करने वाले या भक्त के पास कोई कानूनी अधिकार नहीं होता कि वह मंदिर को चलाने वाले बोर्ड पर भगवा रंग के इस्तेमाल के लिए दबाव बनाए। इसी तरह जिला प्रशासन और पुलिस भी मंदिर के आयोजनों में राजनीतिक रूप से तटस्थ रंगों के इस्तेमाल का दबाव नहीं बना सकती। मंदिर में कलीयूट्टु त्योहार में परंपरा और मान्यता के तहत कौन सा रंग इस्तेमाल होगा यह त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड का फैसला होगा। अगर ऐसी आशंका है कि मंदिर के परिसर या इसके आसपास कोई गलत घटना हो सकती है, जिससे कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है तो मंदिर बोर्ड पुलिस को जानकारी दे सकता है और पुलिस-डीएम को ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे।

चार मंजिला नीति पर घमासान

पंचकूला को राहत, गुरुग्राम और फरीदाबाद को राहत की दरकार

चंडीगढ़, 16 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सेक्टरों में स्टिल्ट प्लस चार मंजिला की अनुमति पंचकूला विधायक और विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने पंचकूला के लिए रुकवा दी है, लेकिन बाकी हरियाणा के विधायकों ने इस मामले में अपने हलके की जनता की सुध नहीं ली है। गुरुग्राम और फरीदाबाद की बिल्डर लाबी इन जिलों में भारी पड़ रही है। पंचकूला में ज्ञानचंद गुप्ता ने बिल्डर लाबी को दरकिनार कर यह फैसला करवाया है। इस मामले को प्रदेश स्तर का मुद्दा बना कर हरियाणा स्टेट हुडा सेक्टर्स कन्फेडरेशन के पदाधिकारी सरकार को घेरने की रणनीति बना चुके हैं। इसका बड़ा कारण इस नीति के बनने के बाद पुराने सेक्टरों में शुरु हुए चार मंजिला भवनों के निर्माण की वजह से पुराने घरों में दरारें और अन्य कारण हैं। हवा, धूप, पार्किंग तथा सीवरेज की समस्या पैदा होने का खतरा बन गया है। सेक्टर्स कन्फेडरेशन इस मुद्दे को लेकर राज्यभर में हस्ताक्षर अभियान चला रही है।

हत्या मामले में हत्यारा गिरफ्तार

सिलीगुड़ी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। एनजेपी थाना अंतर्गत शहीद कॉलोनी इलाके में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने एक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम पिंटू महंत है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार रात शहीद कॉलोनी इलाके का रहने वाला टिंकू सरकार का रक्तरंजित शव घर से 100 मीटर दूर मिला था। उसी रात को एनजेपी थाने की पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ युवकों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद हिरासत में लिए गए युवकों में से पिंटू महंत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पिंटू महंत ने टिंकू को कॉल कर घर से बाहर बुलाया था। जिसके बाद आर्थिक लेन-देन के कारण उसने टिंकू की हत्या कर दी। एनजेपी थाने की पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजनीति में कैसे दखल दे सकते हैं राज्यपाल

सरकार गठन पर नहीं कर सकते टिप्पणी : सुप्रीम कोर्ट

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे द्वारा बनाई गई सरकार को चुनौती देने के इच्छुक लोगों के एक समूह की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्यपाल की भूमिका के बारे में सवाल पूछा है। वे पूछ रहे हैं कि एक राज्यपाल राजनीति में कैसे दखल दे सकता है और वह राजनीतिक गठबंधनों और सरकार गठन पर कैसे टिप्पणी कर सकता है। कोर्ट ने यह प्रतिक्रिया राज्यपाल का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल के जवाब पर दिया है। उन्होंने कहा कि एक राज्यपाल एक व्यक्ति के रूप में मतदाता के पास नहीं जाता है, बल्कि उस पार्टी की साझा विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है जिसे मतदाता वोट दे रहा है।

राज्यपाल को राजनीतिक मामलों में दखल देना चाहिए?

हाल ही में एक रिपोर्ट में, बार और बेंच ने तुषार मेहता का हवाला देते हुए कहा कि हमने हॉर्स ट्रेडिंग शब्द सुना है। तुषार महाराष्ट्र में एक लोक सेवक हैं, और वह उस राज्य में हाल ही में सरकार के गठन पर टिप्पणी कर रहे हैं। अदालत ने इस बयान को तुषार की राजनीतिक सक्रियता के तौर पर लिया और उन्हें नहीं लगता कि राज्यपाल को राजनीतिक मामलों में दखल देना चाहिए।

क्योंकि उद्धव ठाकरे ने विश्वास मत का सामना भी नहीं किया!

अदालत यह तय कर रही है कि एकनाथ शिंदे समर्थक विधायक जिन्होंने शिवसेना के खिलाफ विद्रोह किया और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, उन्हें अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए या नहीं। अदालत इस बात पर भी विचार कर रही है कि दोनों गुटों में से किसे शिवसेना के धनुष-बाण का चुनाव चिह्न दिया जाए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह पूरा मामला इसलिए उठा क्योंकि उद्धव ठाकरे ने विश्वास मत का सामना भी नहीं किया। गौरतलब है कि कोर्ट इस बात पर भी सुनवाई कर रहा है कि डिप्टी स्पीकर द्वारा सदस्यों को अयोग्य ठहराने के लिए नोटिस जारी किया जा सकता है या नहीं। हालांकि, संवैधानिक बेंच किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है।

ओडिशा के दिग्गज भाजपा नेता ने महिला पुलिस को दिया धक्का, डकैत -घूसखोर कहकर किया अपमानित

संबलपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के विपक्ष के नेता जयनारायण मिश्रा ने संबलपुर में भाजपा के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान रिश्वत लेने का आरोप लगाने के बाद एक महिला पुलिस अधिकारी को कथित रूप से धक्का देकर विवाद खड़ा कर दिया है। हालांकि, बवाल होने पर विधायक ने आरोप को खारिज कर दिया और दावा किया कि धनुपाली थाना प्रभारी अनीता प्रधान ने उन्हें धक्का दिया था। दोनों ने घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारी ने उचित जांच का भरोसा दिया है। दरअसल,यह घटना संबलपुर में जिला कलेक्टर के कार्यालय के बाहर भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान घटी थी।

'लोकसभा में दिया गया बयान बिल्कुल सही है'

राहुल गांधी ने बीजेपी सांसदों के नोटिस पर लोकसभा सचिवालय को दिया जवाब

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बीजेपी सदस्यों नोटिस पर लोकसभा सचिवालय को विस्तृत जवाब सौंपा है. मामला सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनकी टिप्पणी के संबंध से जुड़ा है. सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. राहुल गांधी ने 7 फरवरी को 'राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव' पर चर्चा के दौरान मोदी के खिलाफ टिप्पणी की थी. राहुल गांधी को इस मामले में 15 फरवरी तक विशेषाधिकार हनन नोटिस का जवाब देना था. इस मामले में 10 फरवरी को बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे और प्रह्लाद जोशी ने उनके खिलाफ नोटिस जारी किया था और लोकसभा सचिवालय ने उनसे जवाब देने के लिए कहा था. सांसदों ने गांधी के 7 फरवरी के भाषण पर नोटिस जारी किया था जिसमें उन्होंने हिंडनबर्ग-अडानी मुद्दे पर टिप्पणी की थी.

राहुल गांधी ने दिया जवाब

सूत्रों ने कहा कि गांधी ने लोकसभा में की गई अपनी टिप्पणी को सही ठहराते हुए विभिन्न कानूनों का हवाला देते हुए कई पन्नों में विस्तृत जवाब दिया है. सोमवार को अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड में एक सभा को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने सदन में चर्चा के दौरान किए गए अपने भाषण से कई टिप्पणियों को हटाने के फैसले की आलोचना की थी. कांग्रेस नेता ने यह भी कहा था कि उन्होंने संसद की कार्यवाही से हटाई गई उनकी प्रत्येक टिप्पणी के बारे में लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में जानकारी दी है तथा सबूत दिए हैं.

बीजेपी ने क्या लगाया आरोप

दोनों बीजेपी नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजे अपने नोटिस में आरोप लगाया है कि गांधी की टिप्पणी निराधार थी और उन्होंने असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है. तो वहीं स्पीकर ने राहुल गांधी की टिप्पणियों को उनके भाषण के बाद हटा दिया था.

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 17 फरवरी- 2023

कैसे बनी हिंदी विश्व भाषा

आर.के. सिन्हा

भारत से दूर प्रशांत महासागर के द्वीप लघु भारत फीजी में 12 वां विश्व हिन्दी सम्मेलन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत उद्घाटन फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियामे कोटोनिवरी और भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त रूप से किया । इस अवसर पर विश्व के पचासों देशों के हिंदी के विद्वान हिंदी प्रेमी सम्मेलन में भाग लेने के लिए एकत्र होकर इसके विश्व स्तरीय प्रसार-प्रचार पर चर्चा कर रहे हैं। वहां पर अनेकों शोध पत्र पढ़े जा रहे हैं तथा सारगर्भित चर्चाएं हो रही हैं। पर हिन्दी तो अब विश्व भाषा बन चुकी है। अंग्रेजी और चीनी (मैंडरिन) के बाद हिंदी ही एक बडी और लोकप्रिय भाषा के रूप में उभरी है । फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश को पीछे छोड़ते हुए हिंदी लगातार आगे बढ़ रही है । आप दुबई, सिंगापुर, न्यूयार्क, सिडनी, लंदन जैसे संसार के प्रमुख शहरों में इसे सुनेंगे। कभी दुबई जाइये। आपको एयरपोर्ट से लेकर बाजारों में हिन्दी सुनाई देगी। एयरपोर्ट में इमिग्रेशन विभाग में पहुंचिए। वहां पर अरब व नागरिक बैठे हैं। वे आपसे हिन्दी में सवाल-जवाब कर लेंगे। बातचीत संक्षिप्त होगी पर होगी आपकी भाषा में। हिन्दी जाना समझना भारत से बाहर भी एक व्यावसायिक आवश्यकता बनती जा रही है। दुबई में स्थित दुनिया की सबसे ऊँची बुर्ज खलीफा नाम की इमारत के सबसे ऊपर पर्यटक फोटो खिंचवा रहे होते हैं। फोटो लेने वाले अधिकतर फिलीपींस के नागरिक होते हैं। वे आपसे पूछेंगे - 'फोटो खींचें।' 'अच्छी फोटो आएगी।' आप उनसे पूछते हैं कि 'वे हिन्दी कैसे बोलना जाने?' जवाब मिलता है- 'यहां पर आने वाले अधिकतर भारतीय होते हैं। इसलिए हमने अपने काम की जरूरत समझकर हिन्दी सीखी।' यकीन मानिए हिन्दी को जानने-समझने की लालसा समूचे संसार में देखी जा रही है। हिन्दी प्रेम और मानवीय संवेदनाओं की बेजोड़ भाषा है। भारत से बाहर लगभग सभी टैक्सी वाले भी कुछ न कुछ हिन्दी समझ लेते हैं । कम से कम एकाध लाइन हिंदी फिल्मों का गाना तो गुनगुना ही देते हैं। आप कभी सिंगापुर जाइये। वहां पर एक क्षेत्र का नाम है लिटिल इंडिया। वहां पर अधिकतर तमिलभाषी भारतवंशी रहते हैं। पर वे बेहिचक और प्यार से हिंदी बोलते हैं । वहां के बाजारों में साइन बोर्ड तक हिन्दी में मिलेंगे। वहां पर ही एक डीएवी हिन्दी स्कूल का बोर्ड भी दिखाई देगा। वहां पर जाकर पता चलता है कि सिंगापुर में रहने वाले सारी दुनिया के भारतीय यहां अपने बच्चों को भेजते हैं ताकि वे हिन्दी को पढ़-लिख सकें। यहां पर गैर-भारतीय भी अपने बच्चों को भेजते हैं। ये स्कूल पिछली आधी सदी से चल रहा है। इसने हजारों-लाखों बच्चों को हिन्दी से जोड़ा है। अभी नहीं 1984 में मैं पहली बार मारीशस गया था । एक दिन पोर्ट लुईस के चाइना बाजार में घूम रहा था । मुझे एक दूकान से भोजपुरी मिश्रित हिंदी सुनाई पड़ी, "ले लड, ले लड 500 रुपया में एकदम नीमन सूट ।" मैंने देखा तो एक अधेड़ चाइनीज एक सूट दिखाता हुआ मुसकुरा रहा था । यह है हिंदी का बढ़ता प्रभाव । दरअसल अब भारत की सीमाओं को लांघ चुकी है हिन्दी। हिन्दी को भारत के बाहर के बाजारों, मॉल्स, यूनिवर्सिटी कैंपस, एफएम रेडियो और दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर सुन सकते हैं। दुबई के कई मॉल्स में हिन्दी के बोर्ड मशहूर ब्रांड्स के शो-रूम में देखेंगे। वहां पर तो हिन्दी संपर्क भाषा का काम कर रही है। बिना हिन्दी को जाने आपका काम ही नहीं चलता। इसी तरह से आप जब मिस्र की राजधानी काहिरा के एयरपोर्ट पर उतरते हैं तो आपको सब तरफ हिन्दी सुनाई देती है। आपसे टैक्सी वाला और टूरिस्ट गाइड पूछने लगते हैं- 'कहां जाना है?' 'क्या हाल है?' 'इंडिया से?' आपको यकीन नहीं होता कि आप अपने देश से हजारों किलोमीटर दूर हैं। बेशक, हिन्दी विश्व भाषा बन चुकी है। इसके दो-तीन कारण तो समझ में भी आते हैं। पहला, पूरी दुनिया में करीब दो करोड़ से ज्यादा प्रवासी भारतीय बसे हुए हैं। ये भारतीय अपने साथ हिन्दी भी लेकर बाहर गए हैं। भले ही कोई दक्षिण भारतीय शख्स भारत में तमिल में ही बतियाता हो, पर देश से बाहर वह भी किसी अन्य भारतीय के साथ हिन्दी ही बोलता है। हां, यह कहना होगा कि फीजी में चल रहे विश्व हिन्दी सम्मेलन में बॉलीवुड के किसी अभिनेता, अभिनेत्री, गीतकार, संवाद लेखक आदि का न होना जरूर खला। क्या हिन्दी सेवी सिर्फ स्कूल-कॉलेज में पढ़ाने वाले हिन्दी के अध्यापक, पत्रकार, कवि या कहानीकार ही हैं? यह स्वीकार करना होगा कि हिन्दी को दुनिया के कोने-कोने में लेकर जाने में हिन्दी फिल्मों का उल्लेखनीय योगदान रहा है। आज सारी दुनिया में हिन्दी फिल्मों के चाहने वाले हैं। ये सब हिन्दी फिल्मों की मार्फत हिंदी गानों के प्यार से हिन्दी से जुड़ रहे हैं। अमिताभ बच्चन से बड़ा हिन्दी सेवी कौन होगा। अमिताभ बच्चन के चाहने वाले अमेरिका, ब्रिटेन, मिस्र, जॉर्डन, सउदी अरब, मलेशिया, समूचे अफ्रीका आदि तमाम देशों में हैं। मुझे कई बार मिस्र जाने का अवसर मिला। वहां पर मुझसे करीब एक दर्जन लोगों ने अमिताभ बच्चन के बारे में पूछा जब उन्हें पता चला कि मैं भारत से हूं। उन्हें भोपाल में हुए आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन में आमंत्रित किया गया तो कुछ हिन्दी के तथाकथित मठाधीश शोर करने लगे। मैं भी आमंत्रित था, गिरमिटिया देशों में लिखे जा रहे हिंदी साहित्य पर बोलने के लिये । तत्कालीन गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा अध्यक्षता कर रही थीं । हम सभी इस अनावश्यक शोर से दुःखी थे । शोर वे मचा रहे थे, जिनकी एक किताब की 100 प्रतियां भी जिंदगी भर में नहीं बिक पाती हैं। अंत में अमिताभ बच्चन ने खुद तय किया कि वे भोपाल में हुए विश्व हिन्दी सम्मेलन से दूर ही रहें । नुकसान तो हिंदी का ही हुआ न ? आप बता दीजिए कि लता मंगेशकर या आशा भोंसले से बड़ा और सच्चा हिन्दी सेवी कौन होगा। इस विश्व हिन्दी सम्मेलन में शायद ही किसी गैर-हिन्दी भाषी राज्यों के हिन्दी विद्वान को लेकर जाया गया। जबकि भारत के दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों में हिन्दी के गैर-हिन्दी भाषी सैकड़ों शिक्षकों ने बेहतरीन काम किया है। मुझे यहां वेंकट सुंदरम जैसे हिन्दी सेवी की चर्चा करने दीजिए। उनका संबंध राजधानी के एक प्रतिष्ठित तमिल परिवार से है।

भारत से दूर लघु भारत फीजी में 12 वां विश्व हिन्दी सम्मेलन में भाग लेने के लिए विश्व भर के हिन्दी प्रेमी एकत्र होकर इसके प्रसार-प्रचार पर चर्चा कर रहे हैं। हिन्दी तो आज विश्व भाषा बन चुकी है। कैसे बन गई हिन्दी विश्व भाषा?

दिल्ली और उत्तर क्षेत्र की क्रिकेट टीमों के कप्तान रहे वेंकट सुंदरम क्रिकेट से सन्यास लेने के बाद आकाशवाणी पर हिन्दी के कमेंटेटर बन गए। वेंकटसुंदरम ने 80 से अधिक टेस्ट और एकदिवसीय मैचों की कमेंटरी की हैं। वे कहते हैं, "मुझे हिन्दी कमेंटरी करने के चलते सारे देश में पहचान मिली।" वे भी हिन्दी की अभूतपूर्व ताकत को मानते हैं। वेंकट सुदरम की एक बहन का विवाह पूर्व विदेश सचिव जेएन दीक्षित से हुआ है। क्या वेंकट सुंदरम जैसे हिन्दी सेवी को विश्व हिन्दी सम्मेलन का हिस्सा नहीं होना चाहिए था ? इसी क्रम में दूरदर्शन के गुजरे दौर के मशहूर हिन्दी समाचार वाचक जेवी रमण का उल्लेख करना समीचीन रहेगा। वे तेलुगू भाषी थे, पढ़ाते थे दिल्ली यूनिवर्सिटी में इक्नोमिक्स। वे 1973 में दूरदर्शन से जुड़े। वे हिन्दी-अंग्रेजी दोनों की खबरें पढ़ने लगे। रमण जी जैसा टीवी पर खबर पढ़ने वाला मिलना मुश्किल है। वो कभी एक शब्द का भी गलत उच्चारण नहीं करते थे। हिन्दी समाज को वेंकट सुंदरम तथा जेवी रमण जैसे हिन्दी सेवियों के प्रति भी कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए।

प्यार में मिलता धोखा

प्रेम या कहें प्यार जैसा पवित्र रिश्ते का कत्ल आए दिन होने लगा है। हालात तो यहां तक खराब हो गए हैं कि जिस प्रेमी पर भरोसा किया जाए वही धोखा दे जाता है। मामला यहीं तक होता तो गनीमत थी। अब तो प्यार करने वाला ही अपनी प्रेमिका का कत्ल करने से भी नहीं चूकता। प्रेम के रास्ते में कितना जोखिम है बीते कुछ दिनों की घटनाओं में स्पष्ट देखने को मिला है। दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में की युवती की हत्या का मामला जिस तरह से सामने आया है, उसने समाज को झकझोर कर रख दिया है कि कैसे-कैसे अपराधी हमारे आसपास ही घूम रहे हैं। सरकारी रिकार्ड में तो यह एक आपराधिक घटना ही दर्ज की जाएगी, लेकिन इसमें भरोसे और संबंध का जो कत्ल हुआ है, वह इसे सामान्य आपराधिक वारदात को बहुत ही विभत्स स्वरूप दे दिया है। बता दें कि जिस युवती को मारा गया, वह अपने पुरुष साथी से लिव इन रिलेशन में थी। खुशहाल भविष्य का तानाबाना बुनते हुए दिल्ली में एक किराए के घर में उसके साथ रहती थी। लेकिन इस बीच जब युवक की शादी किसी अन्य जगह तय हो गई, तो स्वाभाविक ही उसकी प्रेमिका ने विरोध करना शुरू कर दिया। गुस्से में आए युवक ने इस स्थिति का कोई हल निकालने के बजाय मौका पाकर उसकी हत्या कर दी और शव को अपने ढाबे में रखे फ्रिज में छिपा दिया। ऐसा करते हुए उसके भीतर कानून का का तनिक भी खौफ नहीं जागा कि इसका अंजाम क्या होगा। पुलिस ने कार्रवाई के बाद सारी हकीकत जब सामने आया तो पूरा देश सन्न रह गया। इसमें कोई दो राय नहीं कि अब कानून अपना काम करेगा, लेकिन यह कैसे संभव हो पाता है कि कोई व्यक्ति अपने रुतबे और सुविधा को कायम रखने के लिए उसी महिला के खिलाफ इस हद तक बर्बर हो जाता है, जिसने शायद सब कुछ छोड़ कर उस पर भरोसा किया। बता दें कि हत्या के इस मामले को कुछ समय पहले दिल्ली में ही हुए एक ऐसे मामले श्रद्धा हत्या की तरह देखा जा रहा है, जिसमें एक युवक ने सहजीवन में रह रही अपनी साथी को मार डाला था। उसके बाद शव के टुकड़े-टुकड़े करके उसने फ्रिज में छिपा दिया और बाद में जंगल में अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया था। ऐसी घटनाओं के बाद अक्सर यही सामने आता है कि हत्या की जड़ में संबंधों में हक की मांग थी या फिर आपस में कोई विवाद था। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वाले युवकों के भीतर अगर आपराधिक मानसिकता नहीं पल रही होती है तो वे संबंधों को लेकर स्पष्टता क्यों नहीं बरतते हैं और विवाद की स्थिति में हत्या तक करने में उन्हें कोई हिचक क्यों नहीं होती! यह समझना मुश्किल है कि प्यार के भरोसे की बुनियाद पर खड़े मधुर संबंधों के बीच किसी व्यक्ति के भीतर इस स्तर की बर्बर संवेदनहीनता कैसे उभर आती है कि वह अपनी प्रेमिका को मार डालता है। पहले तो दुनिया से छिपा कर कोई युवक किसी युवती के साथ प्रेम संबंध में या फिर सहजीवन में जाता है, फिर किसी जटिल स्थिति के पैदा होने पर उसका मानवीय हल निकालने के बजाय हत्या जैसा जघन्य रास्ता निकालता है। इस तरह के व्यवहार को कैसे सोच-समझ कर की गई किसी पेशेवर अपराधी की हरकत नहीं कहा जाएगा? अफसोसनाक है कि समाज का दायरा जैसे-जैसे उदार होता जा रहा है, जड़ताओं को तोड़ कर युवा वर्ग नई दुनिया में अलग-अलग तरीके से अपनी दखल दे रहा है, संबंधों के नए आयाम खोल रहा है, उसी में कई बार कुछ युवक अपने लिए बेलगाम जीवन सुविधाओं को अपना हक समझने लगते हैं। जिसकी परिणति हत्या के रूप में सामने आती है। यह सब उस लड़की के साथ होता है जिसने परिवार और समाज की कितनी बाधाओं को तोड़ कर उस पर भरोसा किया था। निश्चित तौर पर ऐसी घटनाएं कानून की कसौटी पर आम आपराधिक वारदात ही हैं, लेकिन इससे यह भी पता चलता है कि प्रेम संबंध बनाने से पहले किसी पर कितना भरोसा करना है इसका जोखिम हमेशा युवती को ही उठाना होगा।

अंधा बांटे रेवड़ियां

रेखा शाह आरबी

क्या आप सरकारी नौकरी चाहते हैं ?? तो सर्वप्रथम यह जान लीजिए आपका यह चाहना ही गलत है क्योंकि सरकारी नौकरी का यह हाल है -- एक अनार सौ बीमार किस-किस को यह अनार ...दे सरकार भला। सरकारी नौकरी इस समय ऐसा कल्पतरु वृक्ष हो चुका है जिसके आकांक्षी तो सभी हैं लेकिन उपलब्धता नगण्य है। आप सरकारी नौकरी किसी भी क्षेत्र में चाहे शिक्षा, सेना, पुलिस या किसी सरकारी कार्यालय में चपरासी हो या चाहे आईएएस ऑफिसर! परंतु .. क्या फायदा आप अपनी अगली पीढ़ी को गिफ्ट में अपना रोजगार- नौकरी नही दे सकते हैं।

आप अपने बेटे को अपना पद रिटायर होने के बाद उसे गिफ्ट नहीं कर सकते ।अगर उसे सरकारी नौकरी फिर पानी है तो उसे अपने आंखों में तेल डालकर पढ़ना पड़ेगा और लंबे चौड़े बेरोजगारों की भीड़ से लडना-निपटना पड़ेगा। खूब मेहनत मशक्कत करनी पड़ेगी। यदि आप यह सुविधा चाहते हैं कि आप जिस पद पर शोभायमान आसीन है उसपर आपके पुत्र को आसीन किया जाए आपकी विरासत के रूप में ट्रांसफर किया जाए तो.. इसका एक ही विकल्प है आप राजनीति में आइए । राजनीति ही एक ऐसा क्षेत्र है जिसकी कोई नीति नहीं होती है जैसा समय जैसा वातावरण होता है वैसा व्यवहार करना पड़ता है। इसमें जनता का कल्याण आगे पीछे होता रहेगा लेकिन सबसे पहले स्वयं का कल्याण और अपनों का कल्याण करना पड़ता है या किया जाता है। एक बार यदि आपने अपने जीवन काल में राजनीति में अपनी पहुंच बना ली और ऐन-केन प्रकारेण कुर्सी तक पहुंच गए ..चाहे जैसे भी जोड़ तोड़ कर या गला मरोड़ कर !! फिर तो पक्का आपके घर का अनपढ़ और गवार सदस्य भी पार्षद और जिला अध्यक्ष जैसे पदों की शोभा बढ़ाने के अपने आप काबिल हो जाएगा इसके लिए उसे कोई विशेष मेहनत मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। और उसे यह पद ऐसे मिलेंगे जैसे आपके जेब में रखे हुए चिल्लर पैसे हैं और आप किसी को उठा कर दे दे । यदि आप राजनीति में पार्टी बनाकर अध्यक्ष हैं तो आप उस पद को थाल में सजाकर अपने पुत्र को विरासत के रूप में दे सकते हैं । और यह अपने पुत्र को दे सकता है ऐसे यह सिलसिला चलता रहेगा। यह बातें यूं ही हवा में थोड़े ना फेंक रहे हैं ।आपने अक्सर समाचार पत्रों में एक शब्द पढ़ा होगा वह तो फलाने की राजनीतिक विरासत है बताइए हुआ ना कि कुर्सी राजनीतिक विरासत है इसे बांटिए जैसे--- अंधा बांटे रेवड़िया अपनों अपनों को दें और जीवन के सुख का आनंद लीजिए । और जिनके पास राजनीतिक विरासत नहीं है वह गलत जगह अवतरित होने का अफसोस मनाए और ईश्वर से मांगे --अगले जन्म में मोहे नेता के घर पैदा कीजो बस एक बार ईश्वर की कृपा से आप नेता के घर में पैदा हो जाए फिर तो मुंह में सोने का चम्मच अपने आप आ जाएगा और दोनों हाथों में लड्डू और सिर घी की कढ़ाई में उसके बाद आपको बस उस कढ़ाही में तैरना है क्योंकि यह मेरा भारत महान है यहां तकदीर बलवान तो गधा भी पहलवान है।

जानकार बनें और सुरक्षित रहें

रजनीश कपूर

साइबर अपराधों में लिप्त अपराधी हर दिन नये-नये ढंग से अपने शिकारों को फँसाने के तरीके खोजते रहते हैं। यदि आप जागरूक हैं तो आप इनके जाल में फँसने से बच सकते हैं। यदि आप घबराहट में कुछ ऐसा-वैसा कर बैठते हैं तो आप इनके जाल में आसानी फँस सकते हैं। आज इस कॉलम में एक ऐसे ही शिकार के बारे में बात करेंगे जो इन साइबर अपराधियों के जाल में फँसते-फँसते बचा। पिछले सप्ताह मुझे मेरे मित्र विभव का घबराहट में फ़ोन आया। उसकी घबराहट का कारण एक सीबीआई अधिकारी का उसके फ़ोन पर धमकाना था। उसने मुझे फ़ोन पर अपनी जो परेशानी बताई तो पहले तो मुझे हंसी आई फिर मैंने ख़ुद को उसकी जगह में सोच कर उसे क़ानून के कुछ अहम पहलू बताए। मेरी सलाह सुन विभव शांत हुआ और अपने काम में जुट गया। परंतु जो कुछ उसके साथ दो दिनों में हुआ वो आपके साथ साझा करना आवश्यक है । उगाही के इस ढंग को यदि आप जान लेंगे तो शायद आप भी इन जालसाज़ों का शिकार होने से बच सकेंगे। कुछ दिन पहले विभव के पास व्हाट्सऐप पर एक वीडियो कॉल आई। उस कॉल में एक लड़की पहले तो काफ़ी मित्रता भरे ढंग से बात करने लगी। फिर कुछ ही क्षण में वो महिला अश्लीलता पर उतर आई। विभव ने तुरंत अपने फ़ोन की स्क्रीन का रुख़ अपनी पत्नी की ओर किया जो उस समय उसके साथ में बैठी थी। इसके बाद फ़ोन को काट कर विभव ने उस नंबर को ब्लॉक कर दिया और इसे भूल गया। परंतु कुछ ही देर में उसके फ़ोन पास किसी दूसरे नंबर से कुछ संदेश आने लगे जिसमें उसे ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठने का प्रयास किया गया। विभव ने इन नंबरों को भी ब्लॉक कर दिया। दो दिनों तक कुछ नहीं हुआ। दो दिन के बाद विभव के पास किसी विक्रम गोस्वामी नाम के व्यक्ति का फ़ोन आया। गोस्वामी ने ख़ुद को सीबीआई का अधिकारी बताया। सीबीआई का नाम सुनते ही विभव ने चौंक कर पूछा कि क्या बात है? विक्रम गोस्वामी ने विभव को दो दिन पहले आई व्हाट्सऐप कॉल के अश्लील वीडियो की बात की। विभव पर इस अश्लील वीडियो को यूट्यूब पर अपलोड करने का आरोप लगा कर एक शिकायत का हवाला देते हुए गोस्वामी ने पहले तो सच्चाई पूछी।

विभव ने उसे सब बात सच-सच बता डाली। जैसे ही गोस्वामी को लगा कि विभव थोड़ा घबराया हुआ है, उसने विभव को एक नंबर दिया और कहा कि यदि उसने ये वीडियो अपलोड नहीं किया तो इस नंबर पर यूट्यूब वालों को कह कर वीडियो को डिलीट करवाएँ और उसकी पुष्टि का प्रमाण आधे घंटे में गोस्वामी को दे। ऐसा न करने पर शाम तक विभव को गिरफ़्तार कर लिया जाएगा। विभव के लाख समझाने पर भी वो अधिकारी उसकी किसी बात का यक़ीन नहीं कर रहा था। बल्कि परिवार और समाज का हवाला देकर उसे और धमकाने लग गया। विभव ने विक्रम गोस्वामी का फ़ोन रखते ही मुझे फ़ोन किया और पूरा क़िस्सा बयान किया। मैंने विभव को समझाया कि यदि उसने कुछ नहीं किया तो उसे घबराने की बिलकुल भी ज़रूरत नहीं है। क़ानून का थोड़ा-बहुत ज्ञान होने के चलते मैंने उसे जो-जो बताया वो आप सभी के लिये भी समझना ज़रूरी है। पहला, यदि आपने सोशल मीडिया पर कुछ भी आपत्तिजनक अपलोड नहीं किया है तो आपको घबराने की कोई ज़रूरत नहीं। दूसरा, किसी भी सोशल मीडिया प्लैटफ़ॉर्म पर कुछ भी अश्लील या आपत्तिजनक पोस्ट नहीं किया जा सकता। इस मामले में यूट्यूब की बात करें तो यूट्यूब के नियम इतने सख़्त हैं कि अश्लील वीडियो इस पर नहीं डाले जा सकते। उन्हें यूट्यूब का एडमिन स्वीकृत नहीं करेगा। तीसरा, यूट्यूब या सोशल मीडिया पर होने वाले अपराध साइबर अपराध की श्रेणी में आते हैं और इनसे केवल पुलिस का साइबर सेल ही निपटता है। सीबीआई का इस तरह के छोटे अपराधों में हस्तक्षेप संगीन अपराधों में केवल राज्य सरकार के अनुरोध पर ही होता है। इसलिए यदि कोई भी अधिकारी ख़ुद को सीबीआई का अधिकारी कहता है तो वो झूठ बोल रहा है। इस बात को ध्यान में रखते हुए पहले उस व्यक्ति का पूरा परिचय माँग लें। इसके साथ ही अपने जानकार मित्रों की मदद से यदि संभव हो तो उस अधिकारी की पहचान की पुष्टि करें। जैसे ही विभव ने ये सब बातें सुनी उसकी घबराहट कम होने लगी। विभव ने मेरे कहने पर सीबीआई अधिकारी, विक्रम गोस्वामी का नंबर ट्रू-कॉलर नाम की ऐप पर खोजा और उसका स्क्रीनशॉट मुझे भेजा। स्क्रीनशॉट देख वही हुआ जिसका अंदाज़ा था। विक्रम गोस्वामी ने अपने नाम के साथ दिल्ली पुलिस के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना की फ़ोटो लगाई हुई थी। मैंने विभव को कहा कि वो गूगल पर पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना को खोजे और इस अधिकारी की प्रोफ़ाइल पिक्चर को मिला ले तो उसे इस नक़ली सीबीआई अधिकारी की असलियत पता चल जाएगी। इसी दौरान मैंने दिल्ली पुलिस की आईएफ़एसओ यूनिट पूर्व डीसीपी, केपीएस मल्होत्रा से इस क़िस्से को साझा किया। उन्होंने ऐसे गोरखधंधों से सभी को सावधान रहने को कहा। डीसीपी मल्होत्रा के अनुसार, कभी भी अनजान नंबर से आने वाली वीडियो कॉल को न उठाएँ।

कॉल करने वाले के लाख कहने पर भी उनकी बातों में न आएँ। अपने बैंक खाते या अन्य ज़रूरी जानकारी को कभी भी ऐसे जालसाज़ों के साथ शेयर न करें। ऐसे नंबरों को तुरंत 'रिपोर्ट एंड ब्लॉक' करें।

यदि आप इनके शिकार हो भी जाते हैं तो नज़दीकी पुलिस थाने को इसकी जानकारी तुरंत दें। आप जानकार रहेंगे तभी तो सुरक्षित रहेंगे।

मेहनत की सिसकियां, नक़ल माफिया और राजनीतिक बैसाखियां

प्रियंका सौरभ

उत्तराखंड में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू हो गया है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और रोकथाम के उपाय) अध्यादेश 2023 को मंजूरी दे दी है।'नकल विरोधी कानून' के तहत नकल करने वाले उम्मीदवारों को दंडित किया जाएगा और उन पर 10 साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। नकल माफिया को उम्रकैद या 10 साल की जेल के साथ 10 करोड़ का जुर्माना लगने का प्रावधान है। इसके अलावा नकल माफिया की संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान है। यह यूकेपीएससी पेपर लीक के बाद आया है, जिसके कारण लगभग 1.4 लाख सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। टी-कॉपीइंग एक्ट, 1992 भारतीय जनता पार्टी के कल्याण सिंह की अध्यक्षता वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1992 में अधिनियमित एक भारतीय कानून था। राजनाथ सिंह, हालांकि उस समय की सिंह सरकार में शिक्षा मंत्री थे, इस विचार का श्रेय स्वयं मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को दिया गया था। कानून का उद्देश्य राज्य में स्कूल और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर नकल की प्रथा को रोकना है। इस अधिनियम ने परीक्षाओं में अनुचित साधनों के उपयोग को एक संज्ञेय अपराध बना दिया और यह गैर-जमानती था और कथित तौर पर पुलिस को जांच करने के लिए परीक्षा परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दी। हालांकि, मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकार, जो 1993 में सत्ता में आई थी, ने अगले वर्ष इसे निरस्त कर दिया। निष्पक्ष और नकलविहीन भर्ती परीक्षा कराने के लिए उत्तराखंड में देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून लागू हो गया है. यह यूकेपीएससी पेपर लीक के बाद आया है, जिसके कारण लगभग 1.4 लाख सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। कानून परीक्षाओं की शुचिता में बाधा डालने, अनुचित साधनों के प्रयोग, प्रश्न पत्रों के लीक होने और अन्य अनियमितताओं से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए है। 'एंटी-कॉपीइंग लॉ' के तहत, धोखाधड़ी में शामिल उम्मीदवारों को तीन साल की कैद और न्यूनतम 5 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। जुर्माना नहीं देने पर प्रत्याशी को नौ माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दूसरी बार के अपराधी को न्यूनतम 10 साल की जेल और 10 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। 10 करोड़ रुपए जुर्माना लगाने का प्रावधान है। नकल माफिया के लिए आजीवन कारावास या 10 साल की जेल। इसके अलावा नकल माफिया की संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान है। उत्तराखंड में नकल विरोधी कानून बना है और उसके तहत पहला केस एक छात्र तथा एक न्यूज पोर्टल पर दर्ज हुआ है क्योंकि उन्होंने यह कहा कि बीते कल जो पटवारी की परीक्षा हुई थी, उसमें पेपर सीलबंद नहीं था। हालांकि आयोग ने स्पष्टीकरण में कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पहाड़ों में गड्ढे बहुत हैं और झटके लगने से ऐसा हुआ होगा। पुलिस ने उस स्पष्टीकरण को जमकर आगे बढ़ाया। किसी ने पल भर भी यह नहीं सोचा कि जहां हर पेपर लीक, हर पद पर धांधली और हर परीक्षा पर सवाल उठ रहे हैं, सैकड़ों पहले से ही जेलों में हैं, वहां छात्रों की शंका को दूर करना जरूरी है। शासन-प्रशासन ने आनन-फानन में छात्र पर ही केस दर्ज कर दिया। उनके स्पष्टीकरण को पढ़कर मुझे अपना सिलेंडर डिलीवरी वाला याद आ गया। सिलेंडर सील भले ही टूटी हो, मैं खाना खाने, बनाने वाला भी भले हूँ लेकिन अकेला होकर भी सिलेंडर महीना भर न चला हो मगर उसने कभी नहीं माना कि इसमें कुछ गड़बड़ी हुई है। हर बार अपनी मजबूरी पापी पेट और बाजारीकरण रहा है। उत्तराखंड सरकार के लिए अगला कदम कानून का कार्यान्वयन है। कड़े दिशा-निर्देशों और एसओपी को अपनाना होगा जिसके जरिए कानून को लागू किया जा सके। इन दिशा-निर्देशों का पालन परीक्षा कराने में शामिल पुलिस सहित विभिन्न एजेंसियों को करना है।

बिना भौतिक प्रश्न पत्र के कंप्यूटर पर ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है। ऑनलाइन परीक्षाएं कई विश्वविद्यालयों, संस्थानों और प्रतियोगी परीक्षा निकायों के पेन और पेपर-आधारित परीक्षणों से स्विच करने के साथ लोकप्रियता प्राप्त कर रही हैं। ऑनलाइन परीक्षा, जिसे सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट) भी कहा जाता है, सुरक्षित और विश्वसनीय मानी जाती है और इसमें सुरक्षा और धोखाधड़ी के मोर्चे पर न्यूनतम जोखिम होते हैं।

घर आ जा परदेसी...

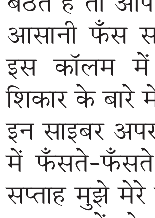

डॉ. सुरेश कुमार

बेटा तुम यहाँ से वहाँ क्या गए हमारी जान ले गए। रुपए-पैसे नहीं भेजते कोई बात नहीं है। मेरी बूढ़ी हड्डियों में अभी भी कुछ ताकत बची है।

बोझा उठाकर जैसे-तैसे तुम्हारी माँ और मेरा ख्याल रख लूँगा। मैं पिता हूँ। पिता पुरुष होता है। पुरुष को रोना नहीं चाहिए। फिर भी रोता हूँ। मैं क्या करूँ बेटा मजबूर हूँ।

तुम्हारी कमी एक बार के लिए सह सकता हूँ लेकिन तुम्हारी माँ को कैसे समझाऊँ। जब भी तुम्हें फोन लगाता हूँ तुम काट देते हो। तुम्हारी माँ समझती है कि मैं ही ठीक से फोन नहीं लगा रहा हूँ। कहती है कि तुम बुड़बक हो। तुम्हें फोन चलाना नहीं आता। मैं हँस देता हूँ। वह इसी में खुश हो जाती है कि मेरा फोन तो उठाना चाहता है लेकिन मुझ जैसे गंवार से यह काम नहीं हो पा रहा है। हम दोनों यहाँ सठिया रहे हैं।

सठियाने का यह दुख मुझे कभी नहीं सालता है। हम दोनों अनपढ़ गंवार हैं। हमें पढ़ना-लिखना नहीं आता है। पढ़ना-लिखना आता तो शायद अक्ल से पहले पर निकल आते। पर निकलने पर आदमी अपनों के पास नहीं स्वार्थ के पास उड़कर चला जाता है। मुझे तुम्हारी माँ से अब तक कोई शिकायत नहीं रही है।

किंतु उसका अनपढ़पन मुझे खाए जा रहा है। वह यही समझती है कि मुझे तुमसे संपर्क करने का कोई तकनीकी ज्ञान नहीं है।

वह यह क्यों नहीं समझना चाहती कि तकनीक भी आखिरकार मनुष्य द्वारा काम करता है। मैं लाख फोन लगाऊँ यदि तुम नहीं उठाओगे तो हमारी तुमसे कैसे बात हो सकती है। लोग कह रहे हैं कि जो पुरानी पड़ती जाती है वह नए के आने पर लुप्त हो जाती है।

तकनीक के जमाने में बहुत जल्द चिट्ठी-पत्र गायब हो जायेंगे। अच्छा हुआ मैं पत्र के लुप्त होने से पहले लिख रहा हूँ।

यह मेरी पीढ़ी की कहीं आखिरी चिट्ठी न हो। जब नया फेल हो जाता है तब पुराना ही काम करता है।

इसीलिए तुम्हें चिट्ठी लिख रहा हूँ। मैं तो देश-दुनिया से कहता हूँ कि डाक की सेवा कभी बंद न करें। नहीं तो तुम जैसों के पास चिट्ठियाँ कैसे जायेंगी। शारीरिक पीड़ा तो जैसे सह सकते हैं, लेकिन मानसिक पीड़ा बड़ी कष्टदायी है। इसे सहने की ताकत अब हममें नहीं रही।

खासकर तुम्हारी माँ को। मैं उसी के भरोसे जिए जा रहा हूँ। यदि तुम्हारे न आने से उसे कुछ हो जाता है तो यह समझ लेना कि उसके साथ-साथ मैं भी इस दुनिया से चला जाऊँगा। मैं समझता हूँ कि हम जैसों को ध्यान में रखते हुए सरकार को चाहिए कि वे अस्पताल के साथ-साथ इच्छामृत्यु केंद्र भी खोलें।

कानूनी तौर पर मरने से कम से कम इसका आरोप संतान पर तो नहीं लगेगा न। बेटा हो सके एक बार के लिए हमें देख ले, क्योंकि जिंदा रहने के लिए प्रीपेड कार्ड वाउचर नहीं मिलते या कैशबैक की तरह जिंदगी।

महाशिवरात्रि : जन्मे या प्रकट हुए शिव ?

'शिव' हैं शून्य ?

'शिव' शब्द का अर्थ है- जो नहीं है। 'जो नहीं है' से आशय है, जिसका अस्तित्व ही नहीं है। 'जिसका अस्तित्व ही नहीं है' का आशय है- रिक्तता, शून्यता और सृष्टि का असल सार तत्व रिक्तता या कुछ न होने में ही है। इसी के गर्भ से ही सृष्टि का जन्म होता है। इस ब्रम्हांड के 99 फीसदी हिस्से में यही रिक्तता छाई हुई है, जिसे हम शिव के नाम से जानते हैं।

शिव तेरे कितने नाम?

ब्रह्मा ने बच्चे से रोने का कारण पूछा तो उसने बड़ी मासूमियत से जवाब दिया कि उसका कोई नाम नहीं है इसलिए वह रो रहा है। तब ब्रह्मा ने शिव का नाम 'रूद्र' रखा जिसका अर्थ होता है 'रोने वाला'। शिव तब भी चुप नहीं हुए। इसलिए ब्रह्मा ने उन्हें दूसरा नाम दिया पर शिव को नाम पसंद नहीं आया और वे फिर भी चुप नहीं हुए। इस तरह शिव को चुप कराने के लिए ब्रह्मा ने 8 नाम दिए। शिव आठ नामों रुद्र, शर्व, भाव, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव से जाने गए।

जन्मे या प्रकट हुए शिव?

शिव भक्त या शैव मानते हैं कि भगवान शिव का जन्म नहीं हुआ, वे स्वयंभू हैं। लेकिन पुराणों में उनकी उत्पत्ति का विवरण भी मिलता है। विष्णु पुराण के अनुसार शिव भगवान विष्णु के माथे के तेज से उत्पन्न हुए । विष्णु पुराण के अनुसार माथे के तेज से उत्पन्न होने के कारण शिव हमेशा योगमुद्रा में रहते हैं। श्रीमद् भागवत के अनुसार एक बार जब भगवान विष्णु और ब्रह्मा अहंकार से अभिभूत हो स्वयं को श्रेष्ठ बताते हुए लड़ रहे थे तब एक जलते हुए खंभे से भगवान शिव प्रकट हुए। विष्णु पुराण में वर्णित शिव के जन्म की कहानी शायद भगवान शिव का एकमात्र बाल रूप वर्णन है। इसके अनुसार ब्रह्मा को एक बच्चे की जरूरत थी। उन्होंने इसके लिए तपस्या की। तब अचानक उनकी गोद में रोते हुए बालक शिव प्रकट हुए।

क्या है शिव' का मतलब ?

शिव में 'शि' ध्वनि का अर्थ मूल रूप से शक्ति या ऊर्जा होता है। भारतीय जीवन शैली में, हमने हमेशा से स्त्री गुण को शक्ति के रूप में देखा है। मजेदार बात यह है कि अंग्रेजी में भी स्त्री के लिए 'शी' शब्द का इस्तेमाल होता है। लेकिन यदि सिर्फ 'शि' का बहुत अधिक जाप करेंगे, तो वह आपको असंतुलित कर देगा। इसलिए इस मंत्र को मंद करने और संतुलन बनाए रखने के लिए उसमें व' जोड़ा गया। 'व' "वाम" से लिया गया है, जिसका अर्थ है प्रवीणता। 'शि-व' मंत्र में एक अंश उसे ऊर्जा देता है

शिव यानी त्र्यंबकेश्वर

शिव का वर्णन हमेशा से त्र्यंबक के रूप में किया जाता रहा है, उनकी तीन आँखें हैं। तीसरी आँख वह आँख से आत्मदर्शन होता है कुछ लोग इस तीसरी आंख को सृष्टि के विनाश का कारण भी मानते हैं। दो आँखें सत्य को नहीं देख पातीं हैं, इसलिए तीसरी आँख इन्द्रियों से परे जीवन के असली स्वरूप को देखती है।

शक्ति का उद्भव

शिव के जीवन में शक्ति के आने का रोचक वर्णन है । शिव सो रहे हैं और शक्ति उन्हें देखने आती हैं। वह उन्हें जगाने आई हैं क्योंकि वह उनके साथ नृत्य करना चाहती हैं, उन्हें रिझाना चाहती हैं। शुरू में वह नहीं जागते, लेकिन थोड़ी देर में उठ जाते हैं। मान लीजिए कि कोई गहरी नींद में है और आप उसे उठाते हैं तो उसे थोड़ा गुस्सा तो आएगा ही, बेशक उठाने वाला कितना ही सुंदर क्यों न हो। अतः शिव भी गुस्से में गरजे और तेजी से उठकर खड़े हो गए। उनके ऐसा करने के कारण ही उनका पहला नाम रुद्र पड़ गया। रुद्र का अर्थ है – दहाडने वाला, गरजने वाला।

-डॉ. घनश्याम बादल

त्रिशूल के तीन प्राणमय कोष :

शिव का त्रिशूल जीवन के तीन मूल पहलुओं को दर्शाता है। योग परंपरा में उसे रुद्र, हर और सदाशिव कहा जाता है। ये जीवन के तीन मूल आयाम हैं, जिन्हें कई रूपों में दर्शाया गया है। उन्हें इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना भी कहा जा सकता है। ये तीनों प्राणमय कोष यानि मानव तंत्र के ऊर्जा शरीर में मौजूद तीन मूलभूत नाड़ियां हैं – बाई, दाहिनी और मध्य। नाड़ियां शरीर में उस मार्ग या माध्यम की तरह होती हैं जिनसे प्राण का संचार होता है। तीन मूलभूत नाड़ियों से 72,000 नाड़ियां निकलती हैं। इन नाड़ियों का कोई भौतिक रूप नहीं होता।

शिव सज्जा में चंद्र :

भगवान शिव को कई वस्तुओं से सुसज्जित दिखाया गया है। उनके शिखर पर चंद्रमा है, गले में सर्प और शरीर पर भभूत है । चंद्रमा को सोम कहा गया है। अगर आप किसी चांदनी रात में किसी ऐसी जगह गए हों जहां चंद्रमा की रोशनी की ओर ध्यान से देखा हो, तो धीरे-धीरे सुरूर चढ़ने लगता है। अपने इसी गुण के कारण चंद्रमा को सोमरस का स्रोत माना गया है। शिव चंद्रमा को एक आभूषण की तरह पहनते हैं ।

गले में सर्प

योग संस्कृति में, सर्प कुंडलिनी का प्रतीक है। यह भीतर की वह उर्जा है जो फिलहाल इस्तेमाल नहीं हो रही है। कुंडलिनी का स्वभाव ऐसा होता है कि जब वह स्थिर होती है, तो आपको पता भी नहीं चलता कि उसका कोई अस्तित्व है। केवल जब उसमें हलचल होती है, तभी आपको महसूस होता है कि आपके अंदर इतनी शक्ति है।

बदन पर भभूति

भभूत इस बात का प्रतीक है कि शिव पर वाह्य जगत का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता अपितु भभूत उनके अंदर की शक्ति को संचयित करती रहती है तथा जिसको शक्ति की आवश्यकता उसे संचारित करती है।

शिव की मूर्ति पर तीन रेखाएं और एक बिंदु किसका प्रतीक है?

भगवान शिव की मूर्ति या फिर शिवलिंग पर बनी तीन रेखाओं के तिलक को त्रिपुण्ड कहते हैं। त्रिपुंडी के नाम से जाने जाने वाले शिवलिंग पर तीन पंक्तियों का निशान त्रिमूर्ति की तीन गुना विशेषताओं का प्रतीक है- जो तीन सूक्ष्म देवताओं के स्वामी हैं; त्रिनेत्री या जिनके पास ज्ञान का तीसरा नेत्र है; त्रिकालदर्शी या वह जो समय के तीन पहलुओं के ज्ञाता हैं और त्रिलोकीनाथ या तीनों लोकों के स्वामी हैं। शिवलिंगम पर तीन रेखाएं और एक बिंदी निराकार भगवान शिव, निर्माता और उनकी त्रिमूर्ति रचना के बीच इस अंतर का प्रतीक है। वस्तुतः परमात्मा शिव त्रिमूर्ति हैं अर्थात ब्रह्मा-विष्णु-शंकर के भी रचयिता हैं। वे करन-करावनहार हैं। ब्रह्मा द्वारा सतयुगी दैवी सृष्टि की स्थापना करते हैं, शंकर द्वारा कलियुगी आसुरी सृष्टि का विनाश करते हैं तथा विष्णु द्वारा सतयुगी दैवी सृष्टि की पालना कराते हैं। जब परमात्मा का अवतरण होता है तब साथ ही इन तीन देवताओं का कार्य भी सूक्ष्मलोक में आरंभ हो जाता है।

प्रजापिता ब्रह्मा, विष्णु और शंकर इसी महाभारत काल में ही रचे गए हैं। इन तीनों देवों की रचना करके परमात्मा शिव इस सृष्टि का संचालन करते हैं। इसलिए परमात्मा शिव को तीन देवों का देव भी कहा जाता है। यही कारण है कि ब्रह्मा, विष्णु और शंकर तीनों ही परमपिता परमेश्वर शिव भोलेनाथ का ध्यान करते हैं। विष्णु पुराण में इन तथ्यों का स्पष्ट उल्लेख मिलता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं में भी देवताओं की त्रिमूर्ति - ब्रह्मा, विष्णु और शंकर - को एक नई दुनिया के निर्माण, इसके भरण-पोषण या संरक्षण और पुरानी, बुरी दुनिया के विनाश के तीन दिव्य कृत्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए माना जाता है। इन तीन कार्यों को चक्रीय क्रम में दोहराया जाता है और भगवान बुरी शक्तियों के विनाश और शुद्धिकरण के रूप में विश्व व्यवस्था के परिवर्तन और नवीनीकरण का अग्रदूत है।

अतः आसुरी प्रवृत्तियों के सर्वनाश और दैवीय शक्तियों की स्थापना का दिव्य और अलौकिक समय यही है।

-ब्रह्माकुमारीज़

महाशिवरात्रि पौराणिक कथा...

महाशिवरात्रि का पर्व हिंदू धर्म के काफी महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक हैं। यह हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है और हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है यदि अच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य केरेंगे।

इसके साथ ही ऐसी भी मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे काफी निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। महाशिवरात्रि के दिन को उर्वरकता से भी जोड़ा जाता है. यह पर्व ऐसे समय पड़ता है, जब पेड़ फूलों से भर जाते हैं और ठंड के मौसम के बाद धरती सुसुप्तावस्था से जागकर एक बार फिर से उपजाऊ हो जाती है।

महाशिवरात्रि का इतिहास

महाशिवरात्रि का इतिहास का प्राचीन है और इसके मनाये के साक्ष्य पांचवीं सदी के भी पूर्व के हैं। कई सारे मध्यकालीम पुराणों जैसे कि स्कंद पुराण, लिंगा पुराण और पद्म पुराण के अनुसार महाशिवरात्रि एक ऐसा त्योहार है, भगवान शिव को विशेष रुप से समर्पित किया गया है। यहीं कारण है कि शैव भक्तों के लिए यह त्योहार इतना महत्व रखता है।

भगवान शिव के अग्नि स्तंभ की कथा

महाशिवरात्रि के दिन से कई सारी पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि एक बार ब्रह्माजी व विष्णुजी में विवाद छिड़ गया कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। जिसमें ब्रह्माजी सृष्टि के रचयिता होने के कारण स्वंय के श्रेष्ठ होने का दावा कर रहे थे तथा भगवान विष्णु पूरी सृष्टि के पालनकर्ता के रूप में स्वयं को श्रेष्ठ बतला रहे थे। तभी वहां एक विराट लिंग प्रकट हुआ। दोनों देवताओं ने इस बात का निश्चय किया गया कि जो इस लिंग के छोर का पहले पता लगाएगा उसे ही श्रेष्ठ माना जाएगा। अतः दोनों विपरीत दिशा में शिवलिंग की छोर ढूढंने निकले। छोर न मिलने के कारण विष्णुजी लौट आए।

ब्रह्मा जी भी शिवलिंग के उद्गम के स्त्रोत का पता लगाने में सफल नहीं हुए परंतु उन्होंने आकर विष्णुजी से कहा कि वे छोर तक पहुँच गए थे। जिसमें उन्होंने केतकी के फूल को इस बात का साक्षी भी बताया। ब्रह्मा जी के असत्य कहने पर स्वयं वहां शिव जी प्रकट हुए और क्रोधित होकर उन्होंने ब्रह्माजी की एक सिर काट दिया, तथा केतकी के फूल को श्राप दिया कि उनके पूजा में कभी भी केतकी के फूलों का इस्तेमाल नहीं होगा और क्योंकि यह घटना फाल्गुन माह के 14वें दिन हुई थी और इसी दिन भगवान शिव ने खुदको शिवलिंग के रुप में प्रकट किया था। इसलिए इस दिन को महाशिवरात्रि के रुप में मनाया जाता है।

हलाहल विष की कथा

इसी तरह एक दूसरी कथा भगवान शिव के विष पीने से है। जिसके अनुसार, जब अमृत प्राप्ति के लिए देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर समुद्र मंथन किया जा रहा था। तब समुद्र से कई सारी चीजें प्रकट हुई। उन्हीं में से एक था हलाहल विष, यह विष इतना तीव्र और घातक था कि सभी देवों और असुरों ने इस विष भरे घड़े को छूने से भी मना कर दिया। जब इस समस्या ने पूरे संसार में त्राहिमाम मचा दिया और विश्व के सभी जीव जंतुओं पर संकट आ गया, तो सभी देव भगवान शिव की शरण में पहुंचे और हलाहल विष से पूरे विश्व के रक्षा की कामना की। तब भगवान शंकर ने इस भयंकर विष को पीकर अपने कंठ में धारण कर लिया। जिससे उनका गला नीला पड़ गया और वह नीलकंठ कहलाये। तब से उसी दिन को महाशिवरात्रि के पर्व के रुप में मनाया जाता है।

शिव-पार्वती के सालगिरह से जुड़ी कथा

इसके साथ ही महाशिवरात्रि को लेकर तीसरी जो सबसे प्रचलित कथा है उसके अनुसार, जब भगवान शिव की पिछली पत्नी सती की मृत्यु हो जाती है, तो भगवान शिव काफी दुखी हो जाते हैं। इसके बाद जब सती का माता पार्वती के रुप में पुर्नजन्म होता है। तो भगवान शिव उनके तरफ देखते तक नही हैं।

इसके पश्चात वह उन्हें मनाने के लिए कामदेव की सहायता लेती है, ताकि भगवान शिव की तपस्या भंग हो सके और इस प्रयास में कामदेव की मृत्यु भी हो जाती है। समय बितने के साथ ही भगवान शिव के हृदय में माता पार्वती के लिए प्रेम उत्पन्न हो जाता है और वह उनसे विवाह करने का निर्णय ले लेते हैं। इस शादी के लिए फाल्गुन माह के अमावस्या का दिन तय किया गया है। इसलिए इस दिन को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है।

दुल्हन बनीं मृणाल, दूल्हा बने सिद्धांत

फैशन शो में छा गया दोनों सितारों का लुक

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी ने अबु जानी संदीप खोसला के लिए रैंप वॉक किया और महफिल लूट ली. दोनों की तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं. एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी ने हाल ही में डिज़ाइनर अबु जानी और संदीप खोसला के मोस्ट अवेटेड फैशन इवेंट में रैंप वॉक किया. इस दौरान दोनों की केमिस्ट्री लाजवाब लगी. अबु जानी और संदीप खोसला ने करीब चार साल बाद एक साथ आकर शो कैंसर पेशेंट्स एड असोसिएशन के साथ शो का आयोजन किया. अब मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और सिद्धांत चतुर्वेदी की बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं. इनमें मृणाल ठाकुर दुल्हन के लुक में बेहद हसीन लग रही हैं.

मृणाल ठाकुर का गोल्डन रंग का घागरा उन पर खूब जंच रहा था. इस दौरान उन्होंने लुक को और भी ज्यादा अपीलिंग बनाने के लिए मांग में टीका, हाथ में ब्रेस्लेट और गले में खूबसूरत नेकलेस पहना हुआ था. सिद्धांत चतुर्वेदी भी किसी दूल्हे से कम नहीं लग रहे थे. उन्होंने अबु जानी संदीप खोसला का डिजाइन किया हुआ शेरवानी पहना था. सिद्धांत चतुर्वेदी का लुक भी जोरदार लग रहा था. आपको बता दें कि मृणाल ठाकुर फैशन शो में शो स्टॉपर थीं. शो का लुत्फ उठाने के लिए वहां पर श्वेता बच्चन और उनकी बेटी नव्या नंदा नवेली भी मौजूद थी.

शाहरुख के फैंस को मिला तोहफा, 500 करोड़ी क्लब में शामिल होने के बाद अब कम दाम में देख सकेंगे 'पठान'

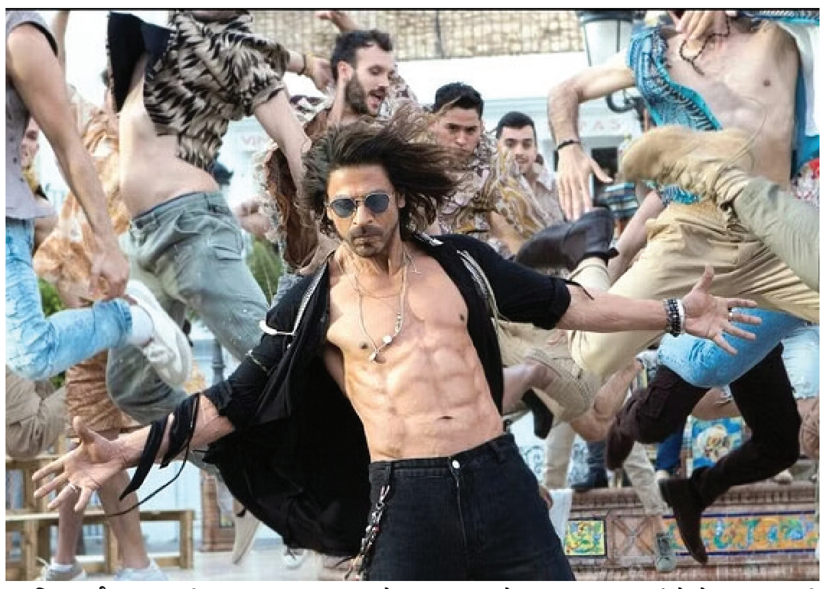

सिद्धार्थ आनंद की फिल्म पठान इन दिनों सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। यह फिल्म दुनियाभर में 1000 करोड़ का आंकड़ा छूने की तरफ बढ़ रही है। वहीं देशभर में इस फिल्म ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। दर्शकों को यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। यशराज बैनर के तले बनी यह फिल्म ब्लॉबस्टर साबित हो चुकी है। कमाई के मामले में यह फिल्म बहुत जल्द बाहुबली का रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। वहीं पठान की जबरदस्त सफलता के बाद अब मेकर्स ने मास्टरस्ट्रोक खेला है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर माजरा क्या है।

दुनियाभर में पठान की जबरदस्त सफलता को देखते हुए मेकर्स ने 17 फरवरी के दिन को पठान डे घोषित किया है। वहीं इस दिन पीवीआर, आईनॉक्स और सिनेपॉलिस ने पठान के टिकट के दाम घटा दिए हैं। अब 17 फरवरी को शाहरुख खान के फैंस उनकी फिल्म को 110 रुपये में देख सकते हैं। मेकर्स ने यह तोहफा पठान के 500 करोड़ के क्लब में शामिल होने की खुशी में दिया है।

बता दें कि यह उन दर्शकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है, जो अभी भी पठान देखने से चूक गए हैं। अब दिकट के दाम में कमी के चलते फैंस इस फिल्म को आसानी से देख सकते हैं। इस खबर को पढ़ने के बाद शाहरुख के फैंस काफी खुश होंगे। बता दें कि सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी लीड रोल में हैं।

बता दें कि पठान को रिलीज के बाद से ही ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। दरअसल शाहरुख खान ने चार साल के लंबे ब्रेक के बाद 'पठान' से कमबैक किया है और फैंस ने किंग खान की वापसी का जमकर जश्न मनाया। हालांकि फिल्म की रिलीज से पहले काफी विवाद भी हुआ।

फिल्म के गाने बेशर्म रंग मे दीपिका पादुकोण के भगवा रंग की बिकिनी पहने पर आपत्ति जताते हुए कई नेताओं और हिंदू संगठनों ने 'पठान' के बायकॉट की मांग भी की थी। हालांकि फिल्म रिलीज हुई और इसने इतिहास रच दिया।

सामंथा रुथ प्रभु ने ठुकराया 'पुष्पा 2' में आइटम सॉन्ग करने का ऑफर

'ऊ अंटावा' क्या फिल्म 'पुष्पा' का ये गाना आप सभी को याद है? अल्लू अर्जुन की इस फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु ने इस आइटम सॉन्ग पर परफॉर्म किया था। यह गाना रिलीज होने साथ ही हिट हो गया था।

लोगों को इस गाने में सामंथा रुथ प्रभु और अल्लू अर्जुन की केमिस्ट्री काफी पसंद आई थी। यही कारण है कि फिल्म के निर्देशक सुकुमार ने 'पुष्पा 2' में भी सामंथा रुथ प्रभु के आइटम सॉन्ग की प्लानिंग की थी। हालांकि, सामने आ रही रिपोर्ट्स के मुताबिक सामंथा रुथ प्रभु ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर 'पुष्पा 2' में आइटम सॉन्ग करने का ऑफर ठुकरा दिया है। क्यों? आइए जानते हैं।

सामंथा रुथ प्रभु, 'ऊ अंटावा' को मिली सफलता से बेहद खुश थीं। उन्होंने खुद ये बात एक इंटरव्यू के दौरान कही थी। उन्होंने कहा था कि 'लोग उनके बाकी कामों को भूल गए हैं। चारों तरफ बस इस गाने की ही चर्चा हो रही है। लेकिन, वह नहीं चाहती हैं कि वह एक और बोल्ड आइटम सॉन्ग कर टाइपकास्ट हो जाएं। इसलिए, वह अपने करियर के इस स्टेज पर एक और आइटम सॉन्ग नहीं करेंगी।

बीमारी से उभरने के बाद हाल ही में सामंथा रुथ प्रभु अपने डेली रूटीन में लौटी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वह इन दिनों अपनी अपकमिंग हिंदी वेब सीरीज 'सिटाडेल' की शूटिंग में बिजी हैं।

कहा जा रहा है कि उन्होंने अपनी हिंदी वेब सीरीज के लिए विजय देवरकोंडा की तेलुगू फिल्म 'खुशी' की शूटिंग रोक दी है। वहीं, अब अभिनेत्री ने तेलुगू फिल्म 'पुष्पा 2' का भी ऑफर ठुकरा दिया है। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि सामंथ रुथ प्रभु, तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री को इग्नोर कर रही हैं।

सिद्धार्थ-कियारा के रिसेप्शन में ऊप्स मोमेंट का शिकार हुईं दिशा पटानी

दिशा पटानी को सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी के रिसेप्शन में देखा गया। इस मौके पर उन्होंने सिमरी थाई हाई स्लिट गाउन पहना हुआ था। उसके बाल खुले हुए थे। उसने हाई हील्स भी पहनी हुई थी। हालांकि उनके कपड़ों को देखकर पता चल रहा था कि वो भी कम्फर्टेबल नहीं थीं और चलते-चलते एक हाथ से ड्रेस को संभालती दिखीं. फोटोशूट के दौरान भी उनके चेहरे पर बेचैनी देखी जा सकती है. 'कियारा आडवाणी के वेडिंग रिसेप्शन में दिशा पाटनी सिद्धार्थ मल्होत्रा का वीडियो।' उनका वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गया है। 15 घंटे में इसे 47 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं, वीडियो पर 270 से ज्यादा कमेंट किए जा चुके हैं। दिशा पाटनी की अनकम्फर्टेबल ड्रेस ने कई लोगों का ध्यान खींचा है. कई लोगों का ध्यान दिशा पाटनी की अनकम्फर्टेबल ड्रेस पर भी गया है. कई लोगों ने लिखा है, 'ये शादी के रिसेप्शन में ऐसी ड्रेस पहनकर क्यों आई है?' एक ने लिखा, 'वेडिंग रिसेप्शन को उन्होंने स्विमवीयर कैलेंडर लॉन्च समझ लिया।' एक ने लिखा है, 'वो वेडिंग रिसेप्शन या मेट गाला में आई हैं.' एक ने लिखा, 'यह थाई दिखाए बिना कभी नहीं रह सकता। यह बॉलीवुड का नाम है। कोई बड़ी बात नहीं, टाइगर श्रॉफ ने उनसे ब्रेकअप कर लिया। एक ने लिखा है, 'अगर आप ड्रेस पहनने में असहज हैं तो ड्रेस का क्या मतलब?' एक ने लिखा है, 'बहुत असहज है.' कई लोगों ने उन्हें डफर भी कहा है. एक ने लिखा है, 'डफर कैसी एक्ट्रेस है.'

इकोनॉमी क्लास में सफर करती दिखीं दीपिका पादुकोण यूजर्स ने पूछा- पठान से पगार नहीं आई क्या?

पठान की बंपर कामयाबी के बाद दीपिका पादुकोण की चर्चा हर तरफ है, लेकिन अब उनका जिक्र एक ऐसे मामले को लेकर है, जिसकी शायद ही किसी ने कल्पना की हो. दरअसल, दीपिका पादुकोण को आरामदायक बिजनेस क्लास छोड़कर फ्लाइट के इकोनॉमी क्लास में सफर करते हुए स्पॉट किया गया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में वह वॉशरूम के लिए रास्ता बनाती दिखीं.

खुद को छिपाती दिखीं दीपिका

दावा किया जा रहा है कि पठान की एक्ट्रेस ने खुद को छिपाने के लिए तमाम जतन किए. फ्लाइट के दौरान उन्होंने किसी से बातचीत भी नहीं की. वहीं, खुद को छिपाने के लिए ऑरेंज कलर का ओवरसाइज जैकेट पहना. साथ ही, सिर पर बेसबॉल की कैप भी लगाई. हालांकि, यह बात स्पष्ट है कि उन्होंने कहां से कहां तक का सफर किया.

सोनल मोंटीरो ने टाइम पास के लिए की मॉडलिंग, अब करने जा रहीं बॉलीवुड डेब्यू

क्या 'यंग सरोजिनी नायडू' बनकर जीत पाएंगी दर्शकों का दिल?

फिल्म इंडस्ट्री पर अगर गौर किया जाए तो पिछले कुछ समय से यहां ज्यादातर बायोपिक फिल्में बनती नजर आ रही हैं. कॉमेडी और एक्शन फिल्में भी बन तो रही हैं, पर बहुत कम. दर्शक भी बायोपिक फिल्मों को काफी पसंद कर रहे हैं. हर कोई अब अच्छा सिनेमा देखने की चाह रख रहा है. इसी के साथ हाल ही में एक और बायोपिक फिल्म की घोषणा हुई.

'भारत कोकिला' कही जाने वाली क्रांतिकारी सरोजिनी नायडू पर फिल्म बन रही है. इस फिल्म में दो एक्ट्रेसेस नजर आने वाली हैं. यंग सरोजिनी का रोल सोनल मोंटीरो प्ले करती दिखेंगी. वहीं अधेड़ उम्र की सरोजिनी नायडू का रोल शांति प्रिया अदा करती नजर आएंगी. शांति प्रिया तो पूरे 28 साल बाद इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं. पर अगर एक नजर सोनल मोंटीरो पर दौड़ाएं तो यह भी किसी से कम नहीं. सोनल मोंटीरो का जन्म कर्नाटक में साल 1995 अगस्त में हुआ था. इनके परिवार में कोई भी फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक नहीं रखता है. सोनल ने जो अपनी पहचान इंडस्ट्री में बनाई है, वह अपने दम पर बनाई है.

साल 2015 में इन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था. सोनल मोंटीरो को क्या पता था कि आज वह इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हो जाएंगी. सिर्फ इतना ही नहीं, सोनल मोंटीरो ने जब मॉडलिंग शुरू की थी तो वह केवल टाइम पास के लिए की थी. उन्हें नहीं पता था कि वह अपना करियर इसी फील्ड में आगे बढ़ाएंगी. तमिल और कन्नड़ इंडस्ट्री में सोनल मोंटीरो का बहुत नाम है. फैन्स के बीच यह काफी पॉपुलर एक्ट्रेस हैं. साल 2015 में सोनल मोंटीरो 'मिस कोंकण' बनी थीं. इसके बाद इन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. फिल्म 'इक्का सक्का' से इन्होंने अपना डेब्यू किया. धीरे-धीरे एक्टिंग के साथ इन्होंने स्टेज शोज भी करने शुरू किए. फैन्स के बीच पॉपुलैरिटी हासिल की. 8 साल के करियर में सोनल मोंटीरो ऊंचाइयां छू रही हैं. अब यंग सरोजिनी नायडू बनकर यह हिंदी सिनेमा जगत में कदम रखने जा रही हैं. इस रोल को अदा करने के लिए सोनल मोंटीरो काफी एक्साइटेड हैं. सोनल उम्मीद कर रही हैं कि जिस तरह उन्हें साउथ इंडस्ट्री में लोगों का प्यार मिला है. उसी तरह हिंदी सिनेमा में भी उन्हें पसंद किया जाए. इनके सोशल मीडिया अकाउंट पर एक नजर दौड़ाएं तो रियल लाइफ में एक्ट्रेस काफी फिट और ग्लैमरस नजर आती हैं. ट्रेडिशनल अवतार में तो यह बेस्ट दिखती हैं. टोन्ड फिगर को मेनटेन रखने के लिए रोज वर्कआउट करती हैं और सख्त डायट फॉलो करती हैं.

'सेल्फी' के प्रचार के लिए अक्षय कुमार-इमरान ने की मेट्रो की सवारी, यात्रियों के साथ लगाए ठुमके

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी जल्द ही फिल्म 'सेल्फी' में नजर आएंगे। इन दिनों दोनों सितारे इस फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में दोनों सितारों ने आज मुंबई मेट्रो का सफर किया। अचानक खिलाड़ी कुमार और इमरान हाशमी को अपने बीच पाकर यात्री हैरान रह गए। इस दौरान दोनों सितारों ने मेट्रो में डांस भी किया। मेट्रो की सवारी करते हुए दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अक्षय और इमरान हाशमी फिल्म 'सेल्फी' के प्रमोशन में कोई कसर नहीं रखना चाहते। हाल ही में दोनों को मुंबई मेट्रो में स्पॉट किया गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि इमरान हाशमी और अक्षय कुमार भागते हुए मुंबई मेट्रो पहुंचते हैं। एक ओर जहां अक्षय स्पोर्ट्स आउटफिट में नजर आ रहे हैं। वहीं, इमरान हाशमी जींस, टी-शर्ट और जैकेट में नजर आए। अक्षय और इमरान मास्क लगाते हुए चुपचाप मेट्रो में एंट्री लेते हैं। पहले आसपास मौजूद लोगों को भनक तक नहीं होती कि उनके बीच बॉलीवुड के दो स्टार्स मौजूद हैं। लेकिन, जैसे ही फैंस को पता चलता है तो सभी सुपरस्टार्स के साथ सेल्फी लेने टूट पड़े।

मेट्रो में सवारी करते हुए अक्षय कुमार और इमरान हाशमी ने फैंस के साथ मुलाकात की और उनके साथ 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' गाने पर डांस भी किया। अक्षय और इमरान को साथ में मेट्रो के अंदर डांस करते हुए देखना हर किसी के लिए बड़ा सरप्राइज था। दोनों स्टार्स को पास खड़ा देखकर उनके संग सेल्फी लेने वालों की लाइन लग गई। अक्षय कुमार अपनी फिल्मों का प्रमोशन अलग अंदाज में करने के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्होंने यह तरीका चुना।

बता दें कि फिल्म 'सेल्फी' 24 फरवरी को रिलीज हो रही है। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो काफी पसंद किया गया। फिल्म में अक्षय कुमार जहां सुपरस्टार हैं, वहीं इमरान हाशमी एक जबरा फैन के रोल में नजर आएंगे। देखना दिलचस्प होगा कि यह फिल्म सिनेमाघरों में क्या जादू दिखाती है।

मुझ पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं एक पब्लिक फिगर हूं : हंसिका

बीते साल डेढ़ साल में कई सेलेब्रिटी शादी के बंधन में बंधे हैं. ये चर्चित शादियां लोगों का ध्यान खींचती रही हैं, परंतु अब यह नया रिवाज बन रहा है कि सेलेब्रिटी अपनी शादी के वीडियो ओटीटी प्लेटफॉर्मों को बेच रहे हैं. हंसिका मोटवानी की शादी का वीडियो भी आया है, मगर इससे उनके लिए मुश्किलें बढ़ी हैं. हंसिका मोटवानी इन दिनों काफी परेशान चल रही हैं. उनकी यह परेशानी सोशल मीडिया यूजर्स को लेकर है. जब से उन्होंने शादी की है तब से सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें लगातार ट्रोल कर रहे हैं. यह ट्रोलिंग हाल ही मे 10 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज हुए रियलिटी शो लव शादी ड्रामा के बाद और ज्यादा बढ़ गई है. यह रियलिटी शो हंसिका मोटवानी की ग्रेंड वेडिंग पर आधारित है. इस डॉक्युड्रामा में हंसिका अपने अफेयर से लेकर शादी तक की बातें करती दिखाई दे रही हैं. किस तरह से वह सोहेल से मिली, किस तरह उनके बीच अफेयर शुरू हुआ. इस रियलिटी शो में हंसिका मोटवानी अपने पति सोहेल कथूरिया के अतीत के बारे में भी बात करती दिखाई दीं.

वह इसमें सोहेल कथूरिया की पहली शादी के बारे में बात करते हुए नजर आई हैं. इसमें हंसिका ने बताया है कि उनकी मां इस शादी के खिलाफ थी. इस शादी को लेकर वह अपनी मां से झगड़ते हुए भी दिखाई दे रही हैं. गौरतलब है कि हंसिका के पति सोहेल कथूरिया पेशे से बिजनसमैन हैं और ये उनकी दूसरी शादी है. इससे पहले सोहेल ने हंसिका की ही दोस्त रिंकी बजाज से शादी की थी. रिंकी की फ्रेंड होने के कारण हंसिका अपने पति की पहली शादी में भी शामिल थी. हंसिका और सोहेल की शादी के दौरान सोहेल और उनकी एक्स-वाइफ रिंकी की शादी के वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल किए गए. उस समय सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा हंसिका पर अपनी ही फ्रेंड का घर तोड़ने का आरोप लगाया जा रहा था. और अब उनका रियलिटी शो आने के बाद एक बार फिर वह चर्चा में है.

लोग उठा रहे अंगुली

इस रियलिटी शो के पहले एपिसोड में हंसिका सोशल मीडिया यूजर्स को आड़े हाथ लेते दिखाई दे रही हैं. उनका कहना है कि उन्हें सेलिब्रिटी होने का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है. लोग उन्हें विलेन की तरह देख रहे हैं और दूसरे लोगों को दिखा भी रहे हैं. अगर मैंने जिससे शादी की है उसे मैं उसकी पहली शादी के टाइम से जानती हूं तो इसमें मेरी क्या गलती है. मैं पब्लिक फिगर हूं, इसलिए लोग आसानी से मुझ पर उंगली उठा रहे हैं, मुझ पर तंज कस रहे हैं. मुझे विलेन की तरह दिखा रहे हैं. हर किसी की पर्सनल लाइफ होती है. लोगों को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी की पर्सनल लाइफ में हस्तक्षेप करे. मुझ पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं एक पब्लिक फिगर हूं, सेलिब्रिटी हूं.

आदिल के जेल जाते ही फिर सहेली बनीं राखी और शर्लिन, गले मिलती आईं नजर

राखी सावंत इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी की वजह से मीडिया की सुर्खियों में छाई हुई हैं। कुछ वक्त पहले राखी सावंत ने अपने पति आदिल खान दुर्रानी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। आदिल फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। इस बीच राखी सावंत और शर्लिन चोपड़ा के बीच आई खटास धीरे-धीरे दूर हो गई है। हाल ही में राखी सावंत ने शर्लिन चोपड़ा से माफी तक मांग ली है। दोनों की गले मिलते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

एक वीडियो में दोनों एक्ट्रेस मीडिया के सामने गले मिलती नजर आ रही हैं। इस दौरान राखी सावंत कहती नजर आ रही हैं, 'शर्लिन मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। कोई दोराय नहीं कि बीच में हम दोनों के बीच थोड़ा सा कुछ हो गया था। लेकिन, मैं अपनी बहन से माफी मांगती हूं। आई लव यू।' इस पर शर्लिन राखी से पूछती हैं, 'छोटी बहन या बड़ी बहन? इस पर वह कहती हैं हम उम्र। दोनों गले लगती नजर आ रही हैं।'

इस वीडियो पर यूजर्स के काफी दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'अगर दोस्ती सच्ची है तो पब्लिक के आगे साबित करने की जरूरत ही नहीं है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'यह तो एक सीरीज जैसी है, जो नेटफ्लिक्स पर होनी चाहिए।' एक यूजर ने लिखा, 'कल तक तो एक-दूसरे को काटने को दौड़ रही थीं और आज मतलब के लिए एक-दूसरे के साथ हो गईं। कहीं ऐसे ही आदिल से भी तो माफी नहीं मांग लोगी?' राखी और शर्लिन का एक अन्य वीडियो भी सोशल मीडिया पर घूम रहा है। इसमें दोनों साथ में केक काटती नजर आ रही हैं। दोनों के चेहरे की खिलखिलाहट बता रही है कि अब सारी कड़वाहट दूर हो गई है। बता दें कि कुछ दिनों पहले शर्लिन ने राखी पर उनकी आपत्तिजक फोटोज और वीडियोज वायरल करने की शिकायत दर्ज करवाई थी और फिर पुलिस ने राखी को पूछताछ के लिए बुलाया था। अब जब दोनों फिर से अच्छी दोस्त बन गई हैं तो हर कोई हैरान है।

शादीशुदा महेश भूपति के स्वभाव पर फिदा हो गई थीं लारा दत्ता

बॉलीवुड अभिनेत्रियों और खिलाड़ियों का पुराना नाता रहा है। अक्सर इनके अफेयर की खबरें आती रहती हैं। कई खिलाड़ी और बॉलीवुड हसीनाएं शादी के बंधन में भी बंध चुके हैं। एक समय पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स लारा दत्ता और टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति के प्यार के किस्सों की भी चर्चा हर तरफ थी और आज दोनों हमसफर हैं। जहां लारा को साल 2000 में 'मिस यूनिवर्स' के खिताब से नवाजा जा चुका है, वहीं महेश 'ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट' को जीतने वाले पहले भारतीय हैं। दोनों ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में लगातार कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ी हैं। तो आइए आपको बताते हैं इस कपल की लव स्टोरी के बारे में...

सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात बेहद खास थी। ये दोनों ही बेंगलुरु से हैं। कहा जाता है कि महेश भूपति ने पहली बार लारा दत्ता को साल 2000 में मिस यूनिवर्स बनने के बाद देखा था।

हालांकि, मिस यूनिवर्स से पहले महेश भूपति एक विश्व प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी बन चुके थे। लारा दत्ता को पहली बार देखने के बाद उन्हें पसंद करने लगे थे। इसके बाद इन दोनों की मुलाकात महेश भूपति की एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी के संबंध में बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई। जिसमें लारा दत्ता ने महेश की कंपनी को अपने काम का मैनेजमेंट देखने के लिए कहा था।

महेश भूपति ने लारा दत्ता को अमेरिका में एक कैंडिल लाइट डिनर के दौरान अंगूठी पहनाकर प्रपोज किया था।

इस अंगूठी को महेश ने खासतौर पर खुद ही लारा के लिए डिजाइन करवाया था। उस समय महेश यूएस ओपन खेलने के लिए न्यूयॉर्क गए हुए थे। मीडिया के पूछने पर अक्सर यह दोनों एक-दूजे को अपना सिर्फ दोस्त बताते थे। अपने शांत और हंसमुख स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले महेश भूपति का मैच देखने पहुंची लारा दत्ता उनकी सादगी पर फिदा हो गई थीं।

लारा और महेश भूपति ने सितंबर, 2010 में सगाई की थी। इसके बाद अगले साल 16 फरवरी, 2011 को दोनों ने मुंबई में एक सादे समारोह में शादी कर ली।

शादी के 6 महीने बाद लारा ने अनाउंस किया कि वो प्रेग्नेंट हैं। दोनों की एक खूबसूरत बेटी भी है जिसका नाम सायरा भूपति है।

जब शुद्ध शाकाहारी पंकज को निभाना पड़ा कसाई का रोल, शूटिंग के वक्त हो गई थी हालत खराब

अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वसेपुर को कल्ट मूवीज में शुमार किया जाता है। बहुत कम ही ऐसी फिल्में होती हैं जो लोगों के मन में लंबे समय तक गहरी छाप छोड़ती हैं। अनुराग की यह फिल्म भी इन्हीं में से एक है। इस फिल्म ने कई कलाकारों की किस्मत बदल कर रखी दी। पंकज त्रिपाठी को भी इस फिल्म लोगों के बीच खास पहचान मिली। फिल्म में उनके किरदार को काफी ज्यादा पसंद किया गया, लेकिन क्या आपको पता है कि सुल्तान कुरैशी का किरदार निभाने के लिए पंकज को कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। थ्रोबैक थर्सडे में आज हम आपको फिल्म गैंग्स ऑफ वसेपुर से जुड़ा किस्सा बताने जा रहे हैं।

बात 2012 के समय की है। उस वक्त फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान बनाने के लिए पंकज त्रिपाठी लगातार संघर्ष कर रहे थे। जब यह फिल्म जब पंकज को ऑफर की गई तो उन्होंने इसे करने के लिए तुरंत हामी भर दी। हालांकि, फिल्म की शूटिंग के वक्त उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

दरअसल, पंकज ने फिल्म सुल्तान कुरैशी नाम के एक कसाई का रोल अदा किया था, जिसे निभाते समय उनकी हालत खराब हो गई थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि असल जिंदगी में वह शुद्ध शाकाहारी हैं। फिल्म में काम करते समय हुई दिक्कतों का खुलासा उन्होंने कपिल शर्मा शो के दौरान किया था।

इस किस्से को सुनाते हुए एक्टर ने बताया था कि यह काफी पीड़ादायक था क्योंकि वह वेजिटेरियन हैं। शो में उन्होंने कहा था उस जगह पर स्मेल की वजह से उन्हें शूटिंग के दौरान खूब उल्टियां हुई थीं। हालांकि हर सीन में अपनी अदाकारी की वजह से पंकज ने फिल्म में जान डाल दी थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी पिछले साल पकंज बच्चन पांडे और शेरदिल द पीलीभीत सागा में नजर आए थे। वहीं, उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो पंकज जल्द ही फुकरे 3 में अपने अभिनय का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं।

आदित्य रॉय कपूर को जबरदस्ती किस करने लगी फीमेल फैन : वीडियो देख भड़के यूजर्स, बोले- ये तो हैरेसमेंट है

आदित्य रॉय कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग सीरीज 'द नाइट मैनेजर' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में सीरीज की स्क्रीनिंग रखी गई थी। आदित्य स्क्रीनिंग से वापस लौट रहे थे तभी उनके साथ एक अजीब घटना हो गई, जिसका एक वीडियो सामने आया है। दरअसल, एक फीमेल फैन आदित्य को जबरदस्ती किस करने की कोशिश करने लगी। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस हैरान हैं।

फीमेल फैंस ने की जबरदस्ती किस करने की कोशिश

इस वीडियो में एक महिला आदित्य के साथ सेल्फी लेने के लिए पहुंचती है। वह सेल्फी क्लिक कराती है इसके बाद वह जबरदस्ती आदित्य के गाल पर किस करने की कोशिश करने लगती है। आदित्य मुस्कुराते हुए उसे किसी तरह रोकने की कोशिश करते हुए नजर आए। वह महिला को पीछे करते हैं, बावजूद इसके फैन नहीं मानी, और आखिरी में जाते-जाते उनके हाथ को चूम ही लेती है।

इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स ने फीमेल फैन की जमकर क्लास लगाई। एक यूजर ने लिखा, 'हे भगवान! इस तरह का हैरेसमेंट ठीक नहीं है! लोगों को क्या दिक्कत है? यहां तक कि मैं भी उसे पसंद करती हूं, लेकिन मैं जबरदस्ती उसे किस करने की कोशिश नहीं करूंगी। तो दूसरे ने लिखा,'आंटी कंट्रोल'।

आई.एस. जौहर की बर्थ एनिवर्सरी पर उनकी जिंदगी के कुछ अनसुने किस्से....

आई.एस. जौहर...एक ऐसे कलाकार थे जो एक्टर भी, राइटर भी, फिल्में प्रोड्यूसर व डायरेक्ट भी। कुछ लोगों ने उनकी फिल्मों को बी-ग्रेड माना, सरकारी योजनाओं का मजाक बनाने पर फिल्में बैन भी हुईं, मगर जौहर एंटरटेनमेंट का कम्प्लीट पैकेज थे। ये रिश्ते में प्रोड्यूसर यश जौहर के भाई थे, यानी करण जौहर के चाचा।

आई.एस. जौहर जितने अलबेले कलाकार थे, उतनी ही अतरंगी उनकी जिंदगी थी। उनका एक जुड़वां भाई भी था, जिसने उनकी ही गर्लफ्रेंड से शादी कर ली। जब उसने कोई क्राइम किया तो जेल में इनको डाल दिया गया। जौहर का अपनी पत्नी से तलाक लंबे समय तक चर्चा का मुद्दा रहा, क्योंकि ये उस समय आजाद भारत के पहले रजिस्टर्ड तलाकों में से एक था। इन्होंने 5 शादियां कीं, 5 तलाक लिए।

भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद जब पाक राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो शिमला समझौते के लिए अपनी बेटी बेनजीर भुट्टो के साथ भारत आए थे, तो जौहर ने बेनजीर को अपनी फिल्म की हीरोइन बनने का ऑफर दे दिया था। जौहर खुद भी पाकिस्तान के निवासी थे, एक शादी में भारत आए और लाहौर में ऐसे दंगे शुरू हुए कि इन्हें भारत में ही बस जाना पड़ा। मेहमूद के साथ इनकी जोड़ी खूब हिट रही। अपने ही नाम पर इन्होंने 7 फिल्में भी बनाईं। इन्हें इंडियन चार्ली चैपलिन कहा जाता था, लेकिन ये इसे अपनी बेइज्जती मानते थे।

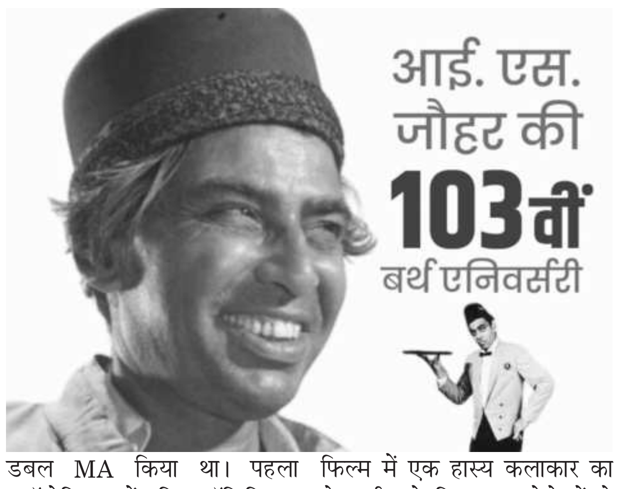

पाकिस्तान में रहते हुए इन्होंने डबल MA किया था। पहला इकॉनोमिक्स में, फिर पॉलिटिकल साइंस में। इससे भी मन नहीं भरा तो इन्होंने LLB की पढ़ाई भी की। उस जमाने में एक साथ इतनी डिग्री हासिल करना अपने आप में बड़ी बात थी।

दंगे इतने बढ़ गए कि पाकिस्तान अपने घर नहीं जा सके

1947 में आई.एस.जौहर अपने पूरे परिवार के साथ एक शादी अटेंड करने पाकिस्तान के लाहौर से पटियाला आए थे, इसी बीच लाहौर में दंगे ऐसे भड़के कि इनका परिवार वापस नहीं जा सका। कुछ समय बाद खबर आई कि शाह आलमी बाजार को पूरी तरह जला दिया गया है। वहीं हिंदू कॉलोनी जहां इनका घर हुआ करता था।

फिल्मों से कैसे जुड़े?

आई.एस. जौहर लिखने में माहिर थे। उन्होंने फिल्म 'एक थी लड़की' लिखी थी। ये स्क्रिप्ट 40 के दशक के रूप के. शौरी को खूब पसंद आई और उन्होंने इस टाइटल के साथ फिल्म बनाई। ये बतौर लेखक इनकी पहली फिल्म थी। साथ ही इन्होंने फिल्म में एक हास्य कलाकार का रोल भी प्ले किया था, ऐसे में ये इनकी बतौर एक्टर भी पहली फिल्म रही। अभिनय के साथ-साथ आई.एस. जौहर ने 12 फिल्मों का निर्देशन भी किया और करीब 4 फिल्में प्रोड्यूस कीं। इनमें बेवकूफ (1960), जौहर महमूद इन गोवा (1965), 5 राइफल्स (1974), नसबंदी (1978) शामिल हैं।

आई.एस. जौहर के निर्देशन में बनीं फिल्में नास्तिक, श्रीमती जी, श्री नगद नारायण, हम सब चोर हैं जैसी सभी फिल्में ए ग्रेड रहीं, लेकिन इन्होंने जिन भी फिल्मों को खुद बनाया, वो हमेशा बी-ग्रेड कही गईं।

बंटवारे की आपबीती पर लिखी फिल्म हिट हुई

1954 में आई.एस.जौहर ने नास्तिक फिल्म लिखी और इसे डायरेक्ट भी किया। ये फिल्म एक ऐसे शख्स की कहानी थी जो जिंदगी के दुखों से परेशान होकर नास्तिक बन जाता है। ये कहानी उन्होंने बंटवारे के मंजर को देखकर अपने अनुभवों पर लिखी थी। ये फिल्म बड़ी हिट हुई थी। इस फिल्म में यश चोपड़ा उनके असिस्टेंट डायरेक्टर थे, जो बॉलीवुड के नामी फिल्ममेकर बने।

बेनजीर भुट्टो को दिया था हीरोइन बनने का ऑफर, 5 शादियां कीं और 5 तलाक लिए

1942 में आई.एस. जौहर ने लाहौर में रहते हुए रामा बाइंस से शादी की थी, जिससे उन्हें दो बच्चे थे। कुछ सालों बाद 1949 में आई.एस. जौहर ने पत्नी से तलाक ले लिया। ये उस दौर की बात है जब तलाक एक कुप्रथा मानी जाती थी। इनका तलाक आजादी के बाद शुरुआती रजिस्टर्ड तलाकों में से एक था।

इन्होंने 5 शादियां कीं और 5 बार तलाक लिया। इन्हें ही फिल्म इंडस्ट्री में तलाक का ट्रेंड लाने का क्रेडिट दिया जाता है। इन्होंने एक्ट्रेस सोनिया साहनी से भी शादी की थी, जिन्होंने इन्हीं की फिल्म जौहर महमूद इन गोवा से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। पहली पत्नी के अलावा किसी से भी इनके कोई बच्चे नहीं हुए।

अपने नाम पर फिल्में बनाने का जुनून

1965 में आई.एस. जौहर ने अपने नाम पर फिल्म जौहर महमूद इन गोवा डायरेक्ट की और इसमें पैसे भी लगाए। फिल्म हिट होते ही ये इतने उत्साहित हो गए कि इन्होंने लगातार अपने ही नाम पर फिल्में बनाना शुरू कर दिया। वहीं इन्होंने 7 फिल्मों में अपना नाम जौहर ही रखा।

बी.आर. चोपड़ा का करियर पटरी पर लाए

50 के दशक में बी.आर. चोपड़ा की फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं। निराश बी.आर.चोपड़ा ने फिल्मी दुनिया छोड़कर पत्रकारिता में जाने का फैसला कर लिया। बी.आर. चोपड़ा और आई.एस.जौहर लाहौर से दोस्त थे। पूरी कहानी जानने के बाद आई.एस. जौहर ने अपनी लिखी एक बेहतरीन स्क्रिप्ट उन्हें सौंप दी और फिल्म बनाने का हौसला दिया। बी.आर. चोपड़ा ने ऐसा ही किया। फिल्म अफसाना (1951) रिलीज हुई और बी.आर. चोपड़ा का करियर फिर पटरी पर आ गया। वो इसका इतना एहसान मानते थे कि उन्होंने अपने छोटे भाई यश चोपड़ा को अपना असिस्टेंट डायरेक्टर बनाने के बजाय इनके पास भेज दिया।

आई.एस. जौहर हुनर के इतने पक्के थे कि फिल्मों के अलावा असल जिंदगी में भी ये हाजिर जवाबी से लोगों की बोलती बंद कर दिया करते थे। बड़ी-बड़ी महफिलों में इन्होंने कई लोगों का ऐसा मजाक बनाया कि लोग इनके सामने झिझकने लगे।

मेनका गांधी की मैगजीन के लिए लिखते थे ब्लॉग

1978 में जब मेनका गांधी ने सूर्या नाम की मैगजीन लॉन्च की तो इस मैगजीन का एक हिस्सा आई.एस. जौहर के खाते में आया। वो इस मैगजीन में राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर व्यंग्य लिखते थे।

फिल्मफेयर मैगजीन में छपता था इनका मजेदार कॉलम

पॉपुलर फिल्मफेयर मैगजीन में भी इनका एक कॉलम छपता था, जिसका नाम था क्वेश्चन बॉक्स। ये कॉलम बेहद पॉपुलर था, जिसमें लोगों के राजनीति और दूसरे मुद्दों से जुड़े सवालों पर ये मजेदार अंदाज में जवाब दिया करते थे। जिसका सवाल सबसे मजेदार होता था उस व्यक्ति को 50 रुपए का इनाम मिलता था।

1971 में आई फिल्म जॉनी मेरा नाम में आई.एस. जौहर ने ट्रिपल रोल निभाया। बेहतरीन कॉमिक रोल के लिए इन्हें बेस्ट परफॉर्मेंस इन कॉमिक रोल के लिए पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था।

हॉलीवुड तक थी इनके काम की चर्चा, ऑस्कर विनिंग फिल्म में किया था काम

इन्होंने 1958 की हॉलीवुड फिल्म हैरी ब्लैक से हॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके अलावा ये नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर, लॉरेंस ऑफ अरेबिया, डेथ ऑन द नाइल जैसी हॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुके हैं। फिल्म हैरी ब्लैक के लिए इन्हें बेस्ट ब्रिटिश एक्टर की कैटेगरी में BAFTA (ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवॉर्ड) में नॉमिनेशन मिला। ये नॉमिनेशन हासिल करने वाले ये पहले इंडियन एक्टर थे।

1971 में भारत-पाकिस्तान के युद्ध में पाकिस्तान को हार मिलने के बाद 1972 में वहां के तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो भारत आए। मकसद था शिमला समझौता। जुल्फिकार के साथ उनकी बेटी बेनजीर भुट्टो भी भारत आई थीं। आई.एस. जौहर इतने बेबाक थे कि इतने सेंसिटिव मुद्दे के बीच उन्होंने 18 साल की बेनजीर भुट्टो को अपनी फिल्म में हीरोइन बनने का ऑफर दे दिया। उनके इस ऑफर की भारत समेत बांग्लादेश, पाकिस्तान में भी खूब चर्चा हुई।

क्या था बेनजीर भुट्टो का जवाब?

बेनजीर ने इस बात पर नाराजगी नहीं जताई और शालीनता से उन्हें जवाब दिया कि वो जीवन में कुछ और करना चाहती हैं। आईएस जौहर ने भले ही अपनी फिल्मों से लोगों को खूब गुदगुदाया, लेकिन उनके मजाकिया मिजाज के कारण लोग उनसे दूर होने लगे। 70 के दशक में जब लोगों का साथ छूटता गया तो ये अकेले ही रहने लगे। इनके साथ इनके दो बच्चे अनिल और अंबिका भी रहते थे। कुछ लोग तो इन्हें पागल समझने लगे थे।

आखिरी इच्छा- मेरी मौत की खबर किसी को मत देना

10 मार्च 1984 को आई.एस. जौहर का लंबी बीमारी से निधन हो गया। इन्होंने मौत से दो-तीन दिन पहले ही अपने बच्चों से कहा था कि वो नहीं चाहते उनके मरने पर किसी को खबर की जाए। ऐसे में जब उनका निधन हुआ तो बच्चों ने किसी को खबर नहीं दी। चंद लोग इकट्ठा हुए जो इन्हें सायन इलेक्ट्रिक श्मशान ले गए और वहां जल्द से जल्द इनका अंतिम संस्कार किया गया। आई.एस. जौहर ने बेटे के सामने एक और अंतिम इच्छा रखी थी। वो ये कि जब उनकी मौत की खबर अखबार में छपे तो वो अखबार उन तक पहुंचाया जाए।

एसएंडपी अदाणी ट्रांसमिशन के ईएसजी मूल्यांकन की समीक्षा करेगी, पूरे घटनाक्रम की निगरानी भी

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड (एटीएल) के लिए अपने ईएसजी मूल्यांकन को 'समीक्षा के तहत' रखने की घोषणा की। गौरतलब है कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह में कॉरपोरेट प्रशासन से जुड़े मुद्दों को उठाया था। पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मूल्यांकन की निगरानी करते समय एसएंडपी 'समीक्षा के तहत' शब्द का

इस्तेमाल करती है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक बयान में कहा, 'हम भारतीय नियामकों द्वारा किसी भी जांच और अदाणी समूह की ओर से किए गए किसी भी अतिरिक्त खुलासे सहित सभी घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी करेंगे।'रेटिंग एजेंसी ने कहा, 'समूह के कामकाज और प्रकटीकरण से संबंधित आरोप फंड प्रदाताओं और एटीएल की वृद्धि को समर्थन देने वाले व्यापार भागीदारों को उदासीन बना सकते हैं। इससे कंपनी के लिए वित्तीय और परिचालन संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं।' अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

भारतीय खाद्य निगम

ई-नीलामी में 901 करोड़ रुपये में 3.85 एलएमटी गेहूं की बिक्री

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। आटे की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए केंद्र सरकार ने गेहूं की ई नीलामी करने का फैसला किया है। केंद्र सरकार के मुताबिक गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिए यह ई-नीलामी मार्च 2023 के दूसरे सप्ताह तक हर बुधवार को की जायेगी। इस बीच भारतीय खाद्य निगम ने 15 फरवरी, 2023 को जो दूसरी ई-नीलामी की थी, उसमें 1060 से अधिक बोलीकर्ताओं ने हिस्सा लिया और 3.85 एलएमटी गेहूं की बिक्री की गई। निगम ने 15.25 एलएमटी गेहूं के भंडारण की नीलामी की पेशकश की थी। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की दूसरी ई-नीलामी में 100 से 499 एमटी की मात्रा की अधिकतम मांग थी। इसके बाद 500-1000 एमटी मात्रा की मांग दूसरे नंबर पर रही। तीसरे नंबर पर 50-100

एमटी गेहूं की मांग रही। इससे पता चलता है कि नीलामी में छोटे और मंझोले आटा मिल वालों तथा कारोबारियों ने सक्रिय हिस्सा लिया। एकमुश्त 3000 एमटी की अधिकतम मात्रा के लिये केवल पांच बोलियां ही प्राप्त हुई थीं। नीलामी में एफसीआई ने औसत दर 2338.01 रुपये कुंतल जारी की थी। दूसरी ई-नीलामी में एफसीआई ने 901 करोड़ रुपये अर्जित किये। मंत्रालय का कहना है कि देश में गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिये मंत्रियों के समूह द्वारा की जाने वाली सिफारिशों के अनुपालन में एफसीआई ई-नीलामी के लिये गेहूं की पेशकश कर रहा है। ई-नीलामी के जरिये गेहूं की बिक्री देशभर में मार्च 2023 के दूसरे सप्ताह तक हर बुधवार को की जाएगी। भारत सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सहकारिताओं तथा केंद्रीय भंडार, एनसीसीएफ और नाफेड जैसे संघों के लिये बिना ई-नीलामी के 3 एलएमटी गेहूं का आवंटन किया है। पहले रियायती दरों पर गेहूं 23.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उठाया जा सकता था। इसी तरह इस योजना के तहत आटा भी जनता को एमएसपी की दर के मद्देनजर उपलब्ध कराया जाता रहा है, जो 29.50 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक नहीं था। भारत सरकार ने इन दोनों दरों में संशोधन कर दिया है, जिसके अनुसार गेहूं 21.50 रुपये प्रति किलोग्राम और आटा एमएसपी की दर से ऐसे भंडारण से उठाया जा सकता है, जिसकी कीमत 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक नहीं होगी। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) को उपरोक्त योजना के तहत आठ राज्यों में 68,000 एमटी गेहूं उठाने की अनुमति दी गई है। इस योजना के तहत नाफेड को 1 एलएमटी गेहूं का आवंटन और केंद्रीय भंडार को 1.32 एलएमटी गेहूं का आवंटन किया गया है, ताकि देशभर में आटे की कीमत को नीचे लाया जाए।

ईको-फ्रेंडली कपड़ों के लिए लोग 40% ज्यादा खर्चने को तैयार

इनकी मैन्युफैक्चरिंग से कम फैलता है प्रदूषण

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सस्टेनेबल मटेरियल से बनी जैकेट हाल में चर्चा में थी। देश में आम उपभोक्ताओं के बीच भी इस तरह के ईको फ्रेंडली कपड़ों की मांग बढ़ रही है। हालांकि दाम ज्यादा होने के चलते अभी चुनिंदा लोग ही ऐसे कपड़े इस्तेमाल करते हैं। लेकिन मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म बेन एंड कंपनी के मुताबिक, ऐसे कपड़ों के लिए लोग 40% तक ज्यादा खर्च करने के लिए तैयार हैं। दरअसल कपड़ा उद्योग दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों में शुमार है। इसे देखते हुए स्पोर्ट्स और फैशन वियर इंडस्ट्री ने खासतौर पर इको फ्रेंडली क्लोदिंग पर फोकस किया है। ईको फ्रेंडली कपड़ों की मैन्युफैक्चरिंग में कम से कम प्रदूषण फैलता है। इनमें कुदरती फाइबर और रिसाइकल मटेरियल से बने कपड़े शामिल हैं।

देश का कपड़ा उद्योग भी कार्बन फुटप्रिंट घटाने और मैन्युफैक्चरिंग में कम से कम प्रदूषण करने की कोशिश कर रहा है। 79% उपभोक्ता सामाजिक जिम्मेदारी के चलते खरीदारी की प्राथमिकताएं बदल रहे हैं 60% लोग मानते हैं कि सीमित प्राकृतिक संसाधनों को लेकर ज्यादा सावधानी बरतेंगे 52% शहरी उपभोक्ता अगले तीन वर्षों में इको-फ्रेंडली ब्रांड्स पर खर्च बढ़ने की उम्मीद रखते हैं ।

विश्व बैंक के प्रमुख कार्यकाल पूरा होने के एक साल पहले ही छोड़ेंगे पद

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व बैंक के प्रमुख डेविड मलपास ने कहा है कि वह अपना कार्यकाल समाप्त होने के लगभग एक वर्ष पहले ही अपना पद छोड़ देंगे। अपने एक

बारे में बता दिया है। उन्होंने अपना पद 30 जून तक छोड़ने की इच्छा जताई है। विश्व बैंक के बोर्ड ऑफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स ने 5 अप्रैल 2019 को ट्वीट में मालपास ने कहा कि उन्होंने विश्व बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ मिलकर उन्हें अपने पद छोड़ने के डेविड मलपास को 13वां अध्यक्ष चुना था। पांच वर्षों का उनका कार्यकाल 9 अप्रैल 2019 से शुरू हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कुंभ	में
चंद्र-	धनु	में
मंगल	वृष	में
बुध-	मकर	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	मीन	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
कुंभ -	06-31	बजे
मीन...	08-10	बजे
मेष--	09-46	बजे
वृष--	11-30	बजे
मिथुन..	13-31	बजे
कर्क...	15-43	बजे
सिंह...	17-55	बजे
कन्या..	20-02	बजे
तुला..	22-07	बजे
वृश्चिक.	00-17	बजे
धनु.....	02-31	बजे
मकर..	04-41	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी **-23 -36** तक उपरान्त, त्रयोदशी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **Feb 17**
नक्षत्र -पूर्वाषाढा - **20 -28** तक उपरान्त उतराषाढा
योग - सिद्ध - **23 - 43** - तक उप व्यतिपात
करण- कौलव **-13 - 16** - तक उप- तैतिल
विशेष:- व्रत -त्योहार - विजया एकादशी व्रत- निम्बार्क

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 11:03 से 12:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:45 - 08:10	शुभ	रोग.	18:14 - 19:50	अशुभ
लाभ.	08:10 - 09:37	शुभ	काल.	19:50 - 21:24	अशुभ
अमृत.	09:37 - 11:03	शुभ	लाभ.	21:24 - 22:57	शुभ
काल	11:03 - 12:30	अशुभ	उत्पात	22:57 - 00:30	अशुभ
शुभ	12:30 - 13:57	शुभ	शुभ	00:30 - 02:03	शुभ
रोग	13:57 - 15:24	अशुभ	अमृत	02:03 - 03:36	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:51	अशुभ	चंचल	03:36 - 05:09	शुभ
चंचल	16:51 - 18:14	शुभ	रोग	05:09 - 06:45	अशुभ

सोना 50 रुपये सस्ता

चांदी की कीमतों में 140 रुपये का इजाफा

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में 50 रुपये प्रति दस ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार गुरुवार को दिल्ली में सोना 50 रुपये की नरमी के साथ 56,270 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इससे पिछले कारोबारी सेशन में सोना 56,320 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमतें 140 रुपये

बढ़कर 65720 रुपये प्रति दस ग्राम हो गईं हैं। एचडीएफसी बैंक के सीनियर एनालिस्ट (कॉमोडिटीज) सौमिल गांधी के अनुसार दिल्ली के बाजार में स्पॉट गोल्ड प्राइसेज 56270 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव पर कारोबार करते दिखे। इसमें पिछले दिन की तुलना में 50 रुपये की कमी दर्ज की गई। वहीं, वैश्विक बाजार में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमशः 1840 डॉलर प्रति औंस और 21.69 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार करता दिख रहा है। रिलायंस सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट श्रीराम अय्यर के मुताबिक गुरुवार को एशियाई बाजारों में कॉमेक्स गोल्ड तेजी के साथ कारोबार करता दिखा। ऐसा डॉलर में हल्की कमजोरी के कारण है।

बाइडन ने अपनी राष्ट्रीय आर्थिक टीम का पुनर्गठन किया

भारतीय मूल के भरत राममूर्ति भी शामिल

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में अपनी राष्ट्रीय आर्थिक टीम का पुनर्गठन किया है हालांकि उन्होंने टीम में भारतीय-अमेरिकी भरत राममूर्ति को बनाए रखा है जो बाइडन के राष्ट्रपति बनने के पहले दिन से उनके साथ हैं। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि लिल ब्रेनार्ड अब राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की निदेशक होंगी और जैरेड बर्नस्टीन को आर्थिक सलाहकार परिषद का अध्यक्ष नामित किया गया है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि राममूर्ति राष्ट्रीय आर्थिक परिषद में उप निदेशक के पद पर बने रहेंगे जो यह दर्शाता है कि राष्ट्रपति ने उन्हें अपनी अहम टीम का हिस्सा बनाए रखा है। बाइडन ने हीथर बौशी को अमेरिका कैबिनेट में निवेश की मुख्य अर्थशास्त्री के तौर पर नामित किया है जो वर्तमान में आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य के तौर पर कार्यरत हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने वर्तमान में श्रम विभाग राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की उप निदेशक जोएला गैंबल को भी नामित किया है। बयान में कहा, ''भरत, हीथर, जोएला और व्हाइट हाउस आर्थिक टीम के अन्य अहम सदस्य, लिल एवं जैरेड भविष्य में एक मजबूत, समावेशी और अधिक लचीली अर्थव्यवस्था के निर्माण के कार्य में गंभीरता लाने के उद्देश्य में मदद करेंगे।''

होम लोन के बढ़ते दर्द से आप भी परेशान हैं

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। आरबीआई ने हाल में लगातार छठी बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। पिछले साल अप्रैल में रेपो रेट चार फीसदी था जो अब बढ़कर 6.50 फीसदी पहुंच गया है। बैंकों ने इसका बोझ ग्राहकों पर डाला है। इससे खासकर होम लोन की किस्त काफी बढ़ गई है और लोगों का बजट गड़बड़ा गया है। जब होम लोन सस्ता था तो लोगों ने इसका फायदा उठाते हुए मकान या फ्लैट लिए थे। अब उनके लिए किस्त चुकाना भारी पड़ रहा है। किस्त के भुगतान में देरी से आपका सिबिल स्कोर प्रभावित होता है। इससे बैंक पीनल इंटरेस्ट के रूप में जुर्माना वसूलते हैं जो ईएमआई एक से दो फीसदी होता है। बार-बार भुगतान में देरी से रिकवरी एजेंट्स भी परेशान करने लगते हैं। यहां हम आपको ऐसे तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनसे आप अपने लोन का बोझ कम कर सकते हैं। अगर आपको कहीं से अतिरिक्त इनकम होती है तो उस रकम का इस्तेमाल लोन के प्रीपेमेंट के लिए किया जा सकता है। इससे आपको लोन की टेन्योर घटाने में मदद मिलेगी। होम लोन जैसे बड़े लोन के मामले में शुरुआती वर्षों में प्रीपेमेंट आपके लोन की अवधि काफी ज्यादा कम कर देता है। लोन में प्रीपेमेंट से आप उस कर्ज की अवधि घटा सकते हैं या उसकी ईएमआई की रकम कम कर सकते हैं। आप अपनी फाइनेंशियल कंडीशन के हिसाब से उचित फैसला ले सकते हैं। जब आप प्रीपेमेंट करते हैं, तो यह रकम सीधे प्रिंसिपल अमाउंट से कम होती है। इससे आपकी मंथली किस्त कम हो जाती है। लोन के शुरुआती दौर में प्रीपेमेंट से ईएमआई कम होती है और ब्याज भी बचता है। यही वजह है कि इसे सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। अगर आप अपने लोन की मासिक किस्त जल्द से जल्द खत्म करना चाहते हैं तो इसके लिए ईएमआई की रकम बढ़ा सकते हैं। सैलरी में बढ़ोतरी या बोनस आदि का सही इस्तेमाल कर आप ईएमआई की रकम आसानी से बढ़ा सकते हैं। इससे आपको मासिक किस्त के बोझ से जल्द छुटकारा पाने में मदद मिलेगी। ईएमआई को वही लोग बढ़ा सकते हैं, जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। अगर आप इस ऑप्शन को चुनते हैं, तो इससे आपकी मासिक किस्त बढ़ जाएगी। लेकिन आपका मूलधन कम होगा और लोन पर चुकाने वाला कुल ब्याज भी कम होगा। इससे आपका लोन जल्दी खत्म हो जाएगा। ईएमआई बढ़वाने का विकल्प एक तरह से छोटे-छोटे प्री-पेमेंट की तरह है। होम लोन की किस्त बढ़ने से मंथली खर्चों पर असर होने लगता है। इससे आपका बजट गड़बड़ा सकता है। अगर आप एक्स्ट्रा इनकम या सेविंग्स नहीं हो पा रही है, तो आप अपने लोन का टेन्योर बढ़वा कर किस्त कम करा सकते हैं। लेकिन इससे आपको लंबे समय तक ब्याज देना पड़ेगा।

अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 स्टॉक्स में तेजी

सेंसेक्स 44 अंक बढ़कर 61,319 पर बंद, इंडिगो के को-फाउंडर गंगवाल की पत्नी ने 4% हिस्सेदारी बेची, शेयर 4% लुढ़का

मुंबई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन, यानी गुरुवार (15 फरवरी 23) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 44 अंकों की तेजी के साथ 61,319 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 20 अंक की तेजी रही। यह 18,035 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 शेयरों में तेजी और 18 शेयरों में गिरावट रही।

अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 स्टॉक्स में तेजी

लंबे समय के बाद आज अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 स्टॉक्स में तेजी देखने को मिली। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज और पोर्ट्स के शेयर में करीब 1% की तेजी रही। अडाणी पावर, विल्मर और एनडीटीवी में 5% का अपर सर्किट देखने को मिला। वहीं ग्रीन एनर्जी और अंबुजा सीमेंट में भी मामूली तेजी रही। वहीं अडाणी ट्रांसमिशन और टोटल गैस में 5-5% का लोअर सर्किट लगा है। इसके अलावा एसीसी के शेयर में 0.67% की गिरावट रही।

अडाणी ग्रुप ने निवेशकों को दिलाया भरोसा

अडाणी ग्रुप के शेयरों में यह तेजी ग्रुप के सीएफओ जुगशिंदर रॉबी सिंह के एक स्टेटमेंट की वजह से देखने को मिल रही है। दरअसल, बुधवार को अडाणी ग्रुप के सीएफओ ने निवेशकों को आश्वस्त किया है कि उनकी कंपनियों की बैलेंस शीट अच्छी स्थिति में है। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाते हुए कहा, 'हमारे पास पर्याप्त नकदी है और हम अपने कर्जों को चुकाने की क्षमता रखते हैं।'उन्होंने आगे कहा, 'मौजूदा बाजार के स्थिर होते ही हम अपनी पूंजी बाजार रणनीति की फिर से समीक्षा करेंगे। हमारा पूरा फोकस बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार की रफ्तार को बनाए रखने पर है।' इससे पहले गौतम अडाणी ने ग्रुप के शेयरों में जारी उठापटक को अस्थाई बताया था। वहीं अडाणी ग्रुप ने कंपनियों की ऑडिट के लिए इंडिपेंडेंट अकाउंटिंग फर्म ग्रांट थॉर्नटन को हायर करने की खबरों को अफवाह बताया है।

ओएनजीसी-टेक महिंद्रा निफ्टी के टॉप गेनर

ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, अपोलो हॉस्पिटल, डिविस लैब, नेस्ले इंडिया, अडाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और कोल इंडिया समेत निफ्टी-50 के 25 शेयरों में तेजी रही। वहीं बीपीसीएल, बजाज फाइनेंस, एम एंड एम, आयशर मोटर्स, एचडीएफसी लाइफ, हिंदुस्तान युनिलीवर और टाटा मोटर्स समेत 24 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं एक शेयर में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.62% की तेजी रही

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 5 में तेजी देखने को मिली। आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.62% की तेजी रही। रियल्टी में 1.33% और मेटल सेक्टर में 1.23% तेजी दिखी। मीडिया और फार्मा सेक्टर में भी मामूली तेजी रही। वहीं बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक सेक्टर में गिरावट देखने को मिली।

राकेश गंगवाल की पत्नी ने इंडिगो में 4% हिस्सेदारी बेची

इंडिगो एयरलाइन्स के को-फाउंडर राकेश गंगवाल की पत्नी शोभा गंगवाल ने एक ब्लॉक डील के जरिए इंटरग्लोब एविएशन में लगभग 4% हिस्सेदारी 2,930 करोड़ रुपए में बेच दी है। इस ब्लॉक डील के कारण आज इसके शेयर में 4% से ज्यादा की गिरावट रही। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शोभा गंगवाल ने बिक्री के लिए फ्लोर प्राइस 1,875 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया था।

एलन मस्क फिर दुनिया के सबसे बड़े रईस बनने के करीब, मुकेश अंबानी टॉप 10 में

नई दिल्ली , 16 फरवरी (एजेंसियां)। टेस्ला , ट्विटर और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क एक बार फिर दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप पर पहुंचने के करीब पहुंच गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में रेकॉर्ड इजाफा हुआ है। इसकी वजह यह है कि इस साल टेस्ला की कीमत में 70 फीसदी तेजी आई है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में बुधवार को 4.42 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। अब उनकी नेटवर्थ 191 अरब डॉलर पहुंच गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। फ्रांस के कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट 192 अरब डॉलर की

नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। आरनॉल्ट और मस्क की नेटवर्थ में मात्र एक अरब डॉलर का अंतर रह गया है। इस साल मस्क की नेटवर्थ में 54.2 अरब डॉलर की तेजी आई है जबकि आरनॉल्ट की नेटवर्थ 29.9 अरब डॉलर उछली है। 2021 के अंत में मस्क की नेटवर्थ 300 अरब डॉलर पहुंच गई थी। इस बीच गौतम अडानी की नेटवर्थ में गिरावट का सिलसिला जारी है। बुधवार को इसमें 1.03 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इस साल उनकी नेटवर्थ 70.1 अरब गिरी है और अब यह 50.4 अरब डॉलर रह गई है। पिछले साल अडानी की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 44 अरब डॉलर का उछाल आया था। लेकिन इस बार साल के पहले डेढ़ महीने में ही वह आधी से अधिक नेटवर्थ गंवा चुके हैं। 24 जनवरी के आई एक निगेटिव रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई है। उधर देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर अमीरों की लिस्ट में टॉप 10 में आ गए हैं।

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो अ): आप पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य के मामले में काफी सख्त दिनचर्या का पालन कर रहे हैं,आपको अब इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा । अगर आपने अपने खान पान में कुछ परिवर्तन किया है तो आपको आज इसके कारण अपने स्वास्थ्य में विशेष सुधार दिखाई दिखाई देगा । इससे आपको अपने स्वास्थ्यवर्धक रूटीन पर बने रहने की प्रेरणा मिलेगी ।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो): आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा): आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है, इसलिए इस तरह के कृत्य से दूर रहे और बस आप अपने हर कार्य में ईमानदारी का प्रदर्शन करे ।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो): आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

तुला (स री रु रे से ता तू ते): आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें । आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा । बाद में आप अच्छा और आत्मविश्वास से भरा अनुभव करेंगे ।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू): आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा ।आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी): आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें ।अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।आप भावनात्मक रूप से बिलकुल शक्तिशाली हैं ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी। किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें । की काफी संभावना है कि आपको काम से सम्बंधित तनाव झेलना पड़ेगा

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची): आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है ।अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दोस्ती, प्यार, लिव इन और मर्डर

लाश ठिकाने लगाने के बाद एक ने की शादी, दूसरे ने शव को बेड में छुपाया, जहरीले रिश्ते को पहचानें

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। श्रद्धा वालकर और आफताब पूनावाला के केस की जांच अब तक चल रही है। इस घटना के बाद लिव इन पार्टनर की हत्या के कई मामले सामने आए। दिल्ली में निक्की यादव की हत्या उसके पार्टनर साहिल गहलोत ने गला घोंटकर कर दी। उसकी लाश को फ्रिज में छिपाया और शादी करने चला गया। महाराष्ट्र में हार्दिक शाह ने लिव-इन पार्टनर मेघा की गला घोटकर हत्या कर दी। बॉडी को बेड के अंदर छिपा दिया। इसके बाद उसने घर का फर्नीचर बेच दिया। वो मुंबई से राजस्थान भाग रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे एम में गिरफ्तार कर लिया। शादी के बंधन से छुटकारा पाने के लिए यंगस्टर्स लिव इन रिलेशनशिप को अपना रहे हैं। यही रिश्ता उन्हें सोसाइटी से दूर कर एक ऐसे मुकाम तक पहुंचा रहा है जहां से लौटना मुश्किल और नामुमकिन है।

इस खबर से जानेंगे कि लिव-इन में रहने वाली महिलाओं के कानूनी अधिकार क्या हैं, शुरू में प्यार से रहने वाले पार्टनर अचानक मारपीट करने लगे तो इस टॉक्सिक रिलेशनशिप से कैसे निकल सकते हैं।

बता दें कि लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर इंडियन सोसाइटी पॉजिटिव नहीं है। इसके बावजूद कई मौकों पर कोर्ट के फैसलों में लिव इन को लीगल अधिकार मिले। लिव इन रिलेशनशिप को लेकर कानून में काफी प्रावधान है। संविधान का आर्टिकल 21 लोगों को हक देता है कि वो अपना पार्टनर खुद चुन सकते हैं। पार्टनर हाथ उठाए या किसी तरह का वॉयलेंस करे तो डोमेस्टिक वॉयलेंस का चार्ज लगता है। लिव इन रिलेशनशिप से पैदा हुए बच्चे के पास शादी के बाद पैदा हुए बच्चों जितने ही अधिकार होते हैं। मगर लिव इन रिलेशनशिप में पैदा हुए बच्चे का एन्सेसट्रल प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार नहीं होता। अगर कपल बिल्कुल शादीशुदा कपल की तरह रह रहा है, जैसे बच्चे के स्कूल फॉर्म में माता-पिता की जगह उन दोनों का नाम लिखा है, तो इन्हें एक शादीशुदा कपल की तरह ही माना जाता है।

शादी के बाद पैदा हुआ बच्चा ही लेजिटिमेट या वैध बच्चा माना जाएगा। शादी के बाद पैदा हुए बच्चे का एन्सेस्ट्रिल प्रॉपर्टी पर भी हक होता है। पत्नी वाले कई अधिकार शादी के बाद ही मिलते हैं। जैसे अगर पति चीट करे तो पत्नी ही उस पर अडल्ट्री का केस कर सकती है और एलिमनी डिमांड कर सकती है। लिव इन पार्टनर ऐसा नहीं कर सकती। पति या पत्नी को ही अनुकम्पा की नौकरी और पेंशन का अधिकार होता है।

लिव इन में रहने वाले दो लोग ही समझ सकते हैं। आप ही समझ सकते हैं कि आपके रिश्ते में प्यार ज्यादा है या नफरत और लड़ाई-झगड़े। जब कोई आपके साथ फिजिकली और वर्बली

(मौखिक) मिसबिहेव करे, तो वो रिश्ता पक्के से टॉक्सिक होता है, लेकिन कुछ दूसरी और बहुत बारीक बातें भी होती हैं, जो टॉक्सिक रिश्ते का संकेत हैं। रिलेशनशिप में हो ये 8 दिक्कतें, तो समझ लें, ये टॉक्सिक हो चुका है। आप हर दिन खुद को अपमानित महसूस करें। रिश्ते में आपकी जरूरतें पूरी न हों। आपका पार्टनर आपको नहीं समझता हो। पार्टनर आपके ओपिनियन हमेशा गलत बताता हो। पार्टनर के साथ रहते हुए भी आपको गुस्सा और निराशा महसूस हो। आपको अपना पार्टनर मतलबी लगता हो। आपकी पर्सनल बातें वो दूसरों से शेयर करके मजाक उड़ाता हो। आपका पार्टनर आपको हर बात के लिए दोष देता हो

किसी के टॉक्सिक होने के पीछे 3 तरह की साइकोलॉजी है।

डरः आपको यह डर सताने लगता है कि अचानक आप अकेले हो जाएंगे, यह अकेलापन आपको दर्द देगा। आत्मसम्मानः आपके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचती है। लगता है कि अब कोई आपके साथ रिश्ता नहीं रखेगा। गिल्टः आप रिश्ते के बीच कमी को सोच-सोचकर गिल्ट में चले जाते हैं। कुछ केस में आपको यह भी लगता है कि आपका पार्टनर आपके बिना रह नहीं पाएगा। ताजा मामले में निक्की को पता चला कि साहिल उसके साथ रिलेशनशिप में होने के बावजूद शादी कर रहा है। इस तरह के मामले में लीगली क्या ऑप्शन्स होते हैं और इस तरह के पार्टनर से खुद को कैसे अलग करें? लिव इन रिलेशनशिप में अगर पार्टनर चीट करता है तो दूसरे के पास कोई लीगल राइट्स नहीं होते। इसमें सबसे बेहतर विकल्प पार्टनर से अलग हो जाना है। लिव इन में आने से पहले उसके नुकसान भी समझ लें।

साथ रहना शुरू कर देंगे तो उसके बाद अगर ब्रेकअप होता तो वह बहुत मुश्किल होगा। लिव इन में चीटिंग के चांसेज ज्यादा होते हैं क्योंकि शादी की तरह इसमें पार्टनर्स के पास सामाजिक राइट्स नहीं होते। परिवार और समाज का कोई सपोर्ट नहीं होता। लिव इन में पैदा हुए बच्चों को घर-परिवार का प्यार नहीं मिल पाता है।

भारत में लिव इन को लेकर सोशल एक्सेप्टेंस नहीं है। ऐसे में कई युवा इसे घरवालों और समाज से छिपाते हैं। ऐसे में वो लोग अपनी सेफ्टी कैसे सुनिश्चित करें? लिव इन रिलेशनशिप में आने से पहले अपनी सेफ्टी और किसी तरह के डिस्प्यूट से बचने के लिए कपल्स एक लीगल एग्रीमेंट कर सकते हैं। वो कई चीजें जैसे -

घर के खर्चे में किसकी कितनी हिस्सेदारी होगी। घर के काम में कौन कितना सहयोग देगा। दोनों में से एक की मृत्यु हो जाए तो साथ खरीदी गई संपत्ति या पार्टनर की संपत्ति का क्या होगा। अगर प्रेग्नेंसी होती है तो बच्चे का पालन कैसे होगा। लिव में रहने वाले कपल्स को किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है? लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे कपल्स ये चैलेंजेस फेस करते हैं।

आज भी लिव इन को भारतीय समाज में स्वीकार नहीं किया जाता। लोगों को लगता है कि एक कपल सिर्फ शादी के बाद ही साथ रह सकता है। लिव इन कपल्स को अपना रिलेशनशिप सीक्रेट रखना पड़ता है। क्योंकि लिव इन कपल्स समाज में स्वीकार नहीं किया जाता, इसलिए उन्हें साथ रहने के लिए घर ढूंढने में दिक्कत होती है। ऐसे कपल्स के बीच कई बार फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स की वजह से विवाद होता है। लिव इन में रहने वाले कपल्स की जिंदगी से मी टाइम लगभग खत्म हो जाता है। कई बार फीमेल पार्टनर के प्रेग्नेंट होने के बाद मेल पार्टनर्स उन्हें छोड़ देते हैं।

पहली बार 1978 में लिव रिलेशनशिप को कानून से मिली थी मान्यता। 1978 में बद्री प्रसाद बनाम डायरेक्टर ऑफ कंसोलिडेशन के केस में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता दी थी। यह माना गया था कि शादी करने की उम्र वाले लोगों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप किसी भारतीय कानून का उल्लंघन नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई कपल लंबे समय से साथ रह रहा है, तो उस रिश्ते को शादी ही माना जाएगा।

इस तरह कोर्ट ने 50 साल के लिव-इन रिलेशनशिप को लीगल ठहराया था।

युवकों ने 16 साल की लड़की को छत से धक्का दिया, मौत

पुलिस ने दो को हिरासत में लिया

धनबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद में एक 16 साल की लड़की की छत से गिरकर मौत हो गई। आरोप है कि चार युवकों ने उसे कथित तौर पर छत से धक्का दे दिया, जिससे वह चार मंजिला अपार्टमेंट से नीचे गिर गई। पुलिस के मुताबिक, यह घटना बरवड्डा पुलिस स्टेशन के भेलातंड इलाके में बुधवार शाम 5.30 से छह बजे के बीच हुआ। पीड़िता की मां ने मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। बताया गया है कि इनमें दो युवक उसी बिल्डिंग में रहते हैं, जहां लड़की रहती थी। इस एफआईआर के आधार पर पुलिस ने बुधवार रात को ही दो युवकों को हिरासत में ले लिया। पीड़िता धनबाद के ही एक कॉन्वेंट स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा थी।

पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि अपार्टमेंट में ही रहने वाला एक लड़का, जो कि उनकी बेटी का सीनियर था, अक्सर उससे बात करता दिखता था।

लड़की की मां ने शिकायत में कहा कि उन्होंने इसे लेकर अपनी बेटी को डांटा था और चेतावनी दी थी कि वह उस लड़के से बात न करे। लेकिन बुधवार शाम को वह लड़की एक बार फिर लड़के के किसी दोस्त के साथ अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर बात करती दिखाई दी।

पुलिस के पास ये बड़े सवाल?

पुलिस का कहना है कि पीड़िता का परिवार अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर रहता है, जबकि लड़की अपार्टमेंट की छत से धकेली गई है। छत से एक कुर्सी भी बरामद हुई है। वहां यह कुर्सी कैसे पहुंची और कौन लेकर गया? छत पर कितने लोग मौजूद थे? पुलिस इस बात की जांच कर रही है। पुलिस ने छत और लिफ्ट से कुछ फिंगर प्रिंट्स भी जुटाए हैं।

जिले की बाल कल्याण समिति के प्रमुख उत्तम मुखर्जी ने कहा कि कमेटी ने इस मामले का संज्ञान लिया है और घटनास्थल की जांच के बाद ही इस पर कोई टिप्पणी की जाएगी।

रिटायर्ड अफसर के घर में घुसकर हमला

चाकू से पत्नी के हाथ का पंजा कटकर अलग हुआ, 15 साल की नातिन को भी मारा

बिलासपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नकाबपोश बदमाशों ने बुधवार देर शाम घर में घुसकर बीएसएनएल के रिटायर्ड अफसर और उनकी पत्नी पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने चाकू दिखाकर उनसे गहने और रुपये मांगे। मना करने पर चाकू से वार कर दिया। इसके चलते उनकी पत्नी के हाथ का पंजा कटकर अलग हो गया। शोर सुनकर उनकी 15 साल की नातिन पहुंची तो बदमाशों ने उस पर भी चाकू के बट से वार किया। चीख-पुकार सुनकर बदमाश वहां से भाग निकले। घायल अफसर और उनकी पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, नेहरू नगर निवासी राधेश्याम चौकसे बीएसएनएल के रिटायर्ड अफसर हैं। वह अपनी पत्नी सीता चौकसे और 15 साल की नातिन विदुषी के साथ रहते हैं। बुधवार देर शाम करीब 8 बजे उनके घर में दो

नकाबपोश बदमाश चाकू लेकर घुस गए। बदमाशों ने बुजुर्ग दंपति को चाकू दिखाते हुए गहने और रुपये मांगे। उन्होंने इनकार किया तो बदमाशों ने चाकू से दोनों पर हमला कर दिया। दोनों बुजुर्ग घायल होकर वहीं गिर पड़े। चाकू से वार के चलते सीता चौकसे के हाथ का पंजा कटकर अलग हो गया। शोर सुनकर उनकी नातिन पहुंची तो बदमाशों ने उस पर भी वार किया।

चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर बदमाश वहां से भाग निकले। इसके बाद पड़ोसी पहुंचे और उन्होंने घायल दंपति को पास के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। फिर उन्होंने ही पुलिस को सूचना दी। पुलिस के साथ ही डॉग स्क्वाड भी मौके पर पहुंच गया।

इस दौरान पूछताछ कर जानकारी जुटाई जा रही है। आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से पुलिस को दिक्कत हो रही है। फिलहाल दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर पुलिस जानकारी जुटाने में लगी है। इस संबंध में नातिन से भी पूछताछ की गई। हालांकि बदमाशों के लूट के लिए आने को लेकर पुलिस को संदेह है।

चोरों ने घर में लगाई आग, सामान खाक

शादी में गया शिक्षक लौटा तो निकल रहा था धुआं, गहने-रुपये हो चुके थे चोरी

कोरबा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में चोरों ने एक शिक्षक के मकान में चोरी करने के बाद आग लगा दी। शिक्षक जब घर लौटा तो धुआं निकल रहा था और सारा सामान खाक हो चुका था। अलमारी का लॉकर भी टूटा था और उसमें रखे सोने-चांदी के गहने, डेबिट कार्ड, बैंक पासबुक व रुपये गायब थे। इसके बाद शिक्षका ने पुलिस को सूचना दी। शिक्षक शादी समारोह में शामिल होने के लिए दूसरे गांव गया था। फिलहाल इसमें गांव के ही व्यक्ति पर चोरी का संदेह जताया जा रहा है। मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम पताड़ी निवासी शिक्षक गेंदराम कुर्रे ग्राम फुलसरी के हाईस्कूल में शिक्षक है। वह अपने परिजनों को एक शादी समारोह में छोड़ने के लिए पास के गांव में गया था। वहां से कुछ घंटे बाद लौटा तो देखा कि उसके घर में आग लगी है और धुआं निकल रहा है। इस पर उसने आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। घर के अंदर गया तो सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। वहीं अलमारी का लॉकर टूटा था। उसमें रखे गहने और 95 हजार रुपये गायब थे। शिक्षक गेंदराम कुर्रे ने बताया कि परिवार में शादी कार्यक्रम था। पूरा परिवार समारोह में शामिल होने गया था। कुछ घंटे बाद जब लौटे दो घर में धुआं उठ रहा था। अंदर जाकर देखा तो पीछे का दरवाजा टूटा था और अलमारी से रकम समेत सोना चांदी के जेवरात चोरी हो गए थे। शिक्षक गेंदराम को आशंका है कि गांव के ही असमाजिक तत्वों ने वारदात को अंजाम दिया है। थाना प्रभारी सनत सोनवानी ने बताया कि घटना की सूचना पर जांच कार्यवाही करते हुए पूछताछ की जा रही है।

बीजेपी नेताओं की हत्या की जांच करेगी एनआईए!

डीजीपी ने लिखा पत्र, कहा- इलाका सिकुड़ने से बौखलाहट में नक्सली

रायपुर/जगदलपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में छह दिनों में तीन भाजपा नेताओं की हत्या को लेकर अब राज्य सरकार एनआईए जांच कराना चाहती है। इसको लेकर डीजीपी अशोक जुनेजा ने एनआईए को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि नक्सलियों का इलाका लगातार सिकुड़ रहा है। केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य पुलिस के प्रयास से विगत वर्षों में नक्सली उन्मूलन में सफलता मिली है। इससे नक्सली बौखलाहट में जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। कहा कि, राज्य सरकार भयमुक्त शासन व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ की

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार भयमुक्त एवं विधिसम्मत शासन व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने पुलिस के संवेदनशील रवैये के साथ नक्सलवादियों के आत्मसमर्पण के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि

विकास, विश्वास और सुरक्षा की रणनीति के कारण ही प्रदेश में नक्सली हिंसा की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगी है। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य में पिछले चार वर्षों में नक्सली उन्मूलन को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

पिछले साल 46 नक्सली मारे गए, 555 ने किया सरेंडर

बीते वर्ष सरकार के द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर और छत्तीसगढ़ पुलिस के संवेदनशील व्यवहार के कारण 555 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया है जो एक बड़ी सफलता है। इसी दौरान 46 नक्सलवादियों की पुलिस मुठभेड़ में मौत भी हुई है। बीते चार वर्षों में नक्सल पीड़ित क्षेत्रों में 900 से अधिक परिवारों को मुकदमों से मुक्ति दिलाई जा चुकी है जो सरकार की आदिवासियों के हित में दूरदर्शी सोच और पुलिस की संवेदनशीलता से संभव हो पाया है। बस्तर को लेकर चार वर्ष पहले तक देश में कई भ्रांतियां थीं, लेकिन सरकार ने सुरक्षा और विश्वास को लेकर कार्य किया है। इस दौरान बस्तर क्षेत्र में विकास के कार्य हुए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बंद पड़े स्कूलों को फिर से प्रारंभ किया गया, नए अस्पताल खोले गए, ग्रामीणों के लिए पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गयीं। प्रत्येक गांव में राशन दुकान खोले गए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को वन अधिकार पट्टों का वितरण किया गया है और आदिवासियों को उनकी जमीनें वापस कराई गई है।

काला जादू करने के शक में तीन लोगों की हत्या की गई थी

रांची, 16 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा की एक अदालत ने कालू जादू करने के संदेह में एक परिवार के तीन लोगों की हत्या करने के आरोपी पांच लोगों को मौत की सजा सुनाई है। 8 नवंबर, 2021 को बंदगांव थाना क्षेत्र के पोडोंगेयर गांव में सलीम धंगा, उसकी पत्नी बेलांगी और बेटी राहिल की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विश्वनाथ शुक्ल ने इस मामले में मारकस दहंगा, इलियास दहंगा, केम्बा दहंगा, दाउद दहंगा और इलियास दहंगा उर्फ बांका बांकू को हत्या कर शवों को कारो नदी के किनारे दफनाने के मामले में दोषी करार दिया। पुलिस के अनुसार घटना से कुछ दिन पहले मारकस दहंगा की बेटी की बीमारी से मौत हो गई थी। इसके लिए वह और उसके दोस्त सलीम के परिवार को जिम्मेदार मानते थे। उन्हें लगता था कि उन्होंने कालू जादू कर उसकी बेटी की जान ली है। इसी संदेह में उन्होंने तिहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। अदालत ने दोषियों पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

पलामू हिंसा में सियासत शुरू, भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने दी चेतावनी

ओवैसी ने संघ पर लगाए आरोप

पलामू, 16 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि से पहले तोरणद्वार बनाने के विवाद को लेकर बुधवार को झारखंड के पलामू जिले के पांकी में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी। दोनों समुदायों के बीच पत्थरबाजी हुई और मारपीट हुई। एक मकान, दो बाइक और दो दुकान आग के हवाले कर दिए गए। अब ताजा जानकारी है कि आज यानी गुरुवार को भी हालात तनावपूर्ण हैं और धारा 144 अभी भी लागू है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं इस मामले पर अब सियासत शुरू हो गई है। भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर उचित कार्रवाई नहीं होती है तो आमरण अनशन करेंगे। वहीं ओवैसी ने इस मामले में संघ को दोषी ठहराया है।

देवघर में झारखंड सरकार द्वारा धारा 144 लगाए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यह 'बाबा की नगरी' है। यह 'शिव बरात' उनके सभी अधिकारियों के विनाश का मार्ग है। यहां किसी का

अहंकार काम नहीं करता। मेरा मानना है कि यही हेमंत सोरेन के पतन का मार्ग है। उन्होंने कहा कि देवघर भगवान शिव की भूमि है। देवघर का अर्थ है कि वह यहां के कण-कण में निवास करते हैं। हजारों सालों से यहां 'शिव बारात' निकाली जा रही है। भगवान शिव की नगरी में 'शिव बारात' नहीं निकाली तो और कहां निकाली जाएगी? मक्का और वेटिकन में?

पलामू के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) राज कुमार लाकड़ा ने बताया कि झड़प एक विवाद के बाद हुई। उस विवाद में आगामी शिवरात्रि उत्सव के लिए स्थापित स्वागत द्वार को नुकसान पहुंचाने को लेकर ईंट-पत्थरबाजी और एक-दूसरे पर लाठियों से हमला किया गया। आईजीपी ने बताया कि दोनों समुदाय के कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

आरोप है कि तोरण द्वार लागने के दौरान पास की मस्जिद से पत्थर फेंके गए। जिसके बाद पत्थरबाजी शुरू हुई। कई दुकानों में तोड़फोड़ की गई। पत्थरबाजी में कुछ पुलिसकर्मियों के भी घायल होने की खबर है। डीसी पलामू के मुताबिक, पूरे क्षेत्र में इंटरनेट सेवा भी बंद कर दी गई है। बताया जा रहा है कि पेट्रोल बम से भी हमला किया गया। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की। कई दुकानों में आगजनी भी की गई।

हालात को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया।

पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया है। कई अधिकारी इलाके में ही कैंप कर रहे हैं। दोनों पक्षों से बातचीत की जा रही है। फिलहाल हालात तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में हैं।

मंडी पर टैक्स के खिलाफ विरोध

जमशेदपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मंडी पर दो प्रतिशत टैक्स लगाए जाने के विरोध में बुधवार को थोक, खुदरा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। इसके चलते राशन से लेकर फलों तक का कारोबार प्रभावित हुआ है। परसुडीह बाजार समिति के सभी गोदाम और दुकानें बंद रहीं। आलू प्याज के थोक कारोबारी ने अपनी दुकानों को बंद रखकर विरोध जताया। दुकानों और गोदाम बंद रहने से शहर के लोगों को आटा, चावल और अन्य रोजमर्रा के सामान खरीदने में थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। कई जगहों पर बंद समर्थकों ने खुली दुकानों को बंद करा दिया। व्यापार मंडल के महासचिव करण ओझा के मुताबिक, बुधवार की बंद से लगभग 15 करोड़ का काराबोर प्रभावित हुआ है। कारोबारियों ने बाजार समिति पर दो प्रतिशत टैक्स लगाने के सरकार के निर्णय को वापस लेने की मांग की है। खाद्यान्न के थोक व्यापारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से माल का उठाव और आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गया है। हड़ताल जारी रही तो खुदरा दुकानों में स्टॉक की कमी होने लगेगी। मंडी टैक्स के खिलाफ सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स के बैनर तले कारोबारियों के उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठे।

झारखंड से ट्रेन में जालंधर आई अफीम की सप्लाई

पुलिस ने 8 किलो नशे संग युवक पकड़ा, सूचना के बाद की थी नाकाबंदी

जालंधर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब की जालंधर पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सेल के हाथ बड़ी सफलता लगी है। झारखंड से ट्रेन के माध्यम से आई नशे की बड़ी खेप पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। ट्रेन से उतर कर अफीम की सप्लाई देने जा रहे एक शख्स को एंटी नारकोटिक्स सेल ने पकड़ा है। पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके कब्जे ले 8 किलोग्राम अफीम बरामद की है।

पकड़े गए व्यक्ति की पहचान राम चरण निवासी गदेर (छतरा) झारखंड के रूप में हुई है और उसकी उम्र अभी 24 साल है। यह युवक खुद अफीम खरीद कर बेचने के लिए नहीं आया था बल्कि यह कैरियर का काम करता है। झारखंड में बैठे तस्कर से सप्लाई लेकर जालंधर पहुंचा था, लेकिन आगे पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सेल के हत्थे चढ़ गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि झारखंड से नशे की खेप लेकर आ रहे युवक के बारे में एंटी नारकोटिक्स सेल को सूचना मुखबिर के माध्यम से मिली थी। मुखबिर ने पुलिस के

एंटी नारकोटिक्स सेल को बताया था कि ट्रेन में झारखंड से अफीम की सप्लाई आ रही है।

अफीम की इतनी बड़ी कॉमर्शियल मात्रा में खेप मिलने के बाद एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज इंद्रजीत सिंह ने तुरंत प्रभाव से अपने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। एनडीपीएस एक्ट के प्रावधान अनुसार मौके पर गजेटेड अफसर के तौर पर एसीपी परमजीत सिंह को बुलाया गया। उनके और गवाहों के सामने पकड़ी गई अफीम का मापतोल कर सील किया गया।

पहले भी पकड़े गए हैं बड़ी खेपों के साथ झारखंड के तस्कर

जालंधर में नशे की सप्लाई किसी आस-पड़ोस के राज्य से नहीं बल्कि झारखंड से आ रही है। कुछ ही महीनों के दौरान पांचवां अफीम तस्करी का बड़ा मामला पकड़ा गया है। जिसमें सप्लाई झारखंड से आई है। तीन महीने पहले पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से करीब पांच किलो अफीम बरामद की गई थी।

इससे पहले झारखंड के ही एक युवक को मकसूदां में भगत सिंह कॉलोनी के पास वाई पॉइंट पर पौने तीन किलो अफीम के साथ पकड़ा था।

यह युवक पहले जालंधर में दिहाड़ीदार का काम करता था, लेकिन वह झारखंड के तस्करों के संपर्क में आ गया और अफीम की सप्लाई जालंधर लाने लगा था।

टाटा के लग्जरी होटल में महीनों बातचीत

गोवा-केरल के सीफूड की दावत में मुहर

लंदन, 16 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा ने एयर इंडिया के लिए फ्रांस की कंपनी एयरबस से 250 और अमेरिकी कंपनी बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट खरीदने का सौदा किया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील है। एयरबस से समझौते पर दस्तखत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों मौजूद थे। वहीं, बोइंग से डील पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने इससे उनके देशों में लाखों नौकरियां पैदा होने की बात कही।

इस मेगा डील की जानकारी मंगलवार से पहले किसी को नहीं थी। तो क्या इतना बड़ा सौदा अचानक हो गया? न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने दावा किया है कि टाटा, एयरबस और बोइंग के एक्सपर्ट्स पिछले कई महीनों से सीक्रेट मीटिंग्स में सौदे की हर बारीकी पर बात कर रहे थे। पूरी बातचीत लंदन के एक लग्जरी होटल में चली। सौदे पर मुहर भी उसी होटल के फाइन डाइन रेस्टोरेंट में गोवा और केरल से लाए गए इंडियन सीफूड के डिनर के दौरान लगी।

वेस्ट लंदन में बने फाइव स्टार होटल सेंट जेम्स कोर्ट को टाटा ग्रुप ताज ब्रांड के तहत ऑपरेट करता है।

टाटा का विक्टोरियन फाइव स्टार होटल बना डील सेंटर

लंदन के पश्चिमी हिस्से में शाही परिवार के निवास यानी बकिंघम पैलेस के पास ही मौजूद है प्रसिद्ध विक्टोरियन लक्जरी होटल सेंट जेम्स कोर्ट। यह फाइव स्टार होटल टाटा ग्रुप का है। रायटर्स के मुताबिक, टाटा, एयरबस और बोइंग के साथ प्लेन के इंजन बनाने वाली रोल्स रॉयस के एक्सपर्ट कई महीनों तक इसी होटल के रूम्स और सुइट्स में ठहरे थे। इससे दिन से देर रात तक चलने वाली मीटिंग्स में हर पार्टी वक्त पर मौजूद रही।

लग्जरी इंडियन रेस्टोरेंट में समझौते पर मुहर

इस डील से जुड़े रहे एक व्यक्ति ने रॉयटर्स को बताया कि महीनों के नेगोशिएशन पर मुहर सेंट जेम्स कोर्ट के इंडियन रेस्टोरेंट 'क्विलोन' में डिनर के दौरान लगी। यह रेस्टोरेंट लंदन में भारत के गोवा और केरल जैसे तटीय क्षेत्रों से लाए जाने वाले सीफूड परोसने के लिए जाना जाता है। रॉयटर्स के मुताबिक डिनर के दौरान हुई फाइनल मीटिंग में टाटा, बोइंग, एयरबस और रोल्स रॉयस समझौते की शर्तों पर राजी हुई थीं।

इस डील से जुड़े रहे एक अफसर ने रॉयटर्स को बताया कि एयर इंडिया के चीफ कॉमर्शियल एंड ट्रांसफॉर्मेशन ऑफिसर निपुण अग्रवाल के साथ एयरक्राफ्ट एक्विजिशन के चीफ योगेश अग्रवाल कई बार देर रात तक बोइंग और एयरबस के अफसरों से चर्चा करते थे। इन मीटिंग्स में

टाटा और बोइंग-एयरबस के बीच सौदे की इनसाइड स्टोरी

टाटा के अफसर कंपनियों से उनका बेस्ट ऑफर पेश करने को कहते थे। अफसर ने बताया कि इससे टाटा ग्रुप को बड़ा फायदा पहुंचा।

इस मीटिंग के दौरान मौजूद रहे एक व्यक्ति ने कहा- पूरी डील के हर पॉइंट पर एयर इंडिया की तरफ से कड़ा मोलभाव हुआ। उनके पास एविएशन का बड़ा अनुभव नहीं था, लेकिन टाटा की टीम बेहद शार्प है। कारोबार के लिहाज से देखा जाए, तो उन्होंने इंडस्ट्री के मंझे हुए खिलाड़ियों से भी बेहतर काम करके दिखाया है।

डील का ऐलान करने के लिए भी प्लानिंग हुई

इस डील को लेकर बातचीत में शामिल लोगों के अलावा बेहद चुनिंदा ऑफिशियल्स को इस बारे में जानकारी थी। 14 फरवरी को जब डील का ऐलान हुआ तो ज्यादातर देश और लोग हैरान थे। डील के ऐलान का वर्चुअल इवेंट ऑर्गनाइज किया गया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में इस पर दस्तखत हुए।

शाम होते-होते पीएम मोदी के पास बाइडेन और ऋषि सुनक का फोन भी आ गया। हर कोई 'विन-विन' सिचुएशन इन्जॉय कर रहा था। हालांकि, डील के सबसे बड़े प्लेयर टाटा ग्रुप ने इसे ज्यादा हाइप नहीं दिया। ग्रुप की तरफ से एक रिलीज में डील की जानकारी भर दी गई।

कारोबारी समझौते में नेताओं की मौजूदगी क्यों

'रॉयटर्स' के मुताबिक, इस मेगा डील से जो देश जुड़े हैं, वे सभी जी20 के मेंबर हैं। भारत इस साल जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। दुनिया का हर बड़ा लीडर साल के आखिर में भारत में मौजूद रहेगा। उस दौरान ग्लोबल इकोनॉमीज में भारत अपने रुतबे और दबदबे का अहसास कराएगा।

यह डील डिप्लोमैसी के लिहाज से भी बेहद अहम है। बोइंग (अमेरिका) और एयरबस (फ्रांस) के साथ इसें रोल्स रायस (ब्रिटेन) भी शामिल है। इससे भारत ने एक साथ दुनिया के तीन ताकतवर मुल्कों को साध लिया है। डील की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने कहा- डील में हर चीज और उसकी अहमियत की जांच-परखा के बाद ही फैसला लिया गया। इसके लिए पॉलिटिकल विल यानी राजनीतिक इच्छाशक्ति भी बहुत जरूरी थी।

सौदे से बोइंग और एयरबस दोनों को फायदा

यह डील पक्की होने के बाद अमेरिका की बोइंग कंपनी की भारत में पकड़ ज्यादा मजबूत होगी। नुकसान में एयरबस भी नहीं है, क्योंकि एअर इंडिया को वह अपने वाइड बॉडी एयरक्राफ्ट बेचने में कामयाब रही है। दुनिया में अमेरिका की बोइंग और फ्रांस की एयरबस के बीच ही असली मुकाबला है।

डील के दौरान मुकदमे से जूझ रही थी एयरबस

इस समझौते के दौरान एयरबस एक बड़े कानूनी मामले से भी जूझ रही थी। दिसंबर 2022 में एअर इंडिया से एयरक्राफ्ट खरीदी पर आखिरी दौर की बातचीत के दौरान ही होटल से सिर्फ तीन किलोमीटर दूर मौजूद कोर्ट में उसका कतर एयरवेज के साथ ए350 विमान के सौदे को लेकर केस चल रहा था। बाद में दोनों में समझौता हो गया था।

इन्वेस्टमेंट की वजह रिकॉर्ड डेली पैसेंजर ट्रैफिक

भारत का डेली पैसेंजर ट्रैफिक 4.07 लाख पैसेंजर्स के कोविड से पहले के रिकॉर्ड को पार कर गया है। 12 फरवरी को इंडियन एयरपोर्ट्स पर 4.37 लाख पैसेंजर मूवमेंट देखा गया। ये दिखाता है कि किराया बढ़ने के बावजूद एयर ट्रैवल की डिमांड बढ़ रही है। भारत में 131 ऑपरेशनल एयरपोर्ट हैं और सरकार कनेक्टिविटी को बूस्ट देने के लिए इसे बढ़ाने का प्लान बना रही है। इन्हीं कारणों से एअर इंडिया इतना बड़ा इन्वेस्टमेंट कर रही है।

अमेरिकन आर्मी का हेलिकॉप्टर क्रैश

पायलट समेत 2 की मौत, जमीन पर गिरते ही हेलिकॉप्टर में लगी आग

अलबामा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के अलबामा में एक ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। हेलिकॉप्टर अलबामा-टेनेसी बॉर्डर के पास हाईवे 53 पर हंट्सविल शहर से करीब 10 मील की दूरी पर क्रैश हुआ।

जानकारी के मुताबिक, ये टेनेसी नेशनल गार्ड का यूएच-60 हेलिकॉप्टर था जो रूटीन ट्रेनिंग पर था। मैडिसन के पुलिस अधिकारियों को अमेरिकी समय के मुताबिक करीब 3 बजे 911 पर हादसे की सूचना मिली।

क्रैश होने के बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई जिससे किसी को बचाया नहीं जा सका। हालांकि, हेलिकॉप्टर क्यों क्रैश हुआ, इसकी अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है। नेशनल गार्ड के अधिकारी ने कहा कि बाकी मिलिट्री एयरक्राफ्ट की तरह ही इस हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की भी जांच की जाएगी। हादसे को देखते हुए इलाके में ट्रैफिक व्यवस्था रोक दी गई है।

यूएच-60ए ब्लैक हॉक यूएस आर्मी का हेलिकॉप्टर है जो एक बार में हथियारों सहित 11 सैनिकों को ले जा सकता है। इसकी अधिकतम क्षमता 14 सैनिकों की है। हालांकि, कम हथियार होने पर ये 20 सैनिकों को भी ले जाने में सक्षम है। इसमें 3 क्रू मेंबर्स की जरूरत होती है, जिसमें एक पायलट, एक को-पायलट और एक क्रू चीफ शामिल हैं।

पिछले साल 15 अगस्त को अमेरिकी सेना ने अफगानिस्तान छोड़ते वक्त करोड़ों रुपए के हथियार और हेलिकॉप्टर भी वहां छोड़ दिए थे। शनिवार को इनमें से ही एक ब्लैकहॉक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तालिबान के कुछ आतंकी इस पर सवार थे और यह ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है।

अमेरिका के डलास में एयर शो के दौरान सेकेंड वर्ल्ड वॉर के 2 प्लेन टकरा गए। एयर फोर्स ने कहा- दोनों विमानों में 6 लोग मौजूद थे। सभी की मौत हो गई। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने कहा- इस हादसे में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान इस्तेमाल किए गए 2 प्लेन क्रैश हो गए। अमेरिका के नेवादा स्टेट में एक जेट क्रैश हो गया।

खदान में ब्लास्टिंग से छात्रा की मौत

एक किमी दूर खड़ी लड़की के सिर पर लगा ब्लास्टिंग से उछला पत्थर, सिर के उड़े चीथड़े

जशपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। जशपुर जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र में हेवी ब्लास्टिंग से उड़े पत्थर ने एक छात्रा की जान ले ली। बुधवार शाम को मयाली पत्थर खदान में पत्थर तोड़ने के लिए ब्लास्टिंग की गई थी, लेकिन ये विस्फोट इतना तेज था कि पत्थर का एक बड़ा टुकड़ा खदान से 1 किलोमीटर दूर खड़ी एक छात्रा के सिर पर जा लगा। इससे उसके सिर के चीथड़े उड़ गए। इधर घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश कलेक्टर ने दिए हैं, वहीं पत्थर खदान के मैनेजर संजीव कुमार पांडेय को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। कलेक्टर ने अभय कुमार सोनी के खदान को तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मयाली में स्थित एक पत्थर खदान में बुधवार शाम 4.30 बजे पत्थर तोड़ने के लिए बारूदी विस्फोट किया जा रहा था। इसी दौरान अपनी सहेली से मिलकर घर की ओर वापस लौट रही ग्राम खटंगा निवासी केसरी बाई (18 वर्ष) के सिर पर विस्फोट से उड़ा एक पत्थर का बड़ा टुकड़ा आ कर लगा। छात्रा का सिर फट जाने से बहुत अधिक मात्रा में खून बह गया। उसे अस्पताल ले जाने का भी मौका नहीं मिल सका और घटनास्थल पर उसकी तत्काल ही मौत हो गई। छात्रा केसरी खटंगा स्कूल में ही 12वीं कक्षा की छात्रा थी। वहीं उसकी सहेली की जान बाल-बाल बच गई। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा। एसपी डी रविशंकर ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने पत्थर खदानों को हमेशा के लिए बंद करने की मांग की है। हालांकि ग्रामीणों की ये मांग कोई पहली बार नहीं है। इस हादसे की आशंका पहले से ही ग्रामीणों को थी, इसी वजह से पहले भी कई बार विधायक और जिला प्रशासन को लिखित शिकायत कर खदानों को बंद करने की मांग की गई थी।

अब रूस ने कीव के ऊपर छोड़े छह घातक गुब्बारे

कीव, 16 फरवरी (एजेंसियां)। जासूसी गुब्बारों को लेकर अभी अमेरिका और चीन के बीच तनाव खत्म भी नहीं हुआ था कि अब रूस ने भी यूक्रेनी राजधानी कीव के ऊपर छह घातक गुब्बारे छोड़ दिए हैं। जेलेंस्की की सेना इस दौरान मुस्तैद दिखी और एक झटके में सभी गुब्बारों को मार गिराया। प्रशासन ने गुब्बारों में कॉर्नर रिफ्लेक्टर और टोही उपकरण लगे होने की आशंका जताई है। इस बीच यूक्रेनी वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने पुष्टि की है कि हवोई हमले के सायरन राजधानी में उड़ रहे गुब्बारों के कारण बज रहे थे। हाल के दिनों में तथाकथित जासूसी गुब्बारों के सुर्खियां बटोरने के बाद आया है जब अमेरिका ने चीन पर खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए उच्च ऊंचाई वाला गुब्बारा छोड़ने का आरोप लगाया था। गुब्बारों को लॉन्च करने का उद्देश्य संभवतः हमारी वायु सुरक्षा का पता लगाने और समाप्त करने के लिए था।

ओसामा का वफादार रहा सैफ अल-आदेल बना अलकायदा चीफ

अमेरिका ने इस पर रखा था, 82 करोड़ का ईनाम, ईरान से ऑपरेट कर रहा था

तेहरान, 16 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन की सिक्योरिटी काउंसिल ने सोमवार को रिपोर्ट जारी कर बताया है कि ओसामा बिन लादेन का वफादार सैफ अल आदेल अलकायदा का नया चीफ बन गया है। जो अभी ईरान से ऑपरेट कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक अयमान अल जवाहिरी की अमेरिका की तरफ से गई स्ट्राइक में मौत के बाद सैफ अल आदेल को चुना गया था। हालांकि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने से वहां की राजनीति में चल रही उठापटक के चलते अभी अल कायदा इसकी घोषणा करने से बच रहा है।

अमेरिका ने इस पर रखा था 82 करोड़ का ईनाम

रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान 2021 में सत्ता में आने के बाद इंटरनेशल लेवल पर अपनी स्वीकार्यता को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। जिसके चलते उसने अमेरिका के साथ एक एग्रीमेंट साइन किया था जिसमें लिखा गया था कि वो अपनी सरजमीं से किसी भी आतंकी संगठन को ऑपरेट नहीं करने देगा।

ऐसे में अगर अल कायदा सैफ अल आदेल को नया चीफ घोषित कर देता है तो इससे तालिबान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। चुंकि आदेल पर अमेरिका ने 82 करोड़ का ईनाम रखा था। साथ ही ये तंजानिया और केन्या में अमेरिकी दूतावासों पर हमले की साजिश रच चुका है।

ईरान में शियाओं के बीच रहने से भी आदेल की घोषणा में देरी

हालांकि कई यूएन सदस्यों का मानना है कि आदेल के काफी समय से ईरान में रहने के चलते अलकायदा उसके चीफ बनने पर चुप्पी साधे हुए है। इन सदस्यों का कहना है कि ईरान एक शिया बहुल देश है जिसकी कमान शिया क्लेरिक्स के हाथों में है। जबकि अलकायदा एक सुन्नी आतंकी संगठन है। जो शियाओं को आसानी से धर्म किए बदलावों के चलते उन्हें भ्रष्ट मानते हैं।

अल कायदा के एक्सप्लोसिव एक्सपर्ट सैफ अल आदेल का जन्म 1960 के दशक की शुरुआत में मिस्र में हुआ। माना जाता है कि

उसका असली नाम मोहम्मद सलाह अल-दीन जैदान है, लेकिन सैफ अल-आदेल नाम के पीछे एक कहानी है। सैफ अल-आदेल का अर्थ है 'सोर्ड ऑफ जस्टिस' यानी न्याय की तलवार। इसीलिए उसने अपना नाम बदला।

सैफ अल आदेल मिस्र की सेना में कर्नल रह चुका है। 1988 में मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर अल सादात की हत्या के बाद वह मिस्र छोड़ कर अफगानिस्तान में मुजाहिदीन के साथ सोवियत सेना को बाहर करने में जुट गया था। माना जाता है कि वह यहां से लेबनान गया। खारतूम के खाली खेतों में आतंकियों को विस्फोटक बनाने और इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग दी।

आदेल अल कायदा के मजलिस-ए-शूरा और मिलिट्री कमेटी का मेंबर है। उसने अफगानिस्तान, सूडान और पाकिस्तान में कई ट्रेनिंप कैंप भी चलाए। सोमालिया के रास कंबोनी में केन्या की सीमा के पास उसने ट्रेनिंग कैंप भी खोला था।

4 अक्टूबर 1993 का दिन था। अमेरिकी रेंजर्स और सोमालिया में अल कायदा से जुड़े मिलिशिया के बीच जबरदस्त युद्ध छिड़ा था। इस दौरान मिलिशिया लीडर जनरल आइदीद के लड़ाकों ने राजधानी मोगादिशु में दो अमेरिकी हेलिकॉप्टर गिरा डाले।

इसमें 18 अमेरिकी सैनिक मारे गए। इस दौरान अमेरिकी सैनिकों की लाशों के साथ भी क्रूरता की गई। लाशों को सड़कों पर घसीटा गया। इस घटना को 'ब्लैक हॉक डाउन' के नाम से भी जाना जाता है। इस हमले का मास्टरमाइंड सैफ अल आदेल ही था। आदेल ने ही विस्फोटक बनाने और मिसाइलों को गिराने की ट्रेनिंग दी थी।

अमेरिका में 9/11 हमले के लिए लादेन को मना किया था

अमेरिका में 9/11 हमले से पहले सैफ अल आदेल कंधार शहर का रक्षा प्रमुख था। आदेल ने अमेरिका में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले का विरोध किया था। हमले से ठीक 2 महीने पहले आदेल ने बिन लादेन को ऐसा न करने की सलाह दी थी।

पाकिस्तान में पेट्रोल रिकॉर्ड 272 रुपए लीटर

पिछले एक महीने में पेट्रोल 58 रुपए तो डीजल 53 रुपए महंगा, वजह आईएमएफ की एक शर्त

इस्लामाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। सरकार ने गुरुवार से पेट्रोल में 22 तो डीजल में 17 रुपए की बढ़ोतरी की है। आज से एक लीटर पेट्रोल अब 272 रुपए का तो एक लीटर डीजल 280 रुपए का हो गया है। इस तरह पिछले एक महीने में पेट्रोल 58 रुपए और डीजल 53 महंगा हुआ। 16 जनवरी को पेट्रोल की कीमत 214.80 रुपए तो डीजल की कीमत 227.80 रुपए थी।

पाकिस्तान के फाइनेंस डिवीजन ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की वजह पाकिस्तानी करेंसी (रुपए) में आई गिरावट को बताया है। जिओ न्यूज के मुताबिक, इस समय पाकिस्तान में विदेशी मुद्रा का भारी संकट है। इससे आयात और निर्यात पर असर पड़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। आईएमएफ (आईएमएफ) कर्ज नहीं दे रहा है। आईएमएफ ने कर्ज के लिए सख्त शर्तें रखी हैं। इनमें डीजल और पेट्रोल की कीमत में बढ़ोतरी भी शामिल है।

पाकिस्तान की शाहबाज सरकार ने पिछले हफ्ते ऐलान किया था कि सरकार आईएमएफ बेलआउट पैकेज को अनलॉक करने के लिए चार महीनों में 170 बिलियन पाकिस्तानी रुपए जुटाने

के लिए एक मिनी-बजट पेश करेगी। इसी के चलते पाकिस्तान की नेशनल एसेंबली में 15 फरवरी को एक बजट पेश किया। इसके तहत कई तरह के टैक्स में बढ़ोतरी की गई है। जिसका सारा भार महंगाई और भुखमरी की कगार पर पहुंच चुकी पाकिस्तान की जनता को उठाना होगा।

पाकिस्तान में केवल पेट्रोल ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाला केरोसिन, लाइट डीजल और हाई स्पीड डीजल के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं। इससे देश में महंगाई और भी ज्यादा बढ़ जाएगी। मूडी एनालिटिक्स के सीनियर इकोनॉमिस्ट कैटरिना एल के मुताबिक, इससे 2023 की पहली छमाही (जून तक) में पाकिस्तान में महंगाई दर बढ़कर 33% हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश की इकोनॉमी को वापस ट्रैक पर लाने के लिए आईएमएफ का लोन भी काफी नहीं रहेगा। आर्थिक तंगहाली से परेशान पाकिस्तान बेलआउट पैकेज को लेकर आईएमएफ के साथ कोई डील फाइनल नहीं कर पाया था। बेलआउट पैकेज को लेकर दोनों के बीच 10 दिनों से जारी बातचीत बेनतीजा रही थी। अब माना जा रहा है कि आईएमएफ को रिझाने के लिए पाकिस्तान धीरे-धीरे उसकी शर्तों को मान रहा है। इसका खामियाजा वहां की जनता को उठाना पड़ेगा।

पाकिस्तान को दिवालिया होने से बचाने के लिए आईएमएफ की तीसरी किश्त महीनों से अधर में लटकी हुई है। दरअसल पाकिस्तान का कहना है कि लोन देने के लिए आईएमएफ ने बहुत कड़ी शर्तें रखी हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने इन शर्तों को लेकर कहा था कि से हमारी सोच से भी ज्यादा सख्त और खतरनाक हैं, लेकिन क्या करें? हमारे पास कोई और चारा भी तो नहीं है।

आईएमएफ चाहता है कि पाकिस्तान सरकार इलेक्ट्रिसिटी और फ्यूल 60% महंगा करे। साथ ही टैक्स कलेक्शन दोगुना करने को कहा गया है। अगर सरकार यह शर्तें मान लेती है तो महंगाई अभी से करीब-करीब दोगुनी यानी 54 से 55% तक हो जाएगी।

10 फरवरी को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान के पास अब केवल 3 बिलियन डॉलर का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व बचा है। जो पिछले 9 सालों में सबसे कम है।ये रिजर्व पिछले 18 महीनों से लगातार घट ही रहा है। इससे पाकिस्तान के पास इंपोर्ट की जाने वाली चीजों के लिए पैसों की कमी हो रही है।

'रमन सिंह को जनता माफ नहीं करेगी'

मुख्यमंत्री बोले- उन्होंने जबरदस्ती जीएसटी मंजूर किया, हर साल 6000 करोड़ का नुकसान, पूर्व सीएम ने किया पलटवार

रायपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जीएसटी पर फिर से विवाद उभर गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस बार पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को निशाने पर लिया है। उन्होंने रमन सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने जबरदस्ती जीएसटी को स्वीकार कर लिया। इसकी वजह से प्रदेश को हर साल 6 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रबल इंजन' ने 2017 में केंद्र सरकार के दबाव में जीएसटी बिल पर ऐसी शर्तों के तहत स्वीकृति दे दी। जो पूरी तरह राज्य के हितों के विरुद्ध थी। उसका दुष्परिणाम है कि राज्य को 6000 करोड़ प्रतिवर्ष की क्षति हो रही है। रमन सरकार का यह अपराध क्षमायोग्य नहीं है, जनता कभी माफ नहीं करेगी। रायपुर हेलीपैड पर प्रेस से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, रमन सिंह की नाकामी के चलते हर साल छह हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है। जबरदस्ती उन्होंने जीएसटी को स्वीकार कर लिया। 2022 के बाद से जो जीएसटी की क्षतिपूर्ति है वह हमें मिलना नहीं है। रमन सिंह को छत्तीसगढ की जनता से इसके लिए माफी मांगना चाहिए कि हमारा छह हजार करोड़ प्रति वर्ष का नुकसान हो रहा है।

पेशावर से क्वेटा जा रही ट्रेन में ब्लास्ट

1 यात्री की मौत, 3 घायल

काबुल, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पेशावर से क्वेटा शहर जा रही जाफर एक्सप्रेस में गुरुवार को ब्लास्ट हुआ है। धमाके में 1 यात्री की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 3 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह धमाका तब हुआ जब ट्रेन चिचावतनी रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी।

यूपी के सुलतानपुर जंक्शन के दक्षिणी केबिन के पास गुरुवार सुबह दो मालगाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 4 लोग घायल हुए हैं, चारों ही ड्राइवर हैं।

इनकी हालत अब स्थिर है। वहीं, एक मालगाड़ी के करीब 6 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। हादसे के बाद लखनऊ-वाराणसी और अयोध्या-प्रयागराज रेलवे ट्रैक बाधित हुआ है।

यूपी के बांदा में बुधवार देर रात एक स्कॉर्पियो और एक बोलेरो में टक्कर हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हैं। यह दोनों गाड़ियां चित्रकूट के राजापुर में एक बारात में गईं थी। देर रात वहां से लौट रही थीं। दोनों गाड़ियां आगे पीछे चल रही थीं। तभी स्कॉर्पियो ने पीछे से बोलेरो को टक्कर मार दी।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात सैदपोरा इलाके में सेना और जम्मू-कश्मीर की संयुक्त टीम ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। टीम ने पहले भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश करने वाले ग्रुप को रोका। इस दौरान एक घुसपैठिए को ढेर भी कर दिया। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को उनके ऑफिस के बाहर अज्ञात लोगों को गोली मार दी। इससे सीए की मौत हो गई। मृतक की पहचान श्वेताभ तिवारी के रूप में हुई है। मुरादाबाद के एसएसपी हेमराज मीणा ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन रविवार को तुर्की के दौरे पर जाएंगे। तुर्किये और सीरिया में भूकंप के 10 दिन बाद मौतों का आंकड़ा 41 हजार के पार पहुंच गया था। दोनों देशों में अब भी राहत ओर बचाव कार्य जारी है। दोनों देशों में दुनियाभर से मदद भेजी जा रही है।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने फिजी में सोलराइजेशन ऑफ रेजिडेंस ऑफ पैसिफिक हेड्स ऑफ स्टेट' प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस दौरान फिजी के राष्ट्रपति रातू विलीमे कटोनिवेरी भी मौजूद रहे।

फिलीपींस के मस्बते में बुधवार-गुरुवार की रात भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 दर्ज की गई। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने इसकी जानकारी दी। हालांकि अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

मंत्री का कार्यालय मोहब्बत की दुकान में बदला

ऑफिस के बाहर लगाया बड़ा होर्डिंग, पोस्टर में गहलोत-पायलट आ रहे नजर

अलवर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिसंबर में राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा निकाली। अलवर के मालाखेड़ा में हुई सभा में राहुल गांधी ने कहा- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। मोहब्बत की दुकान का यह बयान सुर्खियों में रहा। अलवर के बाद राहुल गांधी ने इस बयान को कई बार कई जगह दोहराया। इसी बयान से प्रभावित होकर अलवर में मंत्री टीकाराम जूली ने अपने दफ्तर के बाहर बड़ा होर्डिंग लगवा लिया है। होर्डिंग पर लिखा है- मोहब्बत की दुकान।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अलवर में कैबिनेट मंत्री का कार्यालय मोहब्बत की दुकान में तब्दील हो गया है। अलवर शहर के मोती डूंगरी इलाके के आवास नंबर 21 के बाहर लगा यह बड़ा होर्डिंग अब चर्चा का विषय है।

पोस्टर पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा मोहब्बत की दुकान पढ़कर यहां आने वाले आम और खास चर्चा कर रहे हैं। पोस्टर पर राहुल गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के बड़े फोटो लगे हैं। साथ ही पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का भी छोटा फोटो नजर आ रहा है। पार्टी के कई अन्य नेताओं के फोटो भी छोटे हैं। कुछ विधायकों को भी पोस्टर में जगह मिली है।

मंत्री का कार्यालय शहर के बीचोंबीच है। पार्टी पर इस वक्त खेमेबाजी के आरोप लग रहे हैं। मंत्री टीकाराम जूली गहलोत गुट के नेता माने जाते हैं। लेकिन सचिन पायलट को लेकर उन्होंने कभी तीखी बात नहीं कही। हाल ही में उन्होंने 10 फरवरी को सचिन पायलट के पिता स्व. राजेश पायलट के जन्मदिन पर उन्होंने ट्वीट कर लिखा- जब तक गरीब किसानों और मजदूरों के बच्चे पढ़ लिखकर उन कुर्सियों पर नहीं बैठेंगे, जो देश की नीतियों को क्रियान्वित करती है, तब तक देश की तरक्की संभव नहीं है। किसानों के मसीहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट जी की जयंती पर उन्हें मेरा सादर नमन।

वर्तमान राजस्थान सरकार में टीकाराम जूली सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कैबिनेट मंत्री हैं। वे पहले श्रम विभाग (स्वतंत्र प्रभार), कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना राज्यमंत्री रह चुके हैं।

टीकाराम जूली 2004 में जिला परिषद् अलवर के पहली बार सदस्य बने और उसी समय सबसे कम उम्र के जिला प्रमुख भी रहे। अलवर ग्रामीण विधानसभा का 2008 में कांग्रेस पार्टी की ओर से उन्हें प्रत्याशी बनाया गया जिसमें वे जीते और 2013 तक विधायक रहे। 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को अच्छे परिणाम दिलाए और अलवर ग्रामीण विधानसभा से जीते।

विधानसभा में आज बजट बहस के जवाब में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कई बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। गहलोत चार बजे विधानसभा में बजट पर बहस का जवाब देंगे। बहस के जवाब में विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के साथ ही पिछले साल के बजट का पन्ना पढ़ने पर भी जवाब देंगे।विपक्ष ने इस मुद्दे को बजट बहस के दौरान प्रमुखता से उठाया है। पीएम मोदी ने दौसा के धनावड़ में हुई सभा में भी इस पर तंज कसा था, ऐसे में गहलोत आज सदन में इस मुद्दे पर सदन में अपनी तरफ से बयान देंगे।

बजट बहस के जवाब में बड़ी घोषणाएं करने की परंपरा रही है। हर बार घोषणाएं होती हैं, ऐसे में आज भी कर्मचारियों और आम लोगों से जुड़ी कुछ घोषणाओं के आसार हैं।

नए अस्पताल, स्कूल खोलने की घोषणाएं होंगी। बजट में छूटे हुए विकास कामों की स्थानीय स्तर की घोषणाएं भी होंगी। सबसे ज्यादा निगाह नई भर्तियों की घोषणा पर टिकी हुई है।

पायलट बोले- विधायकों ने किसके दबाव में दिए थे इस्तीफे?

कहा- सरकार लानी है तो राजस्थान कांग्रेस पर जल्द फैसला करना होगा

जयपुर/नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने के मामले में जिम्मेदार नोटिस देने तीन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई में देरी पर फिर सवाल उठाए हैं। पायलट ने गहलोत समर्थक विधायकों पर दबाव बनाने की पार्टी स्तर पर जांच करने का मुद्दा उठाया है। पायलट ने गहलोत गुट के विधायकों के दबाव में इस्तीफों के पीछे की वजह की जांच करने की मांग की है।

पायलट ने कहा- विधानसभा स्पीकर ने हाईकोर्ट में दायर हलफनामे में इसका उल्लेख किया गया है कि 81 विधायकों के इस्तीफे मिले और कुछ ने व्यक्तिगत तौर पर इस्तीफे सौंपे थे। हलफनामे में यह भी कहा गया कि कुछ विधायकों के इस्तीफे फोटोकॉपी थे और बाकी को स्वीकार नहीं किया गया क्योंकि वे विधायकों ने अपनी मर्जी से नहीं दिए गए थे। यह एक कारण था, जिसके आधार पर विधानसभा अध्यक्ष ने इस्तीफे अस्वीकार किए। पायलट ने कहा- ये इस्तीफे स्वीकार नहीं किए गए क्योंकि अपनी मर्जी से नहीं दिए गए थे। अगर वे अपनी मर्जी से नहीं दिए गए थे तो ये किसके दबाव में दिए गए थे? क्या कोई धमकी थी, लालच था या दबाव था। यह एक ऐसा विषय है, जिस पर पार्टी की ओर से जांच किए जाने की जरूरत है।

पायलट ने कहा- 'पिछले साल जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश की अवहेलना करने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई में बहुत ज्यादा देरी हो रही है। हमें अगर राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा बदलनी है तो कांग्रेस से जुड़े मामलों पर जल्द फैसला करना होगा।

जिन नेताओं को नोटिस दिए गए थे उसमें कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस लीडरशिप ही इसका सही जवाब दे सकते हैं कि मामले में फैसला लेने में बहुत ज्यादा देरी हो रही है। विधायक दल की बैठक तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश पर बुलाई गई थी और ऐसे में बैठक नहीं होना पार्टी के निर्देश की अवहेलना थी।'

नोटिस वाले नेताओं पर कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है?

उन्होंने कहा- 'विधायक दल की बैठक 25 सितंबर को मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई थी। यह बैठक नहीं हो सकी। बैठक में जो भी होता वो अलग मुद्दा था, लेकिन बैठक ही नहीं होने दी गई। जो लोग बैठक नहीं होने देने और विधायक दल की पैरेलल बैठक बुलाने के लिए जिम्मेदार थे, उन्हें अनुशासनहीनता के लिए नोटिस दिए गए थे। मुझे मीडिया से यह जानकारी मिली कि इन नेताओं ने नोटिस के जवाब दे दिए हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस

कमेटी की तरफ से अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मुझे लगता है कि एके एंटनी के नेतृत्व वाली अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी नेतृत्व ही इसका सही जवाब दे सकते हैं कि निर्णय लेने में इतनी ज्यादा देरी क्यों हो रही है?'

सरकार लानी है तो राजस्थान पर जल्द फैसला करना होगा

पायलट ने कहा- हम बहुत जल्द चुनाव की तरफ बढ़ रहे हैं, बजट भी पेश हो चुका है। पार्टी नेतृत्व ने कई बार कहा कि वह फैसला करेगा कि कैसे आगे बढ़ना है। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के बारे में जो भी फैसला करना है, वो होना चाहिए क्योंकि इस साल के आखिर में चुनाव है। अगर हर पांच साल पर सरकार बदलने की 25 साल से चली आर रही परंपरा बदलनी है और फिर से कांग्रेस की सरकार लानी है तो जल्द फैसला करना होगा।

पीएम मोदी आक्रामक प्रचार कर रहे, हमें कार्यकर्ताओं को लामबंद करना होगा

पायलट ने कहा- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान में खुद आक्रामक ढंग से प्रचार कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस को अब मैदान पर उतरकर कार्यकर्ताओं को लामबंद करना होगा ताकि हम लड़ाई के लिए तैयार रहें।

गहलोत गुट के विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार किया था, तीन नेताओं के खिलाफ एक्शन पैंडिंग

सीएम अशोक गहलोत गुट के कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों ने पिछले साल 25 सितंबर की शाम को सीएम हाउस र बुलाई गई विधायक दल की बैठक का बहिष्कार किया था। गहलोत गुट के विधायकों ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बंगले पर पैरेलल विधायक दल की बैठक की। इस बैठक के बाद विधायकों ने सपीकर के बंगले पर जाकर इस्तीफे दे दिए थे। उस वक्त मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लि कार्जुन खड़गे और तत्कालीन प्रभारी महासचिव अजय माकन पर्यवेक्षक बनकर आए थे। दोनों ने सोनिया गांधी को रिपोर्ट दी थी। विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके पैरेलल विधायक दल की बैठक बुलाने के मामले में मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ को नोटिस जारी किए थे।

उन नोटिस का जवाब भी भेज दिया है। तब से यह मामला पैंडिंग चल रहा है। गहलोत-पायलट के बीच नवंबर से तल्खियां उस वक्त से बढ़ी हुई है जब पायलट के लिए गहलोत ने गद्दार शब्द का इस्तेमाल किया।

चौके-छक्के लगाने वाली बेटी मूमल मेहर को मिला सम्मान

अक्षरा छात्रवृत्ति में मिलेंगे 25 हजार रुपये

जयपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। चौके-छक्के लगाने वाली बाड़मेर जिले के शिव के शेरपुरा कानासर गांव की बेटी मूमल मेहर के खेल कौशल को देखते हुए रूमा देवी सुगणी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति के तहत सालाना 25 हजार की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. रूमा देवी ने कहा कि मूमल उभरती हुई खिलाड़ी है। ये छात्रवृत्ति उसके खेल के विकास के लिए दी गई है। मूमल की प्रतिभा ने हमारी गांव की बच्चियों के सपनों को नई उड़ान दी है। 14 साल की मूमल मेहर 8वीं कक्षा में अध्ययनरत है। उसके पिता मठार खान किसान हैं।

उन्होंने कहा कि ये उभरती प्रतिभा भौतिक साधनों के अभाव में पिछड़े न इसलिए संस्थान ने ग्रामीण अंचल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए ये प्रोत्साहन राशि दी है। उन्होंने बताया कि मूमल मेहर की चचेरी बहन अनीसा बानो (अंडर 19 स्टेट प्लेयर) को भी संस्थान अपनी अक्षरा स्कॉलरशिप योजना से लगातार दो बार 25-25 हजार की स्कॉलरशिप दे चुका है। बलदेव नगर स्थित क्राफ्ट सेंटर में आयोजित सम्मान समारोह में यशोदा चौधरी जोधपुर, राखी राठी, सरपंच सीता देवी, गोविंद सारण, सोनाराम आदि के अलावा मूमल की चचेरी बहन अनिशा बानो भी उपस्थित रहीं।

सड़क निर्माण के लिए पंचायत के नोटिस का लोगों में नहीं दिखा असर

बुलडोजर से गिराए मकान

गोवटी, 16 फरवरी (एजेंसियां)। गोवटी गांव में बुधवार को प्रशासन ने लोगों के मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इन मकानों को गिराने से पहले प्रशासन की तरफ से लोगों को नोटिस भी जारी किया गया था। प्रशासन ने लोगों को सड़क चौड़ीकरण और सड़क निर्माण की जानकारी देते हुए अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया था। नोटिस के बाद भी लोगों ने जब अपने मकान नहीं हाटाए तो मजबूरन प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी।

बता दें कि गांव में बन रही सड़क के चौड़ीकरण का कार्य हो रहा है। इसको लेकर ग्राम पंचायत की ओर से सड़क के दोनों तरफ के पक्के निर्माण हटाने के लिए लोगों को दो बार नोटिस दिए गए थे। इसके बावजूद लोगों ने अपने पक्के निर्माण नहीं हटाए।

इसके बाद दांतारामगढ़ एसडीएम प्रतिभा वर्मा ने पलसाना नायब तहसीलदार महिपाल सिंह को मौका मजिस्ट्रेट नियुक्त कर पक्के निर्माण तोड़ने के निर्देश दिए। बुधवार को नायब तहसीलदार महिपाल सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचकर पक्के निर्माण ध्वस्त करवा दिए।

रिटायर्ड फौजी सहित लॉरेंस के 6 गुर्गे दबोचे

जोधपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में दिनदहाड़े सरपंच समेत 5 लोगों की हत्या करने की योजना थी। जमीन विवाद और झूठे मुकदमे से परेशान बदमाश बदला लेना चाहता था। प्लान बनाने वाला रिटायर्ड फौजी हिस्ट्रीशीटर उम्मेद सिंह है, जो लॉरेंस गैंग से जुड़ गया है। जोधपुर पुलिस को इसकी भनक लग गई और तीन अलग-अलग इलाकों (मंडौर, माता का थान और सूरसागर) से 6 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

इनमें अमित पारीक, ईश्वर सिंह, ईश्वर सोलंकी, उम्मेद सिंह, रावल सिंह और आयुष पंडित शामिल हैं। इन बदमाशों से 6 पिस्तौल, 13 मैग्जीन और 127 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। कमिश्नर रवि कुमार ने बताया कि मुख्य आरोपी उम्मेद सिंह आठ साल तक फौज में काम कर चुका है। इसका कॉन्टैक्ट लॉरेंस से है।

सांसद बेनिवाल ने सरकार पर साधा निशाना

बोले- मंत्रियों के संरक्षण में बढ़ रहा अवैध खनन

नागौर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। बीती शाम बीकानेर आए बेनीवाल ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश सरकार को बजरी माफिया चला रहे हैं। राज्य में सरकार के इशारे पर अवैध खनन धड़ल्ले से हो रहा है। मंत्रियों के संरक्षण में अवैध खनन बढ़ रहा है। बजरी माफिया के खिलाफ अगर मामला भी दर्ज कराना होता है, तो मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वीकृति लेनी पड़ती है।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो व नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा है कि प्रदेश में हो रहे अवैध खनन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में अवैध खनन सरकार के इशारे पर ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि माफिया बॉर्डर तक पहुंच चुके हैं।

बेनीवाल ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की। उनका कहना है कि सीबीआई जांच से ही स्पष्ट होगा कि सरकार के कौन-कौन मंत्री इसमें शामिल हैं। बजट को लेकर भी सांसद ने जमकर भड़ास निकाली। बजट की घोषणाओं को लेकर उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं से जनता का भला नहीं होने वाला। राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार दोनों के ही बजट में सिर्फ थोथी घोषणाएं की गईं हैं। केंद्र सरकार के बजट में तो राजस्थान का नाम तक नहीं है। आगे की क्या ही उम्मीद की जाए।

बजट की बातों के दौरान ही उन्होंने बजरी की दरें सस्ती करने, स्टेट हाईवे को टोल टैक्स से मुक्त करने पर बल दिया। बेनीवाल ने कहा कि स्टेट टोल टैक्स को तो समाप्त कर देना चाहिए। टोल टैक्स से लूटा जा रहा है। सचिन पायलट के बारे में बेनीवाल ने कहा कि पायलट को अब अलग से पार्टी बनानी चाहिए।

अनंतपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में जहरीली गैस का रिसाव

कोटा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा शहर के अनंतपुरा इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में अचानक गैस रिसाव होने से हड़कंप मचा गया। गैस के कारण आसपास के लोगों का दम घुटने लगा। ओम एनक्लेव में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग बच्चों-बुजुर्गों के साथ घरों से निकल सड़क पर आ गए। गैस के कारण एक दो लोग अचेत भी हो गए। स्थानीय लोगों की शिकायत पर देर रात प्रदूषण नियंत्रण मंडल, कारखाना एवं बॉयलर विभाग के अधिकारी व अनंतपुरा पुलिस भी मौके पर पहुंची। देर रात तक रिसाव का पता नहीं चला। लोगों का कहना है की एनक्लेव के पास केमिकल कारखानों से गैस की लगातार दुर्गंध आ रही है। इस क्षेत्र में पहले भी गैस रिसाव की शिकायत आ चुकी हैं। अधिकारी देर रात तक इस बारे में कुछ भी बताने से बचते रहे। जानकारी के अनुसार शाम सात बजे क्षेत्र में किसी फैक्ट्री में गैस का रिसाव हुआ। लोगों को सांस लेने में परेशानी आने लगी। गैस रिसाव से एनक्लेव में रहने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं बायलर विभाग की टीम सूचना पर क्षेत्र में पहुंची।

गीतांजलि ग्रुप और बिल्डर ज्ञानचंद अग्रवाल के 34 ठिकानों पर आयकर छापेमारी

राजस्थान,एमपी,कर्नाटक में रेड

जयपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर के नारायण विहार में प्लॉट काटने वाले चर्चित बिल्डर ज्ञानचंद अग्रवाल और उदयपुर के गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के साथ ही उनके साझेदारों, सहयागियों के 34 ठिकानों पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीमों ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और कर्नाटक तीन राज्यों में एक साथ गुरूवार सुबह से छापेमार कार्रवाई की है। जयपुर में 12, उदयपुर में 13, मध्यप्रदेश के जबलपुर के पास 6 और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में 3 ठिकानों पर छापे डाले गए हैं।

जानकारी के मुताबिक गीतांजलि ग्रुप के साथ मिलकर ज्ञानचंद अग्रवाल जयपुर में हॉस्पिटल का निर्माण कार्य करवा रहे हैं। इस जुड़ाव में बड़ी मात्रा में काला धन लगने, कैश में रुपयों का लेन देन होने और सम्पत्ति की खरीद फरोख्त में आर्थिक गड़बड़ियों की शिकायतों के बाद ज्ञानचंद अग्रवाल और उनके पार्टनर्स के यहां भी छापेमारी की गई है।

ज्ञानचंद अग्रवाल के खिलाफ पहले से दर्जनों केस पुलिस में दर्ज

ज्ञानचंद अग्रवाल श्री सालासर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, शिवम कॉलोनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के अलावा पिंकिसिटी हाई-लैंड रीयलकॉन प्राइवेट लिमिटेड और वंडरलैंड प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड जैसी फर्मों से जुड़े हैं। जयपुर में नारायण विहार समेत कई कॉलोनियों से ज्ञानचंद अग्रवाल जुड़े हैं। ज्ञानचंद के खिलाफ जमीन के पट्टे काटने और धोखाधड़ी को लेकर मानसरोवर थाने में भी दर्जनों केस हैं। तीन से ज्यादा बार पहले भी वह गिरफ्तार हो चुका है। आयकर विभाग को सूचना मिली थी कि उदयपुर बेस्ड गीतांजलि समूह और जयपुर के कॉलोनाइजर ज्ञानचंद अग्रवाल ने बड़ी राशि का कैश में लेनदेन किया है। जयपुर में ज्ञानचंद अग्रवाल के त्रिवेणी नगर में नारायण निवास, गंगा जमुना पेट्रोल पम्प के पास टावर में स्थित सालासर बिल्डर ऑफिस और नारायण विहार कार्यालय समेत कई ठिकानों पर सर्च चल रहा है।

गीतांजलि ग्रुप के खिलाफ मेडिकल, माइनिंग, प्रॉपर्टी कारोबार में आयकर चोरी की शिकायतें

गीतांजलि ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के चेयरमैन जेपी अग्रवाल और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल हैं। जो गीतांजलि के नाम से मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, कॉलेज और फिजियोथैरेपी, इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, कॉलेज एंड स्कूल ऑफ नर्सिंग, हॉस्पिटल चलाते हैं। गीतांजलि ग्रुप का एमपी के जबलपुर में माइनिंग कारोबार भी बताया जा रहा है।

बेंगलुरू में भी गीतांजलि ग्रुप के इंस्टीट्यूट्स और कर्नाटक में खनन से जुड़े कारोबार बताए जा रहे हैं। गीतांजलि ग्रुप के खिलाफ भी फीस और अन्य शुल्क में कैश लेने और टैक्स जमा नहीं कराने, खातों में इनका जिक्र नहीं करने जैसी गड़बड़ियों की सूचना है। आयकर विभाग के सूत्रों का कहना है कि दोनों समूहों से करोड़ों रुपए की काली कमाई उजागर होने की सम्भावना है।

इनके ठिकानों से बड़ी मात्रा में नकदी, लेन-देन का कच्चा हिसाब और दस्तावेज, पेन ड्राइव,हार्ड ड्राइव मिले हैं। जिनकी पड़ताल की जा रही है।

करोड़ों की ब्लैक मनी हो सकती है उजागर

सूत्र बताते हैं पिछले काफी समय से आयकर विभाग को इन दोनों कारोबारी समूहों के कारोबार में ब्लैक मनी लगी होने, इनकम टैक्स की चोरी, प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त में आर्थिक गड़बड़ियां, नकल लेन देन, भारी मात्रा में प्रॉपर्टी और बाजार में निवेश, पर्चियों के जरिए कारोबार चलाने जैसी सूचनाएं थीं। जिसका वेरिफिकेशन किया गया। उसके बाद तीन राज्यों में पहले से तय किए जा चुके ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाकर छापेमारी शुरू की गई। विभाग को उम्मीद है कि करोड़ों रुपए की ब्लैक मनी इस छापेमारी में उजागर हो सकती है।

ऐतिहासिक पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में

माफिया ब्लास्टिंग कर धड़ल्ले से कर रहे अवैध खनन

जयपुर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सरकार अवैध खनन को रोकने के तमाम दावे करती है, परंतु सिरोही जिले से जो तस्वीरें सामने आईं हैं उससे जिम्मेदारों की कार्यशैली व भूमिका पर सवाल उठना भी वाज़िब है। ज़िले में आज आलम यह है कि ऐतिहासिक पहाड़ अवैध खनन माफियां डकार गए हैं। अवैध खनन को रोकने के कोई प्रभावी प्रयास सिरोही जिला प्रशासन आज तक नहीं कर पाया। आज नतीजा सबके समक्ष है। दिनदहाड़े अवैध खनन माफियां ब्लास्टिंग मशीनें लगाकर ऐतिहासिक पहाड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ज़िले में अवैध खनन का खेल लंबे अर्से से चल रहा है। इस दौरान कई अधिकारी सिरोही ज़िले में आए और चले भी गए, लेकिन किसी ने भी अवैध खनन को रोकने कि प्रभावी कार्रवाई करने की जहमत तक नहीं उठाई। आज ज़िले के नांदिया, बसंतगढ़, रोहिडा, वाटेरा, भारजा, भीमाणा, वाड़ा सहित एक नहीं दर्जनों गांवों के सरकारी पहाड़ों का अस्तित्व ही ख़तरे में हैं। जिला कलेक्टर से लेकर सभी अधीनस्थ जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंद कर कर यह सब देख रहें। बता दें कि अवैध खनन के बारे में जिम्मेदारों द्वारा प्रभावी नकेल न कसने के पीछे क्या खास वजह है? दिनदहाड़े हो रहे अवैध खनन का जिम्मेदार कौन? आज दिन तक अवैध खनन से सरकार को हुए करोड़ों के राजस्व के नुकसान का जिम्मेदार कौन? राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी भी अवैध खनन को रोकने में नाकाम क्यों.? क्या अवैध खनन पर कार्रवाई न करने के पीछे चलता है आपसी सांठगांठ या लेनदेन का खेल.? यदि नहीं तो फिर आज तक ज़िले में क्यों नहीं हुई प्रभावी कार्रवाई? साथ ही ऐतिहासिक पहाड़ों को हो रहें भारी भरकम नुकसान का जिम्मेदार कौन है? सरकारी कारिंदों द्वारा अवैध खनन को रोकने के बड़े-बड़े दावे तो किए जाते हैं, परन्तु जमीनी स्तर पर क्यों नहीं होती कार्रवाई। महज औपचारिक कार्रवाई करने से अवैध खनन रुकने वाला नहीं है।

डॉ. सी. तारा सत्यवती बनीं भाकृअनुप-भारतीय अन्न (कदन्न) अनुसंधान संस्थान की नई निदेशक

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. सी. तारा सत्यवती ने भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न (कदन्न) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद की निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने स्नातक (बी.एससी.)-कृषि तथा स्नातकोत्तर (एम.एससी.)-आनुवंशिकी तथा पादप प्रजनन में कृषि महाविद्यालय, बापट्ला, आचार्य एन जी रंगा कृषि विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा पूरी की तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से पीएच.डी. शोध कार्य संपन्न किया। ये स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. तीनों में स्वर्ण पदक विजेता रहीं तथा कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा में भी सर्वोत्तम रहीं। डॉ. सत्यवती ने बाजरे के दो संकर तथा तीन किस्में भी विकसित की है। अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में इनके 140 शोध लेख

प्रकाशित हैं। इन्हें भाकृअनुप का डॉ. पंजाबराव देशमुख उत्कृष्ट महिला वैज्ञानिक पुरस्कार (2016), कर्नाटक सरकार से उत्कृष्ट बाजरा वैज्ञानिक पुरस्कार (2018) तथा आईएसजीपीबी की ओर से एम एस स्वामीनाथन महिला वैज्ञानिक पुरस्कार (2019) के साथ-साथ कई श्रेष्ठ शोध पत्र एवं सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किए हैं। डॉ. सत्यवती ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों में वैज्ञानिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान वैज्ञानिक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की तथा वर्तमान में परियोजना समन्वयक, बाजरा पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद), मंडोर, जोधपुर, राजस्थान में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही थीं। इस संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने कहा कि भारत की अगुआई पर ही संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन के द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न (मिलेट) वर्ष 2023 घोषित किया गया एवं भारत सरकार के द्वारा हमारे संस्थान को इस संबंध में ज्ञान की साझेदारी हेतु वैश्विक केंद्र बनाया गया है। अतः हमारा कर्तव्य है कि हम कठीन परिश्रम व समर्पण के साथ अपनी सेवाएं देते हुए हमारे संस्थान ही नहीं, पूरे भारत का नाम शीर्ष तक पहुंचाएं।

राज्यसभा सांसद ने कोंडागट्टू में 1000 एकड़ वन भूमि को गोद लेने की घोषणा की

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के जन्मदिन के अवसर पर, राज्यसभा सांसद जे संतोष कुमार ने ग्रीन इंडिया चैलेंज पहल के तहत कोंडागट्टू में कोडिम्याला वन क्षेत्र की 1000 एकड़ से अधिक भूमि को गोद लेने की घोषणा की।

जगित्याल जिले में कोंडागट्टू भगवान हनुमान का पर्याय है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बुधवार को घोषणा की थी कि प्रसिद्ध कोंडागट्टू मंदिर, जो घने जंगलों और पहाड़ों के बीच में है, को एक आध्यात्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के फैसले का समर्थन करते हुए, राज्यसभा सांसद ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अपने ग्रीन इंडिया चैलेंज के हिस्से के रूप में कोंडागट्टूक्षेत्र में एक हजार एकड़ से अधिक वन भूमि को गोद लेंगे।

संगठन के विकास के साथ नए विचार भी होने चाहिए : वीसी सज्जनार

एमडी ने वारंगल क्षेत्र के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने आरटीसी कर्मचारियों से हमेशा अपने प्रदर्शन में सुधार करने और संगठन के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि परिवहन व्यवस्था में बदलती परिस्थितियों के अनुसार अद्यतन करते हुए नए विचार बनाने चाहिए। कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार ने गुरुवार को स्थानीय आरएम कार्यालय में वारंगल क्षेत्र के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अधिकारियों से क्षेत्र के प्रदर्शन, मार्गों के नियमितीकरण और लाभ-हानि के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर सज्जनार ने कहा कि यात्री और कर्मचारी आरटीसी की दो आंखों की तरह हैं और संगठन दोनों को महत्व देता है। प्रत्येक स्टाफ सदस्य को लगन से काम करने की

सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि यात्री भगवान हैं और उन्हें उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी हमारी है। उन्होंने याद दिलाया कि कंपनी को पिछले साल यात्रियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इससे पहले हनमकोंडा बस स्टैंड का निरीक्षण किया गया। यात्रियों से प्रभावित। यात्रियों से बसों में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा गया। उन्हें सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देने और दूसरों को आरटीसी बसों में यात्रा करने के लिए कहा गया।

उसके बाद सरकार के मुख्य सचेतक विधायक दस्यम विनय भास्कर, ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) के आयुक्त पी. प्रवीण्य सहित काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण (कुडा) के अध्यक्ष सुंदरराज यादव ने कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार का निरीक्षण किया। विस्तार कार्यों की प्रगति को लेकर उनके साथ विशेष बैठक की गई। हनमकोंडा बस स्टैंड पर यात्रियों की संख्या पिछले दिनों की तुलना में बढ़ गई है। संबंधित अधिकारियों को विस्तार कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की सलाह दी गई।

साथ ही, एमडी सज्जनार द्वारा वारंगल-1 और 2 डिपो का दौरा किया गया। इसके विभिन्न खंडों की जांच की गई। कार्यकर्ताओं से विशेष मुलाकात की। डिपो के अच्छे प्रदर्शन की सराहना की। इस मौके पर एसी बसों की सफाई का तरीका ईजाद करने वाले कर्मचारियों की तारीफ की गई। उन्होंने कहा कि कंपनी नए इनोवेशन करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करती है।

शिवरात्रि के मौके पर दुर्गा माता मंदिर पर कल से होगा अखंड कीर्तन

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति, इंदिरा नेहरू नगर मल्काजगीरी द्वारा हर साल की भांति इस साल भी 18 फरवरी शनिवार को शिवरात्रि के शुभ अवसर पर अखंड हरी कीर्तन दुर्गा माता मंदिर, इंदिरा नेहरू नगर मलकाजगीरी में आयोजन किया जाएगा।

इसमें हैदराबाद के हरेक एरिया से लोग अपनी भजन मंडली के साथ भाग लेगें और वो 24 घंटा 'हरे राम हरे कृष्ण' का कीर्त्तन करेंगे।

उसके बाद राम विवाह कराया जाएगा। कार्यक्रम प्रभारी सुनील भगत, शम्भू नाथ भगत, हरेराम यादव, दीपक यादव को बनाया गया है। बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने सभी भक्तों से निवेदन किया है कि वे सभी अपने परिवार के साथ आकार पुण्य के भागी बने।

समिति के सभी पदाधिकारी सागर भगत, जयन्त यादव, बिजेन्द्र गुप्ता, राजनारायन सिंह, मनोज यादव, आंनद गुप्ता, पंकज यादव, हरीश यादव, अजय सिंह, रनधीर यादव, राजेश खन्ना, दिपु गुप्ता, ललन मिश्रा, सुनील ठाकुर, बिवेशा झा, गुलशन कुमार एवं सभी कार्यकर्ताओं ने पुजा को सफल बनाने में जोरो से लगे हैं।

बीआरएस पार्टी के रोंगटे खड़े कर सकती है भाजपा : बंडी

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज कहा कि भगवा पार्टी अकेले तेलंगाना में सत्ताधारी बीआरएस पार्टी के रोंगटे खड़े कर सकती है।

पारिगी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की प्रजा गोसा - भाजपा भरोसा यात्रा के तहत नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने अपनी सरकार के कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया और आश्चर्य जताया कि वेतन देने में विफल रहने के बाद वह प्रदेश के लोगों से किए गए वादों को कैसे पूरा करेंगे। यह आरोप लगाते हुए कि सीएम ने 5 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया है, उन्होंने दावा किया कि अगर राज्य के लोगों द्वारा उन्हें एक बार फिर से सत्ता दी गई तो केसीआर 5 लाख करोड़ रुपये का

और ऋण लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम फंड नहीं देकर प्रदेश की ग्राम पंचायतों और जनप्रतिनिधियों को परेशान कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता यह कहकर ब्लैकमेल करने की राजनीति कर रहे हैं कि वे उन्हीं नेताओं को देंगे जो उनकी पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना किसी भेदभाव के राज्य की सभी ग्राम पंचायतों को धन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिए अपनी जमीन गंवाने के बाद आत्महत्या करने वाले कई किसानों की मौत के बाद भी सीएम को कोई शर्म नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष ने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पार्टी के साथ गुप्त समझौता किया है। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि देश के लोग उनकी बीआरएस पार्टी के लॉन्च के बाद सीएम के दावों पर विश्वास नहीं कर रहे हैं और कहा कि वे इसे अनदेखा कर रहे हैं। उन्होंने भविष्यवाणी की कि जब भी तेलंगाना में चुनाव होंगे उनकी पार्टी राज्य में जीतेगी। उन्होंने कहा कि वे 11,000 नुक्कड़ सभाएं करने जा रहे हैं और कहा कि उन्हें राज्य के लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि नुक्कड़ सभाओं का मुख्य उद्देश्य राज्य के लोगों में उनकी समस्याओं पर चर्चा के अलावा उनमें विश्वास पैदा करना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना में अब तक 1900 नुक्कड़ सभाएं की हैं।

बीडीएल ने एयरो इंडिया के दौरान किया समझौता

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), जो बेंगलुरु में चल रहे एयरो इंडिया - 2023 के दौरान अपने उत्पादों का अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन कर रहा है, ने कई भारतीय और विदेशी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बीडीएल ने भारत में लेजर गाइडेड रॉकेट और इसके प्रमुख घटकों के लिए विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए थालेस के साथ समझौता ज्ञापन किया है। समझौता ज्ञापन के अनुसार, नई सुविधा में निर्मित लेजर गाइडेड रॉकेट भारतीय रक्षा बलों को प्रदान किए जाएंगे। समझौता ज्ञापन बीडीएल को थेल्स के साथ संयुक्त रूप से निर्यात बाजारों की भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए थेल्स वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने की सुविधा प्रदान करेगा।

उपरोक्त के अलावा, भारत में सभी मौसम, दिन/रात, लंबी दूरी की सटीक-निर्देशित युद्ध सामग्री किट का संयुक्त रूप से उत्पादन करने के लिए ईडीजीई समूह की इकाई, एएल तारिक, संयुक्त अरब अमीरात के साथ बीडीएल द्वारा एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बीडीएल ने टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ 'मेक इन इंडिया' के तहत भारत में 122 एमएम ग्रेड बीएम ईआर और एनओएन-ईआर रॉकेट के लिए विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के लिए बुलटेक्सप्रो लिमिटेड, बुल्गारिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बीडीएल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई ने विभिन्न मिसाइलों और भविष्य की हथियार प्रणालियों के लिए प्रणोदक अनाज के डिजाइन और विकास पर एक साथ काम करने के लिए समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है। बेंगलूरू में एयरो इंडिया - 2023 के दौरान आयोजित बंधन समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापनों की घोषणा की गई।

हाफिजपेट में प्रजा गोसा-भाजपा भरोसा को लेकर हुई बैठक

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी, हाफिज पेट डिवीजन द्वारा केंद्र प्रभारी के आह्वान पर, जिला भाजयुमो महासचिव कैतापुरम जितेंद्र प्रजापति ने हफीजपेट गांव, कुम्मार बस्ती में एक सभा का आयोजन किया। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा रंगा रेड्डी शहरी जिला महासचिव वाई. श्रीधर, राज्य भाजपा नेता मुव्वा सत्यनारायण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हाफिजपेट गांव, साईंराम कॉलोनी, जनप्रिय नगर क्षेत्र में विकास शून्य है, बीआरएस पार्टी ने पिछले 9 वर्षों के शासन के दौरान लोगों के लिए कुछ भी नहीं किया है। हाफिज पेट के गांव में डबल बेडरूम के निर्माण के तीन साल बाद भी उन्हें किसी को आवंटित नहीं किया गया है, इसके अलावा यह क्षेत्र पीने के बूथों का बैरिकेड बन गया है। इस क्षेत्र में स्थानीय पात्र लोगों को कोई भी सरकारी योजना उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए तेलंगाना में बीजेपी की सरकार की जरूरत है।

हाफिज पेट मंडल भाजपा अध्यक्ष श्रीधर राव, भाजपा राज्य परिषद सदस्य कालीवेमुला मनोहर, मंडल भाजपा प्रत्याशी बोनी अनुषा महेश यादव, पोलिंग बूथ अध्यक्ष श्रीनिवास, कुमार, साय

भाजपा जिला मजदूर मार्चा अध्यक्ष अल्ला वरप्रसाद, ओबीसी मोर्चा जिला महासचिव श्रीशैलम, भाजपा नेता पवन, मंडल ओबीसी मोर्चा महासचिव नवीन, उपाध्यक्ष अशोक, रवि मुदिराज, भाजपा नेता नरहरि, वेंकटेश, जी. राकेश सहित स्थानीय भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

तेलंगाना के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की योजना : हरीश राव

स्वास्थ्य मंत्री ने यदाद्री मंदिर में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने गुरुवार को यादाद्री भोंगीर जिले के यादगिरिगुट्टा में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर सांसद बदुगुला लिंगैया यादव, सरकारी सचेतक और अलेरू विधायक गोंगीडी सुनीता, नलगोंडा डीसीसीबी के अध्यक्ष गोंगीदी महेंद्र रेड्डी और अन्य उपस्थित थे। बाद में, यादगिरिगुट्टा के मंदिर शहर में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की राज्य सरकार की योजना के तहत, सरकार जल्द ही यादाद्री भोंगीर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करेगी और इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि नए

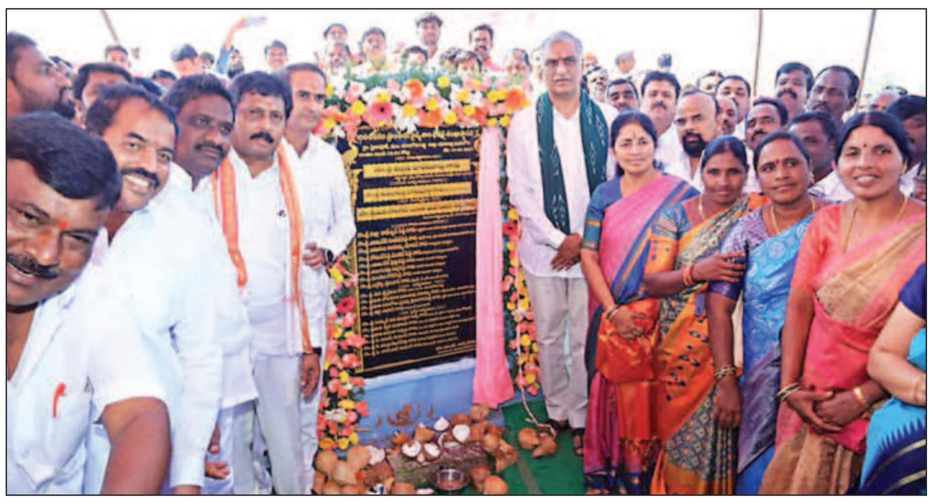

मेडिकल कॉलेज सूर्यापेट और नलगोंडा जिलों में पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और राज्य सरकार इस साल नौ नए कॉलेज शुरू करेगी। मंत्री ने जिले के अलेरू सरकारी अस्पताल में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सुविधाओं में सुधार के लिए एक करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा यदाद्री भोंगीर जिले के अलेरू, भोंगीर और चौतुप्पल अस्पतालों में पहले ही डायलिसिस केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, उन्होंने कहा कि जिले में चरणबद्ध तरीके से सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस भर्ती : शारीरिक दक्षता परीक्षण में 626 महिला उम्मीदवारों ने भाग लिया

आदिलाबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को पुलिस कांस्टेबल भर्ती अभियान के तहत आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा में आदिलाबाद में 772 आवेदकों में से 626 महिला उम्मीदवारों ने भाग लिया। पुलिस अधीक्षक डी. उदय कुमार रेड्डी ने कहा कि उम्मीदवारों ने 800 मीटर की दौड़ परीक्षा में भाग लिया और योग्य उम्मीदवारों ने चार मीटर शॉर्ट पुट और 2.5 मीटर लंबी कूद परीक्षा में भाग लिया।

परीक्षण सीसीटीवी की निगरानी में आयोजित किए गए थे और परिणामों का विवरण तुरंत तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड (टीएसएलपीआरबी) की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। 626 उम्मीदवारों में से 279 उम्मीदवारों ने परीक्षा पास की।

पीएसीएस अध्यक्ष के जिलाध्यक्षों ने जिलाधिकारी से की मुलाकात

आसिफाबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद के जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण करने वाले बोरकड़े हेमंत सहदेव राव का गुरुवार को पैक्स अध्यक्ष जिलाध्यक्ष अलीबीन अहमद ने अपने कक्ष में स्वागत किया तथा जिलाधिकारी को फूलों का गुलदस्ता व शाल भेंट कर अभिनंदन किया।

उन्होंने कहा कि वे लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए प्रयास करने की बात कही। इस अवसर पर वांकिडु, कौटाला, सिरपुर टी मंडल अध्यक्ष पेंटू, मंतैया, बापू, निदेशक मुरली सहित अन्य उपस्थित थे।

धम्माईगुडा में जेठुसिंह राजपुरोहित द्वारा प्रवासी बन्धुओं का सामाजिक कार्यों में की गयी उत्कर्ष सेवाओं के लिए सम्मान करते हुए राजस्थानी मित्र मंडल अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, रुपाराम, भीकाराम सैंणचा, ताराराम गेहलोत, मोटाराम बर्फा, डूंगाराम सोलंकी व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पं. प्रदीप मिश्रा के ...

7 से 17 किलोमीटर तक का जाम, 15 हजार लोग संभाल रहे व्यवस्था :

गुरुवार सुबह के हालात देखें तो कुबेरेश्वर धाम से इछावर रोड तक 7 किमी का लंबा जाम लगा था। सीहोर से इंदौर की तरफ हाईवे पर भी 17 किलोमीटर लंबा और भोपाल की ओर हाईवे पर 10 किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ था।

अधिक भीड़ होने के कारण मोबाइल नेटवर्क भी काम नहीं कर रहा। पुलिस और प्रशासन की टीम के अलावा आरएसएस, बजरंग दल, स्थानीय लोग, समिति सदस्य सहित कुल 15 हजार लोग व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। इनकी ड्यूटी कथा पंडाल, भोजन पंडाल, रुद्राक्ष वितरण केंद्र पर लगी हुई है।

भीड़ देखते हुए बुधवार से ही रुद्राक्ष वितरण शुरू हुआ :

भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए धाम में पं. प्रदीप मिश्रा ने बुधवार को रुद्राक्ष वितरण शुरू कर दिया था। समिति ने 20 काउंटर से श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष बांटे। गुरुवार सुबह 10 बजे तक 5 लाख श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष बांटे गए। 40 काउंटर से रुद्राक्ष बांटे जा रहे हैं।

2 शिफ्ट में काम कर रही पुलिस :

महोत्सव में पुलिस 2 शिफ्ट में काम कर रही है। पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 बजे से लेकर रात 8 बजे तक है। 700 जवान तैनात किए गए हैं। एसपी सीहोर मयंक अवस्थी के साथ 12 जवान लगे हैं। एएसपी और एसपी सीहोर के साथ 8-8 जवान लगे हैं। जबकि 100 जवानों को रिजर्व रखा गया है। ट्रैफिक पुलिस के जवान भी व्यवस्था संभाल रहे हैं।

देश के अलग-अलग राज्यों से आ रहे भक्त :

शहर में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए क्षेत्रवासी लगे हैं। सेवा करने के लिए जिले और आस-पास के क्षेत्रों से कई संगठन आगे आए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने आधा दर्जन से अधिक यात्री बसों को भक्तों की सेवा में लगाया है। बुधवार को कुबेरेश्वर धाम महादेव के दर्शन करने के लिए 2 किमी लंबी लाइनें लगीं। महोत्सव में मध्यप्रदेश के अलावा हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र सहित देश के अन्य राज्यों से भक्त आ रहे हैं।

स्वरा भास्कर ने ...

हालांकि अब ऐसा लग रहा है वो कोई और नहीं बल्कि फहाद ही थे।

2019 में हुआ था हिमांशु शर्मा से ब्रेकअप :

स्वरा भास्कर के राइटर हिमांशु शर्मा के साथ डेटिंग की खबरें आई थीं। दोनों की मुलाकात रांझणा के सेट पर हुई थी। करीब पांच साल डेट करने के बाद दोनों के 2019 में अलगाव की खबरें आई थी।

स्वरा को चाहिए था डीडीएलजे के राज जैसा लड़का :

स्वरा भास्कर ने पिछले साल अपनी फिल्म के प्रमोशन में कहा था कि उन्हें डीडीएलजे के राज की तरह लड़का पसंद है। उन्होंने कहा था, मैंने छोटी उम्र में शाहरुख की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे देख ली थी, तब से ही मैं अपनी जिंदगी में राज को तलाश रही हूं। एक ऐसा इंसान जो शाहरुख की तरह दिखता हो, लेकिन राज हो।

विवादों में रहना पसंद करती हैं स्वरा :

स्वरा अपने राजनीतिक विचारों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। वो अक्सर सरकार के खिलाफ बोलती नजर आती हैं। इसकी वजह से उनके खिलाफ कई बार केस भी हो जाता है। अभी हाल ही में पठान पर जारी विवाद में उन्होंने भी रिएक्शन दिया था। उन्होंने बीजेपी नेताओं पर निशाना साधते हुए लिखा था कि सत्ताधारी नेताओं को अभिनेत्रियों के कपड़े देखने से फुरसत नहीं मिलती तो काम क्या करेंगे।

कई फेमस फिल्मों में आ चुकी हैं नजर :

स्वरा भास्कर के फिल्मों की बात करें तो वो तनु वेड्स मनु, रांझणा और वीरे दी वेडिंग जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वो 'रसभरी' सीरीज में भी दिखीं थीं। उनकी अंतिम फिल्म 'जहां चार यार' थी। उनकी अपकमिंग फिल्म 'मिमांसा' है। इसके अलावा वो 'मिसेज फलानी' में भी नजर आएंगी।

शादियों में चोरी ...

गहनों से भरा बैग चुराने के चक्कर में पकड़ा गया :

बूंदी के सदर थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि 9 फरवरी को नाबालिग ने एक मैरिज गार्डन में दुल्हन की मां के हाथ पर खुजली का पाउडर डालकर 10 लाख रुपये के गहनों से भरा बैग चुरा लिया था। महिला के चिल्लाने पर लोगों ने उसको दबोच लिया। घटना को अंजाम देने के लिए उसके साथ आए 3 युवक फरार हो गए थे।

जालोर में किए 20 लाख के गहने पार :

जालोर डीएसपी रतन देवासी ने बताया, नाबालिग ने गैंग के साथियों के साथ जालोर में चोरी की वारदात करना कबूल किया है। इसी नाबालिग ने 6 फरवरी को आहोर में एक मैरिज गार्डन में चल रहे शादी समारोह से करीब 20 लाख रुपये के गहनों से भरा बैग चोरी कर लिया था और फरार हो गया था।

वारदात के समय सभी लोग बारात को खाना खिला रहे थे। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में भी कैद हो गई थी। जल्द ही नाबालिग को प्रोडक्शन वारंट पर जालोर लाया जाएगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट आज से

दिल्ली में 100वां टेस्ट खेलेंगे पुजारा, अय्यर भी फिट; पॉसिबल-11

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय बैटिंग की बैक बोन कहे जाने वाले वाले चेतेश्वर पुजारा के लिए खास होगा, क्योंकि इस मैदान पर पुजारा अपने करियर का 100वां टेस्ट खेलेंगे। वे 100 टेस्ट खेलने वाले 13वें भारतीय खिलाड़ी बनेंगे।

किला दिल्ली को भारतीय टीम का अभेद किला कहा जाता है। टीम इंडिया इस मैदान पर पिछले 36 साल से नहीं हारी है। टीम को यहां आखिरी हार 1987 में मिली थी। हालांकि, दिल्ली जीतना ऑस्ट्रेलिया के लिए असंभव सा लगता है, क्योंकि इस मैदान का रिकॉर्ड उसके पक्ष में नहीं है। कंगारू टीम इस मैदान पर पिछली बार 64 साल पहले 1959 में जीती थी। यदि पैट कमिंस के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई टीम यहां भारत को हरा देती है तो कंगारू टीम भारत के इस अभेद्य किले को भेद लेगी। डब्ल्यूटीसी का फाइनल अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से यह मुकाबला जीत लेती है तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए लगभग क्वालिफाई कर जाएगी। यदि भारत हार जाता है तो उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए अगले दोनों मैच जीतने ही होंगे।

नंबर-1 का सपना यहां टेस्ट जीतते ही टीम इंडिया क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में वर्ल्ड नंबर-1 टीम बन जाएगी। हालांकि, भारतीय टीम बुधवार को 6 घंटे के लिए वर्ल्ड नंबर-1 बनी थी, लेकिन वह आईसीसी वेबसाइट पर गलती से हुआ जिसे बाद में सुधार लिया गया।

स्पिनर्स को मदद करेगी पिच

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर पानी डाला गया। रोलिंग की गई, घास नहीं है। ऐसे में पिच पर हल्की नमी भी रह सकती है। जिससे स्पिनर्स की बॉल थोड़ी फंसकर आएगी। ऐसे में बल्लेबाजों को खेलने में दिक्कत होगी।

मौसम- बारिश के आसार नहीं

दिल्ली का मौसम साफ रहेगा। वहां बारिश के आसार नहीं हैं। शुरुआती 2 दिन का तापमान 14 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। फिर तीसरे, चौथे और पांचवें दिन तापमान बढ़ेगा। अब देख लीजिए हेड टु हेड रिकॉर्ड ओवरऑल हेड टु हेड की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में है, वहीं दिल्ली के आंकड़े देखें तो भारत हावी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 103 टेस्ट हुए हैं। इनमें 43 ऑस्ट्रेलिया, जबकि 32 भारत ने जीते हैं। 28 ड्रॉ और एक टाई रहा है।

अय्यर फिट दिन भर अभ्यास किया

श्रेयस अय्यर फिट हो चुके हैं और टीम से भी जुड़ गए हैं। उन्होंने बुधवार को दिन भर प्रैक्टिस की। ऐसे में नागपुर में डेब्यू मैच खेलने वाले सूर्यकुमार यादव को बाहर बैठना पड़ सकता है। इसके अलावा टीम मैनेजमेंट आउट ऑफ फार्म चल रहे केएल राहुल की जगह शुभमन गिल को ओपनिंग का मौका दे सकती है। नेट प्रैक्टिस के दौरान राहुल द्रविड़ गिल की बैटिंग को ध्यान से देखते नजर आए। कंगारू खेमे की बात करें तो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क टीम से जुड़ गए हैं। वे दिल्ली टेस्ट में खेल सकते हैं। वहीं, टीम के मिडिल ऑर्डर बैटर ट्रेविस हेड ने भी बहुत देर तक बैटिंग प्रैक्टिस की। ऐसे में नागपुर टेस्ट के फ्लॉप बैटर मैट रेन्शॉ की जगह हेड को मौका मिल सकता है। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन भी बॉलिंग करते नजर आए। ऐसे में वह भी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। लेकिन, उन्हें शामिल करने के लिए किसे बैठाया जाएगा, यह अब तक साफ नहीं हो सका है।

दूसरा टेस्ट खेल सकते है मिचेल स्टार्क

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा - कॉम्बिनेशन बैठाना होगा मुश्किल,ग्रीन भी वापसी कर सकते है ऑस्ट्रेलिया भारत टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने मिचेल स्टार्क की वापसी के संकेत दिए है। उन्होंने कहा - स्टार्च फिट है, लेकिन हमने अभी यह नहीं सोचा है कि टीम में स्पिनरऔर बोलैंड के साथ एक और फास्ट बॉलर को कैसे शामिल करेंगे। मिचेल स्टार्क दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होम टेस्ट सीरीज में चोटिल हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन भी टीम में वापसी कर सकते है। कमिंस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कैमरून ग्रीन भी फिट है और वे अगला मैच खेल सकते है। कैमरून ग्रीन भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंजर्ड हुए थे। उनकी उंगली पर चोट आई थी। अगर ऑस्ट्रेलिया को उन्हें टीम में शामिल करता है तो बतौर बैटर ही खिलाना होगा। वह बॉलिंग नहीं कर सकेंगे।

दिल्ली टेस्ट में रन नहीं बनाए तो टीम से बाहर हो सकते हैं डेविड वॉर्नर

इस पूर्व क्रिकेटर ने किया दावा

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2023 के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच में दूसरा टेस्ट मैच दिल्ली में खेला जाएगा. इस मैच की शुरुआत 17 फरवरी से होगी. इस सीरीज का पहला मैच नागपुर में हुआ था, जहां भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पारी और 132 रनों से हरा दिया था. अब ऑस्ट्रेलिया का दावा है कि वह दिल्ली में भारत को हराकर सीरीज को बराबर करेगी, लेकिन क्या वो ऐसा कर पाएगी? दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, ऊपर से उनके ओपनर बल्लेबाज रन नहीं बना रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया को दिल्ली टेस्ट में अपने ओपनर बल्लेबाज डेविड वॉर्नर से काफी उम्मीदें होगी. वॉर्नर के बारे में भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि दिल्ली टेस्ट उनके लिए करो या मरो जैसा मैच हो सकता है.

पृथ्वी शॉ की कार पर हमला

सेल्फी लेने से फैन को किया था मना, 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई 16 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर बुधवार शाम करीब 4 बजे मुंबई में हमला किया गया। वे अपने दोस्त के साथ कार में बैठे थे। तभी कुछ लोग वहां आए और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए कहा। पृथ्वी ने मना किया तो फैंस भड़क गए और उनकी कार पर हमला कर दिया। ओशिवारा पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से 2 नामजद और 6 अज्ञात हैं

वैलेंटाइन डे पर फोटो अपलोड की फिर हटाई

वैलेंटाइन डे के मौके पर इंडियन क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के इंस्टाग्राम हैंडल से एक फोटो शेयर की थी, जिसमें उनके साथ उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड निधि नजर आ रही थीं। पोस्ट में पृथ्वी

ने उन्हें वाइफ कहते हुए वैलेंटाइन विश किया था। हालांकि, खास बात ये रही कि उन्होंने वो पोस्ट कुछ देर बाद ही डिलीट कर दिया था। इसके बाद पृथ्वी ने अपने इस पोस्ट सफाई देते हुए कहा है कि ये फोटोज मैंने नहीं पोस्ट की हैं, कोई और ये सारी फोटोज एडिट करके पोस्ट और अपलोड कर रहा है।

पाटिल टी-20 कप में खेल रहे है शॉ

पृथ्वी शॉ नवी मुंबई में डीवाई पाटिल टी-20 कप में खेल रहे है। मंगलवार को शॉ ने इंडियन ऑयल टीम से 15 बॉल में 42 रन स्कोर किए। साथ ही उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की। दोनों ने मिलकर 25 बॉल में 68 रन बनाए और मुंबई कस्टम्स टीम के खिलाफ जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में टीम इंडिया के शार्दूल ठाकुर भी टाटा स्पोर्ट्स क्लब टीम से खेल रहे है। शॉ का अगला मुकाबला 17 फरवरी को है।

अफरीदी ने एशिया कप को लेकर दिया बयान

कहा- बीसीसीआई के सामने आईसीसी भी कुछ नहीं कर पाएगा

लाहौर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से आगामी एशिया कप की मेजबानी छिनी जानी तय है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया है। साथ ही एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा था कि एशिया कप इस बार तटस्थ मैदान पर खेला जाएगा। इसे लेकर पाकिस्तान ने नाखुश है। अगले महीने इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। उससे पहले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने बड़ा बयान दिया है। पाकिस्तान के कुछ पूर्व खिलाड़ी और क्रिकेट एक्सपर्ट ने कहा है पीसीबी इस मामले को लेकर आईसीसी के पास जाए। आईसीसी को इस मामले में कुछ करना चाहिए। अब अफरीदी ने कहा है कि बीसीसीआई के सामने आईसीसी भी कुछ नहीं कर पाएगा। अफरीदी ने 'समा टीवी' से कहा, "क्या भारत एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा? क्या हम भारत में होने वाले वनडे विश्व कप का बहिष्कार करेंगे? मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन हमें किसी न किसी बिंदु पर स्टैंड लेने की जरूरत है।"

अफरीदी ने क्या-क्या कहा?

अफरीदी ने आगे कहा, "इस मामले में आईसीसी की भूमिका अहम हो जाती है। उन्हें आगे आना चाहिए, लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि बीसीसीआई के सामने आईसीसी भी कुछ नहीं कर सकता है।" अफरीदी ने कहा कि बीसीसीआई ऐसा इसलिए कर सकता है क्योंकि उसने अपने आप को काफी मजबूत बनाया है।

वेस्टइंडीज में तीनों फॉर्मेट के अलग कप्तान

शाई होप को वनडे और रोवमैन पॉवेल को टी-20 की कमान

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज टीम ने तीनों फॉर्मेट यानी टेस्ट, वनडे और टी-20 के अलग-अलग कप्तानों की नियुक्ति की है। रोवमैन पॉवेल को टी-20 और शाई होप को वनडे की कप्तानी सौपी गई है। जबकि, क्रैग ब्रैथवेट पहले से ही टेस्ट टीम के कप्तान है। दोनों कप्तान साउथ अफ्रीका टूर में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे।

निकोलस पूरन ने पिछले साल दिया था इस्तीफा

वेस्टइंडीज टीम के पूर्व कप्तान निकोलस पूर्ण ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद व्हाइट बॉल क्रिकेट की कप्तानी से इस्तीफा दिया था। पूरन वनडे और टी-20 के कप्तान थे। पूरन की कप्तानी के दौरान होप और पॉवेल टीम के उपकप्तान थे।

वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की चुनौती

वेस्टइंडीज के लिए इस समय सबसे बड़ी चुनौती वन दे वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई होना है। वेस्टइंडीज जून-जुलाई में जिम्बाब्वे में क्वालीफायर मैच खेलेगा। इस समय टीम अफगानिस्तान के ठीक पीछे आंठवे स्थान पर है।

पूर्व भारतीय कोच ने किया अजिंक्य रहाणे की कप्तानी का खुलासा

बताया कैसे पृथ्वी शॉ पर दिखाया था ज़ोर

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अजिंयक्य रहाणे ने कई मौकों पर टेस्ट में इंडिया की कमान संभाली है. रहाणे विराट कोहली की कप्तानी के वक़्त टेस्ट टीम के उपकप्तान थे. उन्होंने कोहली की गैरमौजूदगी में कई बार टीम कप्तानी की है. इसमें 2017 और 2020-21 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शामिल है. दोनों ही शानदार और एतिहासिक जीत रहाणे की कप्तानी में आई थीं. भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने रहाणे की कप्तानी के बारे में बड़ा खुलासा किया. उन्होंने बताया कि रहाणे किस तरह के कप्तान थे. श्रीधर ने अपनी किताब 'कोचिंग बियॉन्ड' में रहाणे को लेकर किस्सा बताया. उन्होंने लिखा, "कोई गलती मत करो; अजिंक्य कमजोर चरित्र नहीं था. यह घटना तब हुई जब पृथ्वी शॉ सिडनी के ड्रममोयने में एक वार्म-अप गेम में शॉर्ट लेग पर फील्डिंग कर रहे थे. बल्लेबाज़ ने स्वीप लगाया और पृथ्वी को गेंद लगी. जैसे ही उन्होंने ड्रेसिंग रूम की ओर पार्क से बाहर निकलने की कोशिश की, अजिंक्य तेज़ी से अपने मामले पर थे. अपनी स्लिप पोज़ीशन पर से उन्होंने साफ तौर पर देखा कि पृथ्वी को कहां लगी है, जो पिंडली पैड पर था."उन्होंने आगे लिखा, "रहाणे उनके पास गए और दृढ़ता से बोले, 'एक और कदम नहीं. फील्ड पर तुम्हरी

जगह कोई नहीं आएगा. मुझे पता कि आपके साथ कुछ गलत नहीं है. मैंने देखा कि गेंद आपके पिंडली पैड पर लगी. शायद आप वापस जाने के लिए एक मौके की तलाश कर रहे हों, लेकिन ऐसा नहीं होगा. शॉर्ट लेग पर जाओ और अपनी पोज़ीशन लो. पृथ्वी को पता था कि उसके झांसे को बुलाया गया है और चुपचाप से, अजिंक्य ने बाकी लोगों से कहा था कि वह कोई बहाना नहीं छोड़ेगा. मुझे काफी राहत मिली क्योंकि मुझे सब्सीट्यूट खिलाड़ी के रूप में जाना था क्योंकि उस मैच के लिए हमारे पास केवल 11 खिलाड़ी थे."

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने कबूल की स्पॉट-फिक्सिंग की बात

आईसीसी को बताया क्या है पूरा मामला

ढाका 16 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका में खेले जा रहे आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 में एक बड़ा विवाद उस समय सामने आया जब बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम की सदस्य पर स्पॉट फिक्सिंग करने का आरोप लगा था. अब इस पर बांग्लादेश क्रिकेट चीफ ने जानकारी देते हुए बताया कि टी20 वर्ल्ड कप के दौरान उनके एक खिलाड़ी को स्पॉट फिक्सिंग करने के लिए संपर्क किया गया था. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की महिला टीम की अध्यक्ष शफीउल अलम नादेल ने एएफपी को दिए अपने बयान में कहा कि साउथ अफ्रीका में मौजूद टीम प्रबंधन ने हमें बताया कि टीम में मौजूद एक खिलाड़ी को इसके लिए संपर्क किया गया था. वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बांग्लादेश महिला टीम की 2 खिलाड़ियों की एक बातचीत का एक ऑडियो टेप सामने आया है जिसमें वह स्पॉट फिक्सिंग करने को लेकर बात कर रही हैं. इसी के बाद इस पूरी घटना का उजागर हुआ. इसको लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की तरफ की कहा गया कि हमने पूरी घटना की जानकारी आईसीसी को दे दी है और वह इस मामले में आगे की कार्रवाई करेंगे. हम उन्हें हर तरह की मदद करने के लिए तैयार हैं. बीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी ने इस मामले पर कहा कि आईसीसी की एंटी करप्शन यूनिट को इस मामले की जानकारी दे दी गई है. अब वह यह देखेंगे कि इन आरोपों में दम है या नहीं. बीसीबी इस मामले में इससे अधिक कुछ नहीं कर सकती है. टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-ए का हिस्सा बांग्लादेश टीम की अभी तक कुछ खास प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो सकी है.

विमेंस प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान का नाम आया सामने

कोच ने बताया किसे मिलेगी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले दिनों विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन का आयोजन किया गया. इस ऑक्शन में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, हरमनप्रीत कौर और मेग लेनिंग जैसी खिलाड़ियों पर पैसों की बारिश हुई. वहीं, इस टूर्नामेंट का आगाज 4 मार्च से हो रहा है. जबकि फाइनल मैच 26 मार्च को खेला जाएगा. इस सीजन के पहले मैच में मुंबई इंडियंस के सामने गुजरात जॉइंट्स की टीम होगी. दोनों टीमों के बीच यह मैच मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा. दरअसल, इस सीजन के सारे मुकाबले मुंबई के ब्रेबोर्न और डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाएंगे. बहरहाल, विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने मेग लेनिंग, जेमिमा रॉड्रिग्स और शेफाली वर्मा जैसी खिलाड़ियों को अपने नाम किया, लेकिन अब सवाल यह है कि टूर्नामेंट में टीम की कमान किसके हाथों में होगी? अब इस सवाल का जवाब दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बेट्टी ने दिया है. उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिट्लस की कप्तान बनने की रेस में ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग सबसे मजबूत दावेदार हैं. मेग लेनिंग बेहतरीन नेचुरल लीडर होने के साथ-साथ शानदार फैसले आसानी से लेने की क्षमता रखती हैं. इस वजह से वह कप्तान बनने की सबसे मजबूत दावेदार हैं. दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बेट्टी ने कहा कि मेग लेनिंग पिछले तकरीबन 10 साल से इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रही हैं. मेरा मानना है कि वह वीमेंस क्रिकेट इतिहास की सबसे महानतम खिलाड़ियों में शुमार हैं. वहीं, जोनाथन बेट्टी की बात करें तो वह अपने जमाने में विकेटकीपर बल्लेबाज रह चुके हैं. जबकि इस खिलाड़ी का कोचिंग करियर भी शानदार रहा है. वह अब तक 3 काउंटी टीमों को कोचिंग दे चुके हैं.

दिल्ली टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन तोड़ सकते अहम रिकॉर्ड

अनिल कुंबले को भी इस मामले में पछाड़ने का मौका

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का शानदार तरीके से आगाज करते हुए नागपुर टेस्ट मैच को पारी और 132 रनों से अपने नाम किया. इस टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन की गेंदबाजी का कमाल भी देखने को मिला जिसमें उन्होंने मैच में

कुल 8 विकेट अपने नाम किए. वहीं अश्विन ने टेस्ट फॉर्मेट में 450 विकटों का भी आंकड़ा पार किया. अब सीरीज के दूसरे मुकाबले में भी वह कुछ नए रिकॉर्ड को तोड़ने के साथ उसे अपने नाम पर दर्ज करा सकते हैं. रविचंद्रन अश्विन का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमेशा से ही शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन देखने को मिलता है. इसी कारण कंगारू टीम भी इस टेस्ट सीरीज में खेलने से पहले उनके खिलाफ जमकर तैयारी कर थी लेकिन नागपुर टेस्ट मैच में साफतौर पर अश्विन भारी पड़े. अब दिल्ली टेस्ट मैच में भी उनसे सभी को इसी तरह की प्रदर्शन की उम्मीद होगी. दिल्ली टेस्ट मैच को लेकर बात की जाए तो रविचंद्रन अश्विन अपने नाम 2 बड़े रिकॉर्ड कर सकते हैं. इसमें यदि वह इस टेस्ट मैच में 3 विकेट और हासिल करने में कामयाब होते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अनिल कुंबले के बाद 100 विकेट हासिल करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन जायेंगे. इसके अलावा अश्विन अभी तक भारत में एक पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा 25 बार कर चुके हैं और इस मामले में वह संयुक्त रूप से अनिल कुंबले के साथ पहले स्थान पर मौजूद हैं. यदि वह दिल्ली टेस्ट मैच के दौरान एक पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा करने में कामयाब होते हैं तो वह इस मामले में अनिल कुंबले को पछाड़कर पहले स्थान पर पहुंच जायेंगे.

ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट देखकर बढ़ने लगी हैं लोगों की धड़कनें

> यूपी, बिहार के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग ठंडे बस्ते में, त्योहारों में टिकटों के लिए मैराथन शुरू

> रेलराज्य मंत्री अपने क्षेत्र से जालना से पटना के लिए चलवा दिया विशेष ट्रेन > दमरे के पूर्व जीएम व रेलवे बोर्ड के पूर्व चेयरमैन भी नहीं चलवा पाए ट्रेन

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेनों में यूपी बिहार के लिए कन्फार्म टिकट पाना भगीरथ प्रयास जैसा हो गया है। सिकंदराबाद और हैदराबाद से वाराणसी-पटना जाना तथा वापस आना काफी चुनौती भरा काम माना जा रहा रहा है। खासतौर पर ट्रेनों में कन्फार्म सीट न मिलने पर गर्भवती महिलाओं, बुर्जुगों, बच्चों, बीमार लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि ट्रेनों आरक्षित टिकट पर स्लीपर क्लास में यात्रा करने वालों को भी दर्दनाक यात्रा करनी पड़ी रही है। वेटिंग और पेनाल्टी वाले यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण लोग शौचालय में भी नहीं जा पाते हैं। भारी संख्या में यात्री शौचालय के पास डेरा डाले रहते हैं। इस स्थिति में महिलाओं, बच्चों और बुर्जुगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन लोगों को शौचालय में जाने में बेहद मुश्किल का सामना करना पड़ता है। हैदराबाद आने वाले बड़े नेताओं, सांसदों, मंत्रियों और रेल मंत्री के सामने नई ट्रेन चलाने का मामला उठ चुका है। बिहार और यूपी के केन्द्रीय मंत्री और रेलवे के अधिकारी नई या विशेष ट्रेनों का संचालन करवाने में नाकाम हैं। सिकंदराबाद से प्रतिदिन एक ट्रेन नंबर 12791 सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस जाती है। इसी तरह ट्रेन नंबर 12590 सिकंदराबाद से गोरखपुर सप्ताह में एक दिन रवाना होती है। कुछ ट्रेन दिल्ली के लिए भी रवाना होती हैं। वे भी यूपी के ललितपुर, आगरा आदि स्टेशनों से होकर गुजरती है। बेंगलुरू से भी एक ट्रेन गोरखपुर सिकंदराबाद होकर गुजरती है। मुख्य रूप से यूपी बिहार के लोगों के लिए सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस अहम है। यह ट्रेन से महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, यूपी, बिहार के यात्रियों का बोझ अकेल संभालती है। हालांकि हैदराबाद से पटना के लिए एक विशेष ट्रेन का संचालन दमरे कर रहा है। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज, दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से नहीं गुजरती है। कुछ दिनों पहले विशेष ट्रेनें चलाई गई थी। इन ट्रेनों से लोगों को राहत जरूर मिली थी। मौजूदा समय में अपने घर जाने के लिए परेशान लोग अभी से टिकट के जुगाड़ में लग गए है। टिकट पाने के लिए लोग दलालों के चंगुल में फंस रहे है। कई बार निजी ट्रैवेल्स की बसें यूपी बिहार यात्रियों को ले जाते समय दुर्घटनागस्त हो चुकी है। रेलवे के अधिकारी कहते है कि हमारी ओर से स्थिति पर नजर रखी जाती है। आवश्यकता को देखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाता है। सूत्रों की माने तो नई ट्रेन के संचालन में पटना और वाराणसी रेलवे की ओर से कोई खास पहल नहीं जा रही है। हालांकि ट्रेन में आवागन की समस्या का आने वाले चुनावों पर पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

काशी विश्वनाथ व अयोध्या के कारण यात्रियों की संख्या में इजाफा

यूपी में काशी विश्वनाथ मंदिर और अयोध्या में श्रीराम मंदिर का भव्य स्वरूप बनने के कारण आंध्रा, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र के यात्री ट्रेनों के सहारे वाराणसी रवाना हो रहे है। मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए जाने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी रही है। पहले से ही सिकंदराबाद-दानापुर जाने वाली ट्रेन में कर्न्फम टिकट मिलना मुश्किल था और अब यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। आने वाले मार्च महीने में होली का त्योहार, शादी, कटाई आदि के कारण ट्रेन में बहुत भीड़ होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। तेलंगाना में काम करने वाले यूपी-बिहार के लोग होली के त्योहार में अपने घर जाते है। इसके साथ ही मार्च में शादी, अप्रैल में फसलों की कटाई और स्कूलों में अवकाश होने के कारण यात्रियों की संख्या में इजाफा होती है।

यूपी, बिहार, तेलंगाना के नेता सिर्फ पिला रहे हैं आश्वासन की घुट्टी

कई सालों से हैदराबाद-सिकंदराबाद से यूपी और बिहार के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग हो रही हैं। तेलंगाना में लाखों की संख्या में रहने वाले यूपी-बिहार के लोग सालों से केद्रीय मंत्रियों, रेल मंत्री, सांसदों आदि से फरियाद करते आ रहे हैं। रेलवे के अधिकारियों को ज्ञापन देकर नई ट्रेन और समय-समय पर विशेष ट्रेन चलाने की मांग कर रहे है। चुनावों में लंबे वादे करने वाले नेता इस मामलें पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे है। तेलंगाना के कई नेता राष्ट्रीय नेता होने का दावा करते है और केन्द्र सरकार मजूबत ओहदा संभालने वाले इस दिशा में कोई प्रयास नहीं कर रहे है। ट्रेन की समस्या से परेशान लोग दर-दर भटक रहे है। तेलंगाना में सरकारी और निजी कार्यक्रमों में भाग लेने वाले केन्द्र सरकार के मंत्री और सांसद ट्रेन चलवाने के नाम पर यूपी-बिहार के लोगों को आश्वासन की घुट्टी पिला रहे है। मजबूरी में बसों से यूपी-बिहार की यात्रा के दौरान हादसे में कई लोगों की मौत हो चुकी है।

महिलाओं, बुर्जुगों, बच्चों को करनी पड़ रही है दर्दनाक यात्रा

सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद ट्रेन में दोनों तरफ से अधिकांश समय यात्रा के दौरान महिलाओं, बुर्जुगों, बच्चों को दर्दनाक यात्रा करनी पड़ रही है। स्लीपर क्लास में क्षमता से अधिक यात्रियों की संख्या रहती है। घर जाने के लिए परेशान वेंटिग लिस्ट वाले यात्री पेनाल्टी भर कर ट्रेन में सवार हो जाते है। क्षमता से अधिक लोग आए दिन डिब्बों में सवार हो रहे है। कई बार तो स्थिति जानवरों से भी बदतर हो जाती है। ट्रेन में यात्रा करने वाले लोगों की माने तो शौचालन जाने में बहुत कठिनाई होती है। स्थिति ये होती है कि कई बार तो ट्रेन में स्थिति बदतर हो जाती है। यूपी और बिहार यात्रा करने वालों का कहना है कि रेलवे प्रशासन को सिकंदराबाद-दानापुर और दानापुर-सिकंदराबाद के स्लीपर व जनरल कोच की समय-समय पर वीडियों रिकॉर्डिंग करवा कर रेल मंत्री, केन्द्रीय मंत्री, सांसद और रेलवे के बड़े ओहदेदार जिम्मेदार अफसरों को दिखाना चाहिए।

तेलंगाना के साथ भेदभाव, रेलराज्य मंत्री के क्षेत्र से पटना के लिए चली ट्रेन

बिहार और यूपी के लिए नई और विशेष ट्रेन चलाने के मामले में रेलवे हमेशा बिहार और यूपी के लोगों के साथ भेदभाव करता रहा है। यह दावा बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव का है। उनका कहना है कि त्योहारों के सीजन में आंध्रा, उड़ीसा, बंगाल, आसाम के लिए रेलवे विशेष ट्रेनों का संचालन कर देता है। जबकि महापर्व छठ में भी इस बार विशेष ट्रेन नहीं चली। उन्होंने कहा कि पड़ोंसी राज्य महाराष्ट्र से जालना लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब रेलराज्य मंत्री राव साहेब पाटिल दानवे के क्षेत्र से जालना से पटना के लिए ट्रेन चल गई। इससे साफ है कि तेलंगाना के साथ ट्रेनों के संचालन में भेद्भाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रे में सभी श्रेणियों में 14 सौ सीट होती है। 1400 सीट वाले ट्रेन में सीजन के दौरान 200 से 500 तक वेटिंग लिस्ट रहती है। इसके साथ ही जनरल डिब्बें में बेहिसाब यात्रियों की संख्या रहती है। उन्होंने कहा कि नई ट्रेन चलाने में परेशानी है तो रेलवे को समय-समय पर विशेष ट्रेनों का संचालन करना चाहिए।

केटीआर ने निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय डेटा दूतावास स्थापित करने की अपील

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने गुरुवार को हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय डेटा दूतावास स्थापित करने के लिए एक मजबूत मामला बनाया और केंद्र से गुजरात में एक ही स्थान पर नहीं बल्कि कई स्थानों पर प्रस्तावित डेटा दूतावास स्थापित करने की अपील की।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे एक पत्र में, उन्होंने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में डेटा दूतावास स्थापित करने के लिए उनके बजट प्रस्ताव का हवाला दिया और बताया कि गुजरात भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील राज्य है। ऐसे संभावित जोखिम वाले क्षेत्र में डेटा दूतावासों की स्थापना में भारी जोखिम का विवरण देते हुए, मंत्री ने कहा कि हैदराबाद देश में सबसे कम सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक है, जो इस तरह के डेटा केंद्रों की स्थापना के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में डेटा दूतावास स्थापित करने का कदम भी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है क्योंकि गुजरात ने किसी अन्य देश के साथ अपनी सीमा साझा की है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि डेटा दूतावासों के लिए स्थान चुनते समय ग्राहक देशों के हितों पर विचार किया जाना चाहिए।

हैदराबाद के विपरीत, गिफ्ट सिटी भूकंपीय क्षेत्र-3 में स्थित है और भूकंपीय क्षेत्र-4 के बहुत करीब है, यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र भूकंप के लिए उच्च जोखिम में है। ऐसे क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय डेटा दूतावासों का विकास संभावित जोखिम प्रस्तुत करता है और यदि महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना प्रभावित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं। डेटा केंद्रों के लिए एक आदर्श स्थान के रूप में हैदराबादके लाभों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि उचित परिश्रम के बाद, वैश्विक डेटा सेंटर की बड़ी कंपनियों ने अपने बड़े डेटा केंद्रों की स्थापना में निवेश करने के लिए तेलंगाना को चुना है।

उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना सरकार ने 2016 में अपनी डेटा सेंटर नीति शुरू की थी और डेटा केंद्रों की स्थापना की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण प्रोत्साहन और अनुमोदन प्रावधानों की पेशकश की थी। दोहरी बिजली ग्रिड तक पहुंच, कम लागत वाली बिजली आपूर्ति और एक उच्च गति फाइबर नेटवर्क ऐसे कुछ प्रावधान है। तेलंगाना में निवेश करने वाली कंपनियों का समग्र अनुभव बेहद सकारात्मक रहा है। अंतर्राष्ट्रीय डेटा दूतावासों को समान समर्थन प्रदान करने में राज्य को खुशी होगी, केटीआर ने कहा कि सीतारमण से बजट प्रस्ताव को संशोधित करने और कई स्थान प्रदान करने का आग्रह किया।

तेलंगाना के पूर्व सीएस सोमेश कुमार लेंगे वीआरएस!

अमरावती, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने आंध्र प्रदेश सरकार में शामिल होने के एक महीने बाद सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के लिए आवेदन किया है। सूत्रों का कहना है कि सोमेश कुमार ने अपने वीआरएस अनुरोध की मंजूरी के लिए मुख्य सचिव डॉ. केएस जवाहर रेड्डी से संपर्क किया है। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की मंजूरी के बाद ही उनके वीआरएस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। उधर, कथित तौर पर तेलंगाना सरकार उन्हें राज्य सरकार के सलाहकार के रूप में नियुक्त करने पर विचार कर रही है। संशोधित नियमों के अनुसार, राज्य सरकार केंद्र से अनुमति मांगे बिना किसी भी अखिल भारतीय सेवा (एआईएस) अधिकारी के वीआरएस आवेदनों को मंजूरी देने के लिए अधिकृत है। सोमेश कुमार ने बीते 12 जनवरी को उच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद एपी सरकार के लिए काम करना शुरू किया। ड्यूटी पर रिपोर्ट करने और मुख्य सचिव डॉ. जवाहर रेड्डी से मिलने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी से भी मुलाकात की। हालांकि, आंध्र प्रदेश सरकार ने उनकी नियुक्ति के बाद से अभी तक उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी है।

पोडू भूमि पट्टा वितरित करने के लिए पहचान प्रक्रिया पूरी, 1,130 आदिवासी किसान योग्य पाये गये

संगारेड्डी, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेदक जिले में पोडू भूमि पट्टा वितरित करने के लिए पात्र आदिवासी किसानों की पहचान करने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। यह प्रक्रिया तब शुरू की गई थी जब राज्य सरकार ने सितंबर 2021 में पात्र किसानों से आवेदन आमंत्रित किए थे। कम से कम 3,090 लोगों ने यह कहते हुए आवेदन दायर किया था कि उनके पास संगारेड्डी जिले में 6,648 एकड़ जमीन है। हालांकि, वन विभाग के अधिकारियों के सहयोग से राजस्व अधिकारियों ने पाया है कि केवल 3,451 एकड़ भूमि किसानों के कब्जे में है। अधिकारियों ने आगे पाया है कि ग्राम सभा के प्रस्तावों और आरडीओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर उनमें से एक अच्छी संख्या अनुसूचित जनजाति नहीं थी। अंत में, अधिकारियों ने पाया कि संगारेड्डी में 1,130 एसटी के पास 1770.85 एकड़ जमीन है। इस बीच, मेदक जिले में पोडू भूमि के पट्टे के लिए 4,015 लोगों ने आवेदन किया है। प्रारंभिक सर्वेक्षण के बाद, अधिकारियों ने पाया कि 1,061 गैर-एसटी से थे जो पट्टा प्राप्त करने के लिए अपात्र थे। शेष में से अधिकारियों ने पाया कि केवल 171 ही पट्टा जारी करने के पात्र है। अधिकारियों को सिद्दीपेट जिले में 246 लोगों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। उनमें से केवल 9 एसटी थे, लेकिन इन 9 एसटी में से किसी के भी पास कोई वन भूमि नहीं है। इसलिए, यह साबित हो गया कि उनमें से कोई भी पूरे सिद्दीपेट में पोडू भूमि पट्टा प्राप्त करने के योग्य साबित नहीं हुआ। चूंकि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने घोषणा की है कि सरकार इस महीने के अंत तक आदिवासियों को पोडू भूमि के पट्टे जारी करने की तैयारी कर रही है, इसलिए अधिकारी अब एसटी की एक सटीक सूची तैयार करने में व्यस्त हैं।

बस-ऑटो रिक्शा की टक्कर में चार महिलाओं की मौत

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भोंगीर जिले के चौटुप्पल मंडल के दंडुमल्कापुरम गांव में एक सड़क दुर्घटना में चार महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह दुखद घटना उस समय हुई जब एक निजी बस पीड़ितों को ले जा रहे ऑटो रिक्शा से टकरा गई।

इस घटना में लोग घायल हो गए और उन्हें हयातनगर के एक अस्पताल ले जाया गया। उनकी पहचान डी. नागलक्ष्मी (28), वी. अनसूया (55), चिलुवेरु धनलक्ष्मी (35) और देवरापल्ली सिरिषा (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि पीड़ित एक कंपनी औद्योगिक पार्क में काम करती थीं। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में एक अन्य मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हादसे के वक्त ऑटो रिक्शा में कुल 12 मजदूर सफर कर रहे थे।

तेलंगाना की सिंचाई प्रणाली को पंजाब में दोहराया जाएगा : भगवंत सिंह मान

हैदराबाद, 16 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि तेलंगाना की नहर-आधारित सिंचाई प्रणाली जो नदी के पानी का कुशलता से उपयोग करती है, पंजाब में दोहराई जाएगी। मान ने गुरुवार को गजवेल विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग जगहों के अपने दौरे से इतर पत्रकारों से बात करते हुए कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) को लेकर पानी के कुशल उपयोग में तेलंगाना सरकार के काम की सराहना की। इससे पहले, मान ने मार्कूक में केएलआईएस के हिस्से के रूप में निर्मित कोंडा पोचम्मा सागर का दौरा किया, जहां विशेष मुख्य सचिव (सिंचाई) रजत कुमार ने समुद्र तल से 618 मीटर की ऊंचाई पर बने जलाशय के बारे में बताया। उन्होंने मान को केएलआईएस के बारे में भी जानकारी दी, जिसके बाद पंजाब के मुख्यमंत्री ने लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मोटरों की जांच की।

बाद में उन्होंने मार्कूक में एर्रावेली गांव के पास कुदावेली वागु और पांडवुला चेरुवु में बने चेक-डैम का दौरा किया, जिसे बहाली के बाद एक मिनी टैंक बांध के रूप में विकसित किया गया है।

यह कहते हुए कि दुनिया के किसी भी हिस्से में अच्छी पहल से सीखने में उन्हें हमेशा खुशी होगी, मान ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने नई दिल्ली में इसी तरह की अवधारणा को देखने के बाद बस्ती दवाखाना अवधारणा शुरू की थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.